रांची, शनिवार
01.03.2025
वर्ष : 10, अंक : 90 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

डीजीपी अनुराग गुप्ता को मिला सीआईडी और एसीबी का अतिरिक्त प्रभार

रांची। झारखंड के डीजीपी और 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता को अपने कार्यों के अलावा सीआईडी और एसीबी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इससे संबंधित अधिसूचना शुक्रवार को गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी कर दी है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने जब डीजीपी के पद पर अनुराग गुप्ता को नियमित किया था, तब उन्होंने एसीबी और सीआईडी का अतिरिक्त प्रभार स्वतः छोड़ दिया था। इसके बाद एक बार फिर से उन्हें इन दोनों पदों का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

डॉ दिनेश सिंह बने नीलांबर पितांबर विवि के वीसी

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार ने जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और एचओडी डॉ दिनेश कुमार सिंह को पलामू के नीलांबर पितांबर विश्वविद्यालय का नया वीसी नियुक्त किया है। इस संबंध में राजभवन ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना में कहा गया है कि डॉ दिनेश कुमार सिंह के कार्यभार संभालने की तिथि से अगले तीन वर्षों तक वह पद पर बने रहेंगे।

डॉ अंजलि गुप्ता बनीं कोल्हान विवि की वीसी

रांची। राज्यापाल संतोष गंगवार ने जमशेदपुर स्थित महिला विश्वविद्यालय की वीसी डॉ अंजलि गुप्ता को कोल्हान विश्वविद्यालय का नया वीसी नियुक्त किया है। इस संबंध में राजभवन की ओर से शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि डॉ अंजलि गुप्ता के कार्यभार संभालने की तिथि से अगले तीन वर्षों तक पद पर बनी रहेंगी।

प्रधानमंत्री आज से गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर

जामनगर/अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल से गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे। दो मार्च को वह रिलायंस रिफाइनरी स्थित अनंत अंबानी का चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर 'वनतारा' और सासण का दौरा करेंगे। जबकि तीन मार्च को वह सोमनाथ जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी कल शाम जामनगर पहुंचेंगे। वे जामनगर में रात्रि विश्राम करेंगे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ कर लाखों कर्मियों को दी बड़ी सौगात

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए जा रहे ठोस कदम : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ कर लाखों कर्मियों को एक बड़ी सौगात दी। झारखंड विधानसभा सभागार में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा आयोजित राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हमारी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर राज्य कर्मियों को सेवा निवृत्ति के बाद भी आर्थिक संबल देने का काम किया है, उसी तरह राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से कर्मियों के समुचित इलाज का पूरा खर्च वहन की दिशा में यह बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के किसी भी श्रेणी के सरकारी कर्मियों को अपनी बीमारी के इलाज खर्च के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस योजना के माध्यम से उनके पूरे इलाज का खर्च सरकार उठाएगी।

इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव समेत कई अन्य मंत्री एवं विधायक गण, मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह तथा कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जीवन शैली में बदलाव की वजह से बढ़ रही है स्वास्थ्य समस्याएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जीवन शैली और कार्य प्रणाली में बदलाव की वजह से स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही है। । रहन-सहन और खान -पान में जिस तरह से बदलाव हो रहा है, उसने कमोबेश हर व्यक्ति किसी ना किसी बीमारी से ग्रसित कर दिया है। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां आम हो चुकी है तो कई गंभीर बीमारियां भी लोगों को अपनी चपेट में तेजी से लेती जा रही है। अस्पतालों का इलाज काफी महंगा हो चुका है । जैसे अस्पताल और डॉक्टर होंगे, वैसा ही इलाज का खर्च भी होगा। ऐसे में लोगों को अपनी बीमारी के इलाज के क्रम में आर्थिक मोर्चे पर काफी परेशानियां होती है। इस वजह से हमारी सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की मुहिम में जुटी है, ताकि लोगों को कम से कम खर्चे में बेहतर से बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके।

1 मार्च 2025 से लागू हो रही है योजना

विदित हो कि राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना 1 मार्च 2025 से लागू हो रही है । पहले चरण में इस योजना का लाभ कार्यरत सभी राज्य कर्मियों को मिलने जा रहा है। जबकी अन्य श्रेणी के कर्मियों के लिए यह योजना 1 मई 2025 से लागू होगी। इस योजना का लाभ राज्य के सभी सेवाओं के कर्मी, विधानसभा सदस्य, सेवानिवृत कर्मी, पारिवारिक पेंशन प्राप्तकर्ता एवं उनके आश्रित, राज्य विधानसभा के पूर्व सदस्य, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत/ सेवानिवृत पदाधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड ,निगम, संस्थान, संस्था में कार्यरत /सेवानिवृत नियमित कर्मी, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के कार्यरत/ सेवानिवृत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी तथा निबंधित अधिवक्ताओं को मिलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पैनल में शामिल देश के किसी भी अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का कैशलेश इलाज लाभुक करा सकेंगे। गंभीर बीमारियों की स्थिति में 10 लाख रुपये तक चिकित्सा व्यय का वहन भी किया जाएगा। अगर इलाज में और भी खर्च हो तो कॉरपस फंड से वह उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, विशेष परिस्थितियों में लाभुकों को एयर एंबुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सभी को एक नजरिए से देखती है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सभी को एक नजरिए से देखती है। चाहे किसान हो या मजदूर या कोई और वर्ग तथा तबका, सभी के साथ सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है । उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए संकल्पित होकर काम करने की आज आवश्यकता है और हमारी सरकार इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है।

सीमित संसाधनों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था कर रहे हैं मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक पिछड़ा और गरीब राज्य है । यहां कई चुनौतियां हमारे सामने खड़ी है। संसाधनों की कमी है। लेकिन, इन सब के बाद भी सरकार का प्रयास है कि यहां की विभिन्न समस्याओं को जड़ से समाप्त कर सके। इसी कड़ी में सीमित संसाधनों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने का काम तेज गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने बेहतर प्रबंधन के जरिए इस बीमारी पर जीत हासिल की, उसे पूरी दुनिया ने सराहा।

विधानसभा ने पारित किया 5,508 करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट

बिभा संवाददाता

रांची । झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद 5,508 करोड़ रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पारित कर दिया गया।

वित्तमंत्री राधाकृष्णी किशोर ने कटौती प्रस्ताव को लेकर कहा कि उन्हें आशा थी की अनुपूरक बजट पर विपक्षी सदस्यों की ओर से सरकार को सुझाव दिया जाएगा, लेकिन विपक्ष ने वित्तीय मामलों पर कम बल्कि राजनीतिक मुद्दे ज्यादा उठाए। विपक्ष की यह बात सही नहीं है कि सदन में मूल बजट आना है तो बीच में अनुपूरक बजट की क्या जरूरत है।हाल ही में केंद्र सरकार ने झारखंड को बकाया 1112 करोड़ रुपये दिए हैं तो क्या इस राशि का उपयोग अनुपूरक के जरिए विकास कार्यों में न हो।

वित्त मंत्री ने कहा कि हर पांचवां वर्ष चुनाव का होता है, जिसका असर राज्यों के खर्च और इसके राजस्व पर पड़ता है। हमारी सरकार की सोच है कि ऐसे विभागों के पैसे को उन विभागों को दे दिया जाए जिन विभागों में अधिक खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने जदयू सदस्य सरयू राय की ओर से उठाए गए मुद्दों पर कहा कि यदि सदन के बगैर अनुमति के राशि का आवंटन नहीं किया जाता है। यदि ऐसी बात होगी तो इसकी जांच कराई जाएगी। मालूम हो कि सरयू राय ने सदन की बगैर अनुमति के राशि आवंटित करने की बात कही थी और कहा था कि वित्तम मंत्री को सरकार के बही-खातों को दुरुस्त करना चाहिए।

मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना से नीरू शांति भगत ने की मुलाकात

रांची। झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की। इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि नीरू शांति भगत जल्द ही झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हो सकती हैं।

नीरू शांति भगत पूर्व में आजसू पार्टी से जुड़ी रही हैं और लोहरदगा सीट से दो बार चुनाव लड़ चुकी हैं, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली। हाल ही में उन्होंने आजसू से इस्तीफा दे दिया है। उनके पति कमल किशोर भगत भी आजसू पार्टी से विधायक रह चुके हैं।

विधानसभा में जमीन अधिग्रहण और मुआवजा को लेकर पर हंगामा, सत्ता-विपक्ष दोनों ने उठाए सवाल

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन जमीन अधिग्रहण से जुड़ा मुआवजा, एनओसी और म्यूटेशन में धांधली का मुद्दा गरमाया रहा। इस पर विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सवाल उठाए। विधायक नागेंद्र महतो ने सरकार से पूछा कि क्या वह गैर-मजरूआ जमीन पर किसानों से राजस्व लेकर उन्हें स्वामित्व का अधिकार देने पर विचार कर रही है? इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने जवाब दिया कि पूर्व की भाजपा सरकार ने अवैध जांच का आदेश दिया था, लेकिन अब 2018 से पूर्व की बंदोबस्ती वाली जमीन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है ।भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के बाद खाता और प्लॉट नंबरों में बदलाव कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से पांच एकड़ की जमीन को पांच डिसमिल दिखाया जा रहा है और सीओ (अंचल अधिकारी) 25 से 50 हजार रुपये तक की घूस मांग रहे हैं। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि यदि किसी अंचल से ऐसी शिकायत मिलती है, तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी ।विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने भी भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे को उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि विकास कार्यों के लिए भूमि देने वाले रैयतों के गैर-अधिग्रहित प्लॉट पर प्रतिबंध हटाया जाए, क्योंकि इस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। विधायक सुरेश पासवान ने देवघर का मामला उठाते हुए कहा कि वहां रसीद कटवाने पर अधिकारियों द्वारा सीबीआई जांच का हवाला दिया जा रहा है ।विधायक राजेश कच्छप ने ज्यूडिशियल अकादमी से नगड़ी तक अधिग्रहित भूमि के मुआवजे का भुगतान अब तक न होने का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि रैयती जमीन को प्रतिबंधित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगर कोई अधिकारी एनओसी देने में देरी करता है, तो 15 दिनों के भीतर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यदि सीओ (अंचल अधिकारी) सीबीआई जांच का बहाना बना रहे हैं, तो उन्हें भी शोकॉज किया जाएगा।

केरल में अगली सरकार कांग्रेस की होगी : खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में शुक्रवार को यहां केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की बैठक हुई जिसमें विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर विचार विमर्श किया गया।

श्री खरगे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि आज केरल के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक हुई जिसमें राज्य में अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव की रणनीति तथा अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा, केरल में परिवर्तन अपरिहार्य है। कांग्रेस ने केरल के विकास प्रतिमान और कल्याण मॉडल का निर्माण किया है और हम अपने यूडीएफ गठबंधन को सत्ता में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अगले साल जनता राज्य में दमनकारी और सांप्रदायिक दोनों मोर्चों को परास्त करेगी। हमने पार्टी

के केरल के नेताओं के साथ की बैठक की जिसमे राजनीतिक रणनीति के साथ ही राज्य के भविष्य पर विचार-विमर्श किया गया।

श्री खरगे तथा श्री गांधी ने एक दिन पहले असम के नेताओं के साथ भी बैठक की। इस साल के अंत में बिहार तथा अगले साल केरल और असम में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है और इस क्रम में पार्टी नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं।

कोरोनाकाल में रेमडेसिविर के 2512 इंजेक्शन हो गये थे एक्सपायर : एजी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में कोरोना काल के दौरान फरवरी 2022 में जब लोग मर रहे थे। उस दौरान राज्य में 2512 रेमडेसिविर के 2512 इंजेक्शन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण एक्सपायर हो गये। यह खुलासा शुक्रवार को झारखंड के प्रधान महालेखाकार (एजी) इंदू अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में किया। उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 तक राज्य में 1,64,761 रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध था। जिसके विरुद्ध 53,205 इंजेक्शन स्टॉक में था। इसके अलावा, पांच नमूना जांच की गयी डीएच को 4, 739 रेमडेसिविर इंजेक्शन मिला। वहीं अप्रैल 2021 और फरवरी 2022 के बीच केवल 696 रेमडेसिविर इंजेक्शन का ही उपयोग किया गया। इसमें 2512 इंजेक्शन एक्सपायर हो गयी। वहीं स्टॉक में 1,531 इंजेक्शन ही स्टॉक में मौजूद था।

एसजी की ओर से कहा गया कि राज्य औषधि नियंत्रक, रांची को 6,990 इंजेक्शन जारी दिखाया गया। हालांकि डिलीवरी चालान की जांच की गयी तो पता चला कि यह इंजेक्शन एनएचएम के एमडी और राज्य औषधि नियंत्रक के टेलीफोनिक आदेश पर दो प्राइवेट सप्लायरों को जारी कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि जेएमएचआईडीपीसीएल को इंजेक्शन की सप्लाई के लिए राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के अलावा व्यक्तियों से चेक मिले थे। इन प्राप्त हुए चेक में से 39.66 लाख रुपये के ऐसे 63 चेक थे, जिनमें व्यक्तियों द्वारा दिए गए 29.14 लाख रुपये मूल्य के 58 चेक को बैंकों ने लौटा दिया।

3.16 करोड़ के राजस्व का नुकसान

उन्होंने कहा कि झारखंड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सोसाइटी (जेआरएचएमएस) और सीएस-सह-सीएमओ की ओर से निजी अस्पतालों से, जिन्हें वेंटिलेटर किराए पर दिए गए था। ऐसे लोगों से सिक्यूरिटी के रुप में जमा कराया गया 69 लाख रुपये और 3.16 करोड़ का किराया वसूलने में स्वास्थ्य विभाग विफर रहा। इससे राजस्व का नुकसान हुआ।

स्वास्थ्य विभाग में भारी गड़बड़ी

एजी की जांच में स्वास्थ्य विभाग में भारी गड़बड़ी पायी गयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोडरमा और चाईबासा में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का निर्माण 653.61 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया था। जिसे जनवरी 2022 में पूरा करना था। लेकिन अगस्त 2022 तक तक चाईबासा में आठ प्रतिशत काम और कोडरमा में केवल 12 प्रतिशत ही किया जा सका। शेष काम अधूरा था। इसके अलावा खरसावां में भी 500 बेड वाले अस्पताल भवन का निर्माण 142.88 करोड़ रुपये की लागत से होना था। लेकिन विभाग की काम में बार-बार बदलाव और मंजूरी में देरी के कारण अगस्त 2022 तक भवन का काम पूरा नहीं हो सका। इसी तरह से दुमका जिले के हंसडीहा में 100 बेड वाला अस्पताल को मानव बल के मंजूरी नहीं मिलते के चलते नहीं शुरू किया जा सका। वहीं गढ़वा जिले के खरौंधी में बनने वाले सीएचसी के भवन का निर्माण कार्य जो 2.25 करोड़ में जनवरी 2016 तक पूरा हुआ था। वहीं विभाग के दस्तावेजों में इसे एक्टिव बताया गया था। उसकी जब मई 2022 में जांच की गयी तो सीएचसी का भवन अधूरा और जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पाया गया।

माहे-रमजान का चांद नजर नहीं आया, 2 मार्च को रमजान का पहला रोजा

एजेंसी

नई दिल्ली। रमजान-उल-मुबारक का महीना शुरू होने वाला है। इसके मद्देनजर आज देश के अलग-अलग शहरों की रूयत-ए-हिलाल कमेटियों की तरफ चांद देखने का इंतेजाम किया गया लेकिन अब तक कहीं से माहे-रमजान का चांद नजर आने की कोई सूचना नहीं है।

इसलिए देशभर में दिनांक 02 मार्च रविवार को रमजान की पहली तारीख होगी और उसी दिन पहला रोजा रखा जाएगा। यह घोषणा मरकजी रूयत-ए-हिलाल कमेटी शाही जामा मस्जिद, मरकजीरूयत-ए-हिलाल कमेटी शाही मस्जिद फतेहपुरी और मरकजीरूयत-ए-हिलाल कमेटी इमारत-ए-शरीया-ए-हिंद के जरिए जारी किए गए बयान में की गई है। दिल्ली की ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने ऐलान करते हुए कहा कि दिल्ली सहित देश के किसी भी भाग से रमजान के चांद के दिखाई देने की कोई तस्दीक नहीं हुई है। इसलिए जामा मस्जिद में आयोजित बैठक में कमेटी ने फैसला किया है कि आगामी 2 मार्च रविवार के दिन रमजान का पहला रोजा रखा जाएगा। उन्होंने सभी देशवासियों को रमजान की मुबारकबाद भी दी है। जामा मस्जिद के नायब शाही इमाम और मरकजीरूयत-ए-हिलाल कमेटी शाही जामा मस्जिद के नायब सद्र (उपाध्यक्ष) सैयद शाबान बुखारी की तरफ से प्रेस को जारी एक बयान में कहा गया है कि 28 फरवरी 2025 शुक्रवार को रमजान का चांद नजर नहीं आया है, इसलिए मरकजीरूयत-ए-हिलाल कमेटी शाही जामा मस्जिद द्वारा निर्णय लिया गया है कि पहला रोजा 2 मार्च 2025 रविवार को है। इसी तरह शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी अपने बयान में कहा है कि दिल्ली एनसीआर सहित देश के किसी भी भाग में चांद नहीं निकलने की तस्दीक हुई है, इसलिए रविवार 2 मार्च को देश भर में पहला रोजा रखा जाएगा।

रूयत-ए-हिलाल कमेटी, इमारते शरीया हिंद की बैठक मुफ्ती मोहम्मद जकावत हुसैन कासमी नायब अमीर-ए-शरीअत, सूबा दिल्ली की अध्यक्षता में, आयोजित हुई। चांद देखने का विशेष प्रबंध किया गया। दिल्ली में मौसम साफ नहीं था इस लिए चांद नजर नहीं आया। देश के विभिन्न स्थानों से भी संपर्क किया गया, लेकिन कहीं से भी रूएत अर्थात चांद निकलने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। इस स्थिति को देखते हुए कमेटी ने तीस की रूयत को स्वीकार करते हुए घोषणा की कि 2 मार्च 2025, दिन रविवार को माह-ए-रमजानुल मुबारक 1446 हिजरी की पहली तारीख होगी और इसी दिन पहला रोजा रखा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

शराब से लदा ट्रक पकड़ाया, दो गिरफ्तार

लातेहार(बिभा): पुलिस अधीक्षक के मिले गुप्त सूचना के आधार पर लातेहार जिला में एक ट्रक पकड़ा जिसको पुलिस ने जप्त कर लिया। सूचना के आधार पर लातेहार गेट के सामने वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था उसी क्रम में ट्रक भी आ पहुंचा जिसे पुलिस दल ने घेराबंदी कर ट्रक को जप्त कर लिया एवं कार्रवाई में जुट गई। जांच में देखा गया है कि अवैध शराब गोभी से ढक कर ले जाया जा रहा था। दो अभियुक्त कुशल पवार एवं आकाश पवार दोनों उत्तर प्रदेश को पुलिस ने पकड़ लिया। मौके पर पुलिस निरीक्षक दुलार चौड़े, आरक्षी राजेश कुमार शर्मा, संतोष कुमार एवं धर्मेंद्र कुमार सिंह शामिल थे।

सड़क हादसे में 40 साल के एक व्यक्ति की मौत

चान्हो(बिभा)। थाना अंतर्गत सोंस स्थित शिव मंदिर के निकट शुक्रवार दोपहर दो बजे हुए सड़क हादसे में 40 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान लोहरदगा जिला के कूडु थाना अंतर्गत कोलसिमरी निवासी विजय कुमार पासवान, के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक विजय पासवान रांची में रहकर साइकिल की दुकान चलाते है। शुक्रवार को वे कूडू स्थित अपने पैतृक घर से होंडा साइन बाइक में राशन का सामान लेकर रांची जा रहे थे। तभी सोंस चौक से पहले शिव मंदिर के निकट इनकी बाइक आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सुचना मिलते पहुंची पुलिस ने विजय पासवान को चान्हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया , जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी चान्हो पहुंच गए थे। वही पुलिस द्वारा उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

खूँटी तमाड़ रोड़ अनियंत्रित टैंकर ने बिजली के खंभे को ठोकर मारने से लगी आग

खूँटी(बिभा) । जिले के अड़की थाना क्षेत्र रेंकाड़ मोड़ के समीप में तमाड़ खूँटी सड़क पर शुक्रवार को बिजली के खम्भे से एक अकलतरा टेंडर के टकराकर सॉर्ट सर्किट होने से आग लग गयी। जिससे चालक और खलासी करेंट की चपेट में आने से बाल बाल बच गये। जो कि अलकतरा भरा एक टैंकर खूँटी से तमाड़ की ओर जा रही थी। इसी क्रम में एक अन्य टैंकर तमाड़ की ओर से आ रही कंटेनर ट्रक को बचाने के क्रम सड़क के किनारे बिजली के खंभे को ठोकर मार दी। जिससे वाहन में करंट दौड़ गया। वहीं बिजली के करंट की चपेट में आने से टैंकर में आग लग गई जहाँ एक ओर उपचालक खिड़की से कूदकर जान बचाई। वहीं चालक ने टैंकर के कैप खोलकर आग को भड़कने से बचाई। इधर घटना की सूचना मिलते ही अड़की थाना पुलिस मौके पर पहुँची और अग्निशमन विभाग से संपर्क कर दमकल की गाड़ियाँ मंगाया गया। जिसके बाद अग्निशमन दल कर्मियों ने लगभग आधे घंटे की कड़ी परिश्रम के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

पुलिस प्रशासन का शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत शिविर

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत नगर भवन में शुक्रवार को एसपी अमन कुमार की अगुवाई में पुलिस प्रशासन द्वारा पुलिस प्रशासन का शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 10 से अधिक जनसुनवाई टेबल लगाये गये थे। जिसमें खूँटी जिले के सभी थाना के प्रभारियों ने अपने अपने क्षेत्र की जनसमस्या को सुनने के लिए टेबल लगाये हुए थे। जिसमें लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को लेकर शिविर में पहुँच एसपी अमन कुमार के पास पहुंचे। जिसमें विशेष कर आपसी रंजिश, भूमि विवाद जैसे मामले सामने आए। वहीं पदाधिकारियों ने समस्याओं को लिखित आवेदन लेकर जल्द ही इसकी सुनवाई करने के लिए लोगों कै आश्वस्त किया । मौके पर एसपी अमन कुमार ने बताया कि झारखण्ड सरकार के निर्देश के आलोक में आईजी महोदय के निर्देश पर समय समय पर जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में आज खूँटी में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें लोग अपनी समस्याओं को लेकर यहां आ रहे हैं। जिनकी समस्याओं को लेकर टेबल लगाए गये हैं। जो अपनी समस्याओं को रजिस्टर्ड कर रहे हैं जिसपर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

लकड़ी माफियाओं ने गराय में काट दी कई कीमती गम्हार पेड़, वनकर्मी मौन

सिल्ली(बिभा) : एक तरफ सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष बचाओ जंगल बचाओ व वृक्ष लगाओ अभियान चला रही है. वहीं दूसरी तरफ सिल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत गोड़ाडीह पंचायत के गराय जंगल में कुछ लकड़ी माफिया के द्वारा कई कीमती गम्हार पेड़ों की अंधाधुन कटाई की गई है। मजे की बात है कि लकड़ी माफिया जंगल में ही बिना किसी डर भय का स्थानीय लोगों से लकड़ी चिराई करवा रहे है और वनकमीर्यों ने आंखें बंद कर रखी है। लकड़ी चिराई करने वाले लोगों से लकड़ी मालिक का नाम पूछे जाने पर बताया कि हमलोग 400 रुपए मजदूरी में काम कर रहे है किसका लकड़ी है हमलोग नही जानते है और चलते बना। वही इधर प्रभारी वनपाल सिल्ली से पूछे जाने पर बताया विट गार्ड गौतम का क्षेत्र है वही बता सकते है। मालूम हो कि इसके अलावे सिल्ली आसपास के कई जंगल में पत्थरों का भी अवैध कटाई जारी है।

अज्ञात युवक सिरकटा शव पाये जाने पर क्षेत्र में सनसनी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र से छह किलोमीटर दूर सड़क किनारे आज सुबह पुलिस ने एक अज्ञात युवक का सिर कटा शव बरामद किया है। खूँटी के मारंगहादा थाना क्षेत्र के कुजराम से चुकरु जानेवाला राह पर जानुमडीह गाँव से आधा किमी दूर मंगुवारा सड़क के किनारे की घटना है लेकिन सिर गायब होने से व्यक्ति की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हो पायी है। शव मिलने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मारंगहादा पुलिस घटना का जायजा लेने और सिर खोजने के लिए ड्रोन कैमरा लेकर घटनास्थल पर पहुँची। वहीं जिसमें बरामद अज्ञात शव के पार्थिव शरीर का रंग गोरा है और सफेद टीशर्ट और काला ट्राउजर पहना हुआ है साथ ही दाहिना हाथ में मौली धागा है। अज्ञात शव की पहचान के लिए पुलिस डॉग स्क्वॉड टीम के साथ प्रयासरत रही। डॉग स्क्वॉड टीम के द्वारा आसपास के एक दो किलोमीटर क्षेत्रों और गांवों में सर्च अभियान चलाया लेकिन शाम तक पुलिस को सफलता नहीं मिली। आशंका जतायी जा रही है कि अन्यत्र कहीं उस व्यक्ति की हत्या कर शव का पता न चले इसलिए शव के सिर को ही गायब कर दिया और शव को सड़क के किनारे फेंक दिया। वहीं जिस प्रकार से खोजी कुत्ता के द्वारा हत्यारों के भ्रमणशील क्षेत्र में कुत्ता ऐसे स्थानों से गुजरा जहाँ वही लोग जा सकते हैं जिन्हें ऐसे झाड़ियों से भरे बिना राह का क्षेत्र में गये और फिर एक किलोमीटर दूर दूसरी ओर के पक्की सड़क पर आकर रुक गया। जिससे छुपाने की नीयत से खूँटी के न तो हत्यारों का पता चल पाया और न ही शव का सिर ही मिल पाया। वहीं अज्ञात शव होने के कारण खूँटी पुलिस हत्या के अलग अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है। अज्ञात शव की पहचान होने के बाद ही हत्या और हत्या के कारणों का सुराग मिलने की संभावना है। स्क्वायड डॉग टीम लीडर राजेश कुमार यादव ने बताया कि इस अज्ञात व्यक्ति को कहीं दूसरे जगह हत्या करके शव को यहाँ फेंका गया है। लेकिन जिस ओर से व्यक्ति भागे हैं कुत्ता सूंघकर उस ओर दौड़ा लेकिन वैसे सड़कों का जानकारी बाहर के लोगों को नहीं होगा। जिसमें स्थानीय व्यक्ति शामिल होने की संभावना जताया जा सकता है। डीएसपी वरुण रजक ने कहा कि स्थानीय व्यक्ति का शव नहीं लगता है। जिसे अन्यत्र जगह मारकर यहाँ पर लाकर फेंक दिया गया। जिसमें सिर खोजने और सबूत खोजने के लिए स्क्वायड डॉग मंगाया गया साथ ही फॉरेंसिक सर्च लेब टीम आकर सैंपल लिए हैं और आगे की कार्रवाई जारी है। एसपी अमन कुमार ने बताया कि यह मारंगहादा थाना क्षेत्र का घटना है। जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति का सिरकटा बरामद किया गया है। जिसके सिर का कोई पता नहीं चल पाया है। लेकिन उसकी पहचान के लिए पुलिस लगी है सभी और इसकी जानकारी दे दी गई है और दी जा रही है। जल्द ही इसकी पहचान करने और हथियारों का पता लगाने के लिए अनुसंधान जारी है।

मांडर महाविद्यालय मांडर में विदाई समारोह का आयोजन

बिभा संवाददाता

मांडर । प्रखंड स्थित शुक्रवार को मांडर महाविद्यालय, मांडर के सभागार में कुडुख विभाग के कर्मचारी चुमनू उरांव जी के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से सेवानिवृत्त हो चुके हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ बुदु उरांव, कुडुख विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो सोमरा उरांव भी उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने वक्तव्य में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक और कर्मचारी ने महाविद्यालय में लम्बे समय तक सेवा देकर महाविद्यालय को जिस शिखर तक पहुंचाया है, वर्तमान समय में कार्यरत कर्मचारियों को उनके नक्शे कदम पर चलकर महाविद्यालय को सुचारू रूप से चलाने का कार्य करते रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों की खुशहाली और स्वस्थ जीवन की कामना की। साथी ही प्रो गामा तिग्गा, प्रो उदय कुमार, बड़ा बाबू सलीम अंसारी ने भी अपने वक्तव्य में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के सुखद भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर डॉ बुदु उरांव ने महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों से कहा कि हमें आप लोगों से बड़ी उम्मीदें हैं। अब महाविद्यालय का भविष्य आपके हाथों में है, आप विद्यार्थियों का भविष्य संवारने का कार्य करें, यही हमारी इच्छा है। प्रो सोमरा उरांव ने कहा कि महाविद्यालय में हमने चालीस वर्षों तक सेवा प्रदान कीं, आगे भी हम महाविद्यालय के साथ खड़े रहेंगे, बस आप लोग सुचारू रूप से महाविद्यालय को आगे बढ़ाते रहें। क्रार्यक्रम के अंत में सेवानिवृत्त कर्मियों को पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट देकर सम्मानित किया गया। मौके पर मंच संचालन दिव्या रानी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ असेंलम मिंज ने किया। इस अवसर पर डॉ के पी शाही, डॉ जयप्रकाश रजक, डॉ पवन दास, डॉ नीलम कुमारी, सेनेल टेटे, डॉ विवेक कुमार, विनोद राम, डॉ ममता कुमारी बाड़ा, सुषमा कुमारी, नीलिमा खलखो, तुलसी उरांव, हेमकांत समीर होरो, अजीत एक्का, विक्रम, धर्मवीर, दुर्गा उरांव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री ने रेफरल अस्पताल प्रबंधन समिति के साथ किया बैठक

बिभा संवाददाता

मांडर : प्रखंड सभागार में शुक्रवार को रेफरल अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक हुई ,इस बैठक में झारखंड सरकार सम्मनवयक समिति के सदस्य सह पुर्व मंत्री श्री बंधु तिर्की की अध्यक्षता में हुई, बैठक में पुर्व मंत्री ने अस्पताल में मरीजों के लिए दवा भैक्सिन एवं उपकरण की उपलब्धता की जानकारी ली और निर्देश दिए कि जो भी जरूरी सामान है। उसे तुरंत उपलब्ध कराया जाय साथ जितने भी प्रखंड में सी एच ओ सहिया एवं अस्पताल के कर्मचारियों के साथ महीना में एक बार बैठक कर उनकी समस्या और मरीजों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर कार्य करने का भी निर्देश दिए ।मौके पर सी ओ चंचला कुमारी , प्रभारी किशोर कुलु ,विधायक प्रतिनिधि जमील मलिक, प्रखंड अध्यक्ष मांगा उरांव ,सांसद प्रतिनिधि के अलावा प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

सामुहिक दुष्कर्म मामले पर बाल आयोग की टीम ने किया खूंटी का दौरा

बिभा संवाददाता

खूँटी । झारखंड के बाल आयोग की टीम ने खूँटी में हुए सामुहिक नाबालिग दुष्कर्म मामले को लेकर शुक्रवार को खूँटी का दौरा किया। जिसमें विगत दिनों चार नाबालिग लड़कियों के साथ अठारह लोगों के द्वारा किये गये बलात्कार मामले को लेकर आज बाल आयोग की टीम खूँटी में पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में बच्चों से सम्बंधित कार्य करनेवाले अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें विशेष तौर पर, उपविकास आयुक्त, एसडीओ, तोरपा एएसपी, डालसा सचिव, जिले के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बाल संरक्षण विभाग आदि बैठक में शामिल हुए हैं। झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य रुचि कुजूर ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के जो ड्रॉप आउट बच्चे हैं उसमें शिक्षा की कमी के कारण से क्रिमिनल माइंडेड की ओर आगे बढ़ रहे हैं ऐसी सोच को हटाने के लिए कैसे कार्य करें इस पर विशेष थीम के साथ बैठक किया गया है। आभा अकिंचन ने कहा कि बाल संरक्षण आयोग खूंटी में हुई दुष्कर्म मामले को लेकर के आज बैठक किया और घटना के बारे समीक्षा की। वहीं जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे जिनके साथ बैठक करके विचार विमर्श किया गया कि आगे से ऐसी घटना ना हो इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य विकास दोदराजका ने कहा कि यह काफी शर्मनाक घटना है। जिस पर आज समीक्षा किया गया है। वही विभागों के पदाधिकारी के साथ बैठक कर इस मामले पर गहन बातचीत की गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन इन बातों का ध्यान रखेगी की ऐसी घटना ना हो इसके लिए विशेष जन जागरण अभियान चलाया जाएगा और इस पर जिला प्रशासन कार्य करेगी। इस दौरान पीड़िताओं के गाँव में जाकर जायजा लिया । वहीं दुष्कर्म करनेवाले सभी नाबालिग होने के कारण तथा पीड़िताओं पर ऐसा कुकृत्य होने पर चिंता जताई। साथ ही ग्रामीणों से मुलाकात कर आगे ऐसा न हो इसपर सजग रहने के लिए आग्रह किया।

जिम्मेदारों की अनदेखी, सरकारी शिक्षक के रहते पारा शिक्षक 5 साल से है सहायक प्रधानाध्यापक, जिम्मेदार मौन

बिभा संवाददाता

सिल्ली : राज्य सरकार की ओर से शिक्षा को बढाव़ा देने और नामांकन बढाऩे के लिए नावाचार किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी और ग्रामीणों में जागरूकता का अभाव के चलते सिल्ली में कई सरकारी स्कूलों है जहां के शिक्षक मौज मार रहे हैं, खुद की मर्जी से स्कुल आते जाते है। यही हाल सिल्ली प्रखंड मुख्यालय के राजकीय प्राथमिक विद्यालय हरवाडीह का है। इस विधालय में कुल 20 बच्चों का नामांकन है शुक्रवार को 12 बच्चें उपस्थित थे। इस स्कुल में एक सरकारी शिक्षक अभिनाश कुमार है जो रांची से आना जाना करते है वही गांव के ही मंगल सिंह महली पारा शिक्षक है जो प्रशासनिक अधिकारियों की कृपा से सरकारी शिक्षक के रहते बीते 5 साल से सहायक प्रधानाध्यापक बनें हुए है। इसमें भी मजे की बात है कि बताया जाता है जो विद्यालय के सहायक प्रधानाध्यापक होते है उनका प्रतिनियुक्ति नहीं होता है इसके बाबजूद महली को राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय गराई में प्रतिनियुक्ति किया गया है जो मन किया तो अपने मर्जी के अनुसार आते है। शुक्रवार को विद्यालय खुलने का निर्धारित समय से दो ढ़ाई घंटे देर बाद विधालय पहूंचने पर पत्रकार द्वारा पूछे जाने पर कहा 9 बजे हरवाडीह स्कुल में हाजरी बनाये है और 11 बजे गराई विधालय पहुंचे है। उनसे जब बच्चों की नामांकन संख्या और उपस्थिति की जानकारी मांगा गया तो कहा हमको हाजरी बही नही मिला है, 1 सप्ताह से बच्चों का हाजरी मौखिक रूप से बनाते हैं।

प्रखंड में बैठे प्रशासनिक अधिकारी करते हैं खेला

सूत्रों का माने तो प्रखंड मुख्यालय में बैठे बीईईओ वीपीओ और बीआरसी खानापूर्ति निरीक्षण करते हैं और स्थानीय स्तर पर कागजों में विभाग के नियमों का उल्लंघन कर शिक्षकों का प्रतिनियुक्ति करते हैं।

बीईईओ ने कहा

इधर इस संबंध में बीईईओ सिल्ली से पूछे जाने पर बताया किसी भी विद्यालय में सरकारी शिक्षक के रहते हैं पारा शिक्षक को सहायक प्रधानाध्यापक बनाना गलत है। मालूम हो कि बीईईओ एक माह पूर्व सिल्ली में योगदान दिए थे और 28 फरवरी को सेवानिवृत हुए।

विधायक ने शून्य काल में टमाटर आधारित उद्योग लगाने की मांग की

चंदवा, बालूमाथ, हेरहंज और बारियातू में होती है टमाटर की जमकर की खेती

सड़क और कॉलेज के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, चंदवा में डिग्री कॉलेज और बारियातू में महिला कॉलेज खोलने की मांग

बिभा संवाददाता

लातेहार : लातेहार विधायक प्रकाश राम ने विधानसभा में शून्य काल के दौरान लातेहार विधानसभा क्षेत्र में टमाटर आधारित उद्योग स्थापित करने की मांग की है। प्रकाश राम ने कहा कि लातेहार जिला के चंदवा, बालूमाथ, बारियातू और हेरहंज में बंपर टमाटर की पैदावार होती है। सैकड़ो ट्रक टमाटर यहां से निर्यात होता है। यदि टमाटर आधारित यथा-टोमेटो सॉस, जैली, मुरब्बा आदि उद्योग की स्थापना होने से किसानों को टमाटर का उचित मूल्य प्राप्त हो सकता है, किसानों का आय बढ़ेगा वहीं दूसरी ओर रोजगार का भी संवर्धन होगा। यहां के किसान सैकड़ों एकड़ में टमाटर की खेती करते हैं, प्रतिवर्ष हजारों टन टमाटर यहां से निर्यात होता है।

चंदवा और बारियातू में डिग्री कॉलेज खोलने की मांग

विधायक प्रकाश राम ने सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर चंदवा में सरकारी डिग्री कॉलेज वही बारियातू में महिला डिग्री कॉलेज खोलने की मांग की है। प्रकाश राम ने कहा कि एक ओर जहां चंदवा के बच्चों को डिग्री लेने के लिए 80 किमी दूर जाना पड़ता है वही बारियातू में महिला कॉलेज खोलने पर बल देते हुए कहा कि यहां की बच्चियों को उच्च शिक्षा के लिए करीब 100 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। जिसके कारण 90% बच्चियों आगे की पढ़ाई छोड़ देती हैं, महिला कॉलेज स्थापना होने से बच्चियों को सहूलियत होगी।

लातेहार कॉलेज में पठन पाठन हेतु समुचित व्यवस्था कराने की मांग

विधायक प्रकाश राम ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर लातेहार में डिग्री कॉलेज और महिला डिग्री कॉलेज में पठन पाठन हेतु समुचित व्यवस्था करने की मांग करते हुए कहा कि दोनों का भवन बनकर तैयार है। भवन को नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी को सौंप दिया गया है, बावजूद इसके आज तक पढ़ाई शुरू नहीं हुई है। जिसके कारण हजारों बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस संबंध में संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश देने का आग्रह किया है।

पथ निर्माण विभाग से पथो का निर्माण कराने की मांग

विधायक प्रकाश राम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर अपने विधानसभा के प्रमुख पथों को पथ निर्माण विभाग से करने की मांग की है। इनमें लातेहार के केंद्रीय विद्यालय से रिचुघुटा 30 किमी,चंदवा के कामता एनएच 22 से लूटी आरसीडी तक भाया चाटुआग, होलंग, मासियातू, गुरतूर, तुरकातांड 30 किमी,बारियातू के गिद्दी मोड़ से प्रतापपुर 40 किमी,चंदवा के दामोदर से मैकलुस्कीगंज तक भाया चतरो-महुआमिलान-मरमर - तिलैयादमार-तुरीसुत-देवठाही-खुटेर-डुमारो 40 किमी की सड़क शामिल है।

उद्घोषणा
बिहान भारत, रांची

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर्स (सेन्ट्रल रूल्स 1956 के अंतर्गत)
बिहान भारत पत्र के संबंध में स्वामित्व
तथा अन्य विवरण विषयक जानकारी

घोषणा पत्र फार्म - 4

1. **प्रकाशन स्थल**	:	वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू रांची-834009(झारखंड)
2. **प्रकाशन अवधि**	:	दैनिक
3. **मुद्रक का नाम**	:	संजय कुमार
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू रांची-834009(झारखंड)
4. **प्रकाशक का नाम**	:	संजय कुमार
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू रांची-834009(झारखंड)
5. **संपादक का नाम**	:	कविता साहू
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू रांची-834009(झारखंड)

मैं संजय कुमार एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जारकारी एवं विश्वास के अनुसार सही है।
रांची
दिनांक : 1 मार्च 2025

संजय कुमार
प्रकाशक के हस्ताक्षर

संक्षिप्त खबरें

सीए अभिषेक केडिया दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुने गए

रांची(बिभा): दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा के पदाधिकारियों का वर्ष 2025-26 के लिए चुनाव संपन्न हुआ, जिसमे सीए अभिषेक केडिया को रांची शाखा का अध्यक्ष, सीए अनीश जैन को उपाध्यक्ष, सीए भुवनेश कुमार ठाकुर को सचिव, सीए विवेक खोवाल को कोषाध्यक्ष और सीए दिलीप कुमार को सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, सीए हरेन्दर भारती को सी पी इ कमिटी निर्विरोध चुने गए। सीए निशांत मोदी इस कमिटी के अन्य कार्यकारिणी सदस्य है आज इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की राँची शाखा की नव निर्वाचित सदस्यों (2025-29) की पहली मीटिंग रांची शाखा के निवर्तमान चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बागला की देख रेख में संपन्न हुआ। सीए अभिषेक केडिया दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची ब्रांच के अध्यक्ष के रूप में इस महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने वाले 32वें सदस्य हैं। इससे पूर्व वे रांची शाखा के सचिव और कोषाध्यक्ष रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवायें दे चुके है और रांची शाखा के द्वारा आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण सेमिनार/कांफ्रेंस और सामाजिक कार्यों में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है। इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए श्रद्धा बागला, सीए प्रभात कुमार, निवर्तमान उपाध्यक्ष सीए उमेश कुमार सहित रांची शाखा के बहुत से चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने सीए अभिषेक केडिया और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी है, और साथ ही भरोसा जताया है कि उनके कार्यकाल में इंस्टिट्यूट कि रांची शाखा नई उचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने इस प्रतिष्ठित पद के लिए समर्थन देने के लिए सभी कार्यकारिणी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किये ।

बाबा श्याम का किया गया केशर चंदन तिलक श्रृंगार

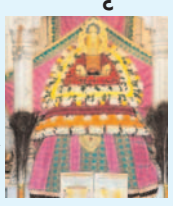

रांची(बिभा) : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में आज खाटूनरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। ज्ञातव्य है कि अमावस्या महास्नान के पश्चात बाबा श्यामल रूप में दर्शन देते हैं। फाल्गुन सुदी एकम के शुभ अवसर पर खाटूधाम स्थित श्याम मंदिर एवं रांची स्थित श्याम मंदिर में बाबा श्याम का केसर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। कोलकाता से आए लाल गुलाब रजनीगंधा पिला स्टार व्हाइट स्टार ऐरीला फुल तुलसीदल मुरूगन फुल लाल गेंदा की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम का दिव्य अनुपम श्रृंगार किया गया। मंडल के मंत्री श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा श्याम का अद्भुत मनोहरी तिलक श्रृंगार किया। सुबह 5:00 बजे पट खोलने के बाद भक्तों का आना-जाना मंदिर में लग रहा। 5:30 बजे की मंगला आरती के बाद पर्दे लगाकर बाबा श्याम का प्रथम श्यामल रूप श्रृंगार किया गया। श्रृंगार आरती में अनेक श्याम प्रेमी जय जय खाटू के वासी जय जय बाबा श्याम के गायन करके बाबा श्याम को रिझा रहे थे। दोपहर विश्राम के बाद तिलक श्रृंगार प्रारंभ हुआ। विशेष श्रृंगार दर्शन लगभग 4:30 बजे से भक्तों के लिए सुलभ हो सके। नवीन बागा पंचमेवा प्रसाद चढ़कर भक्तों के लिए दर्शन हेतू परदे खोल दिए गए। यह जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

वसंतकालीन गुलाब प्रदर्शनी 2 मार्च को

रांची(बिभा) : द रोज सोसाइटी ऑफ रांची और रांची क्लब के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 2 मार्च को रांची क्लब के बहुद्देशीय सभागार में वसंतकालीन गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। रविवार को सुबह 7 से 9 बजे के बीच प्रतिभागियों के प्रादर्श स्वीकार किए जाएंगे एवं प्रदर्शित किए जाएंगे तथा आम लोगों के लिए प्रदर्शनी अपराह्न 3 बजे से 6.30 बजे तक खुली रहेगी। रोज सोसाइटी के उपाध्यक्ष संतोष जायसवाल ने बताया कि कटिंग किए गए फूलों और गमले में लगे गुलाब पौधों के अलावा गुलाब चित्रकारी, गुलाब क्राफ्ट, गुलाब फोटोग्राफी, रोज अरेंजमेंट, रोज एंब्रायडरी, गुलाब की माला और पुष्पगुच्छ के प्रादर्श भी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में शामिल किए जाएंगे। फूल के साइज, शेप, प्रजाति, ताजगी, खुशबू आदि मानकों के आधार पर निर्णायक समिति के आकलन के अनुरूप अपराह्न में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया जाएगा। विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों के अलावा स्कूल, कॉलेज, संस्थान, प्रतिष्ठान भी प्रदर्शनी में लगाने हेतु अपने प्रादर्श ला सकते हैं। भागीदारी संबंधी नियम एवं शर्तों की विशेष जानकारी के लिए समिति की कोषाध्यक्ष हेजेल डेविस (9955359206) से संपर्क किया जा सकता है। प्रदर्शनी की तैयारी हेतु गणेश मुंजाल, अरूप नंदी, नीरज कुमार, पूनम जायसवाल बिलेंडा सोरेन, राजश्री बासु आदि लोगों की टीम सक्रिय है।

हिन्दी के बाल-साहित्य पर भूमण्डलीकरण का प्रभाव पुस्तक का लोकार्पण

रांची(बिभा) : रांची विमेंस कॉलेज के प्राचार्या डॉ सुप्रिया एवं प्रोफेसर इंचार्ज डॉ विनीता सिंह के द्वारा हिंदी विभाग रांची विमेंस कॉलेज की सम्मानित शिक्षिका डॉ कुमारी उर्वशी की आइसेक्ट पब्लिकेशन से जनवरी 2025 में प्रकाशित पुस्तक हिन्दी के बाल-साहित्य पर भूमण्डलीकरण का प्रभाव का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ सुप्रिया ने कहा कि यह पुस्तक न केवल हिंदी साहित्य के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि बाल-साहित्य पर वैश्वीकरण के प्रभावों को समझने के लिए भी एक आवश्यक पहल है। हिन्दी के बाल-साहित्य पर भूमंडलीकरण का प्रभाव पुस्तक में इस विषय पर गहन शोध किया गया है कि कैसे वैश्वीकरण और आधुनिक तकनीकी बदलावों ने हिंदी के बाल-साहित्य को प्रभावित किया है। इस पुस्तक का विमोचन हिंदी साहित्य और विशेष रूप से बाल-साहित्य के बदलते स्वरूप पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करता है। शोधार्थियों और शिक्षकों को इस विषय पर सोचने और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। डॉ विनीता सिंह ने कहा कि भारतीय समाज में सदियों से मौखिक कथा परंपरा, पंचतंत्र, जातक कथाएँ और लोककथाएँ बच्चों के मनोरंजन और नैतिक शिक्षा का प्रमुख स्रोत रही हैं। प्रेमचंद, सुभद्राकुमारी चौहान, महादेवी वर्मा आदि साहित्यकारों ने हिंदी बाल-साहित्य को समृद्ध किया। 1990 के बाद जब भारत में उदारीकरण एवं वैश्वीकरण बढ़ा, तब विदेशी लेखकों की पुस्तकों, डिज्नी एवं कार्टून नेटवर्क जैसे चैनलों का प्रभाव बढ़ा। हैरी पॉटर, स्नो व्हाइट, सिंड्रेला जैसी कहानियों ने भारतीय बच्चों पर गहरी छाप छोड़ी।ऑनलाइन माध्यमों, वीडियो गेम्स, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और ऑडियोबुक्स ने बच्चों के साहित्यिक अनुभव को बदल दिया। बच्चे अब पारंपरिक कहानियों की तुलना में एडवेंचर, फैंटेसी और साइंस फिक्शन की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। हिंदी बाल-साहित्य में अंग्रेजी शब्दों एवं वाक्य संरचना का प्रचलन बढ़ा है।पश्चिमी संस्कृति से प्रेरित कहानियों में भारतीय नैतिक मूल्यों की तुलना में स्वतंत्रता और व्यक्तिगत उपलब्धियों को अधिक महत्व दिया जाने लगा है।

मुख्यमंत्री ने 28945 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सौंपा टैबलेट , गुणवत्तायुक्त शिक्षा संवर्धन हेतु विद्यालय रिपोर्ट कार्ड एवं शिक्षकों के लिए 50 घंटे का अनिवार्य समेकित- सतत क्षमता विकास कार्यक्रम का भी किया ऑनलाइन शुभारंभ

सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक नया अध्याय: हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज जमाना डिजिटल हो चुका है। कोई भी ऐसा सेक्टर नहीं बचा है जो डिजिटलाजेशन से अछूता हो। डिजिटल सेवाओं में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। हर दिन- डिजिटल सेवाएं अपग्रेड हो रही है। ऐसे में आप चाहे या ना चाहे, डिजिटल प्लेटफार्म से अपने को अलग नहीं रह सकते हैं। ऐसे में बेहतर है कि वक्त के अनुरूप आप अपने और आने वाली पीढ़ी को तकनीकी रूप से मजबूत बनाएं। जब आप डिजिटल फ्रेंडली होंगे, तभी आगे बढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मुख्यालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा आयोजित समारोह में 28945 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के बीच टैबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने गुणवत्तायुक्त शिक्षा संवर्धन हेतु विद्यालय रिपोर्ट कार्ड एवं शिक्षकों के लिए 50 घंटे का अनिवार्य समेकित-सतत क्षमता विकास कार्यक्रम का भी ऑनलाइन शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री रामदास सोरेन, मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार , शिक्षा सचिव श्री उमा शंकर सिंह एवं झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक श्री शशि रंजन मौजूद थे।

बच्चों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था का व्यापक पैमाने पर डिजिटाइजेशन हो चुका है। स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज चल रहे हैं। डिजिटल शैक्षिक सामग्रियों का इस्तेमाल हो रहा है । ऑनलाइन कोचिंग क्लासेज चल रहे हैं । ऐसे में अगर हमारे बच्चे अगर डिजिटल फ्रेंडली नहीं होंगे तो उनके आगे की राह आसान नहीं होगी। उन्हें हर कदम पर कई चुनौतियां एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार ने सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने तथा डिजिटल रूप से उन्हें मजबूत करने करने के अभियान में जुट गई है। बच्चों का समग्र विकास हमारी सरकार प्रतिबद्धता है।

बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा में आज जुड़ा एक नया अध्याय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सरकारी विद्यालयों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालयों को टैबलेट उपलब्ध करने के साथ एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। इससे स्कूलों में उपस्थिति से लेकर सभी रिपोर्टिंग कार्य डिजिटल माध्यम से होंगे. वहीं, टैबलेट का प्रयोग बच्चों के पठन-पाठन, शिक्षकों के प्रशिक्षण, अनुश्रवण, बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग आसान हो जाएगी और उसके आधार पर शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

मोबाइल में सिमट गई है दुनिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक में आज तेजी से बदलाव हो रहा है। आपकी मुट्ठी में मोबाइल है और उस मोबाइल में सारी दुनिया सिमट गई है। अब आपको ना को पर्स लेकर चलने की जरूरत है और ना ही कैश। आप अपने मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ तमाम जानकारियां हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हर चीज की सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं। मोबाइल फोन भी इससे अच्छा नहीं है,लेकिन यह आप पर निर्भर करता है कि इसका इस्तेमाल किस रूप में करते हैं। अगर आप इसका सदुपयोग करेंगे तो निश्चित रूप से उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। बच्चों से कहा कि वे इस डिजिटल जमाने में कहां खड़े हैं और दुनिया कहां पहुंच चुकी है उसका आकलन करते हुए आगे बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

बच्चों को प्रोत्साहित कर रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के होनहार बच्चों को विभिन्न माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आगे बढ़ सकें। आज जैक के साथ सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉपर्स को प्रोत्साहन राशि के साथ लैपटॉप और मोबाइल फोन दिया जा रहा है वहीं, राज्य सरकार अपने खर्चे पर यहां के गरीब और होनहार विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का मौका दे रही है। इसके अलावा अनेक ऐसी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़नी एवं उनके भविष्य को संवारने का काम हो रहा है ।

पंचायतों में नेटवर्क कनेक्टिविटी को किया जाएगा मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सेवाओं के प्रभावित होने की बात बार-बार सामने आती है। डिजिटल कनेक्टिविटी की समस्या से तमाम प्रकार के कार्यों एवं सेवाओं में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे लोगों को काफी परेशानियां होती है। ऐसे में सरकार सभी पंचायतों में मोबाइल टावर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाएगी ताकि डिजिटल माध्यम से होने वाले सभी सरकारी कार्य सुचारू, सरल एवं सुविधाजनक तरीके से संचालित हो सके।

रंग लाया रक्षा राज्य मंत्री का प्रयास: 2 करोड़ की लागत से जगन्नाथ मंदिर परिसर का होगा समग्र विकास

भगवान जगन्नाथ की कृपा से ही होगा यह कार्य : सेठ

बिभा संवाददाता

रांची। धुर्वा में स्थित प्रभु जगन्नाथ के ऐतिहासिक मंदिर परिसर के समग्र विकास का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद श्री संजय सेठ के प्रयास से 450 वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक मंदिर परिसर का समग्र विकास सीएसआर से होना है। इसे कार्य 2 करोड़ 9 लख रुपए की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है। रांची जिला प्रशासन के किए सीसीएल ने एमओयू भी कर किया है। बहुत जल्द यह कार्य शुरू हो जाएगा। विदित हो कि अगस्त 2024 में श्री संजय सेठ ने सीसीएल के सीएमडी को पत्र लिखकर जगन्नाथ मंदिर की आध्यात्मिकता और ऐतिहासिकता से अवगत कराया था। रक्षा राज्य मंत्री ने अपने पत्र में कहा था कि नागवंशी राजाओं के द्वारा स्थापित यह मंदिर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नायकों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। वर्तमान समय में इस परिसर के समग्र विकास की आवश्यकता है ताकि राष्ट्रीय पटल पर इस परिसर को नई पहचान मिल सके। इसी के आलोक में सीसीएल ने जिला प्रशासन से संपर्क किया और परिसर के समग्र विकास को स्वीकृति दी। जगन्नाथ मंदिर परिसर के समग्र विकास की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र के लोगों में अपार हर्ष है। लोग रक्षा राज्य मंत्री की इस पहल के लिए उनके प्रति आभार प्रकट कर रहे हैं।

इस बाबत श्री संजय सेठ ने कहा कि प्रभु जगन्नाथ की कृपा से ही यह काम संभव हुआ है। रांची की जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे अपना जनप्रतिनिधि चुना है, उसे विश्वास को और मजबूत बनाने के लिए मैं हर कार्य कर रहा हूं। जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए मेरा हर कार्य समर्पित है। जगन्नाथ मंदिर सिर्फ हमारी आध्यात्मिकता का केंद्र नहीं है बल्कि यह झारखंड की ऐतिहासिक धरोहर में से एक है। इस मंदिर परिसर का समग्र विकास, यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कई प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने वाला होगा।

जगन्नाथ मंदिर में होंगे यह कार्य

मंदिर के समग्र विकास की दिशा में बाउंड्री वाल, पार्क निर्माण, वॉटर फाउंटेन, बच्चों के लिए खेलने की सुविधा, शौचालय, बागवानी, कियोस्क, गजीबो, पर्याप्त लाइटिंग, रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सहित कई कार्य किए जाएंगे।

सरकार चतुर्थ वर्गीय पदों पर सीधी नियुक्ति करे : बंधु तिर्की

बिभा संवाददाता

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने राज्य सरकार से अपील की है कि वह अपने विभिन्न कार्यालयों के साथ ही अपने अधीनस्थ सभी निगम, बोर्ड आदि में भी चतुर्थ वर्गीय पदों पर कर्मचारियों एवं श्रमिकों की सीधी और पूर्ण नियुक्ति करे साथ ही पहले से आउटसोर्सिंग कंपनियों के माध्यम से उपलब्ध कराये गये अनुबंधित कर्मियों को नियमित करे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजे गये एक पत्र में श्री तिर्की ने कहा है कि राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालय के साथ ही विभिन्न निगमों, प्राधिकार, बोर्ड आदि में बड़ी संख्या में चतुर्थ वर्गीय पदों पर वैसे कामगार और कर्मचारी कार्यरत हैं जो नियमित नहीं है. उनमें से अधिकांश आउटसोर्सिंग कंपनियों के माध्यम से उपलब्ध कराये गये अनुबंधित कर्मी हैं जो रोजगार के अभाव एवं गरीबी के कारण वैसी आउटसोर्स कंपनियों के माध्यम से अनुबंधित होते हैं और अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं.

श्री तिर्की ने श्री सोरेन से आग्रह किया है कि यदि वैसी आउटसोर्सिंग कंपनियों पर सख्त पाबंदी लगाते हुए वैसे अनुबंधित कर्मचारियों एवं श्रमिकों की सीधी नियुक्ति करने की संभावनाओं पर ध्यान देते हुए सकारात्मक कदम उठायें और जबतक ऐसा नहीं होता है तब तक वैसी आउटसोर्सिंग कंपनियों पर सख्त निगरानी बरती जाये.

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मुख्यालय में आज एक भव्य ह्रसम्मान समारोहह्व का आयोजन किया गया, जिसमें फरवरी 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले 100 कर्मियों में से मुख्यालय में कार्यरत 7 कर्मियों को विदाई दी गई।

समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों में झ आई. ई. विभाग से श्री अरुण कुमार पांडेय, मुख्य प्रबंधक (आई. ई.); भर्ती विभाग से श्रीमती अर्चना सिन्हा, मुख्य प्रबंधक (कार्मिक); उत्खनन विभाग से श्री धर्मेंद्र कुमार, मुख्य प्रबंधक (उत्खनन); गांधीनगर अस्पताल से डॉ. हेमंत केरकेट्टा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी; गांधीनगर अस्पताल से श्री सुनील के. एन., मुख्य रेडियोग्राफर; कल्याण विभाग से श्रीमती गीता कुमारी, वरीय लिपिक एवं लपंगा ड्रिलिंग कैंप से श्री मिटिक नाहक, रिगमैन शामिल हैं।

समारोह में आई. ई. विभाग के विभागाध्यक्ष श्री वी. के. शुक्ला, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण और सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों के अनुभव और योगदान पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित की गई। इस फिल्म में कर्मियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया और इसके निरंतर विकास की कामना की।

मुख्य अतिथि श्री शुक्ला ने अपने संबोधन में सीसीएल परिवार की ओर से उपस्थित वरिष्ठतम सेवानिवृत कर्मियों का अभिनंदन एवं स्वागत किया और कहा कि आप सभी का योगदान अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सराहनीय रहा है। उन्होंने सेवानिवृत कर्मियों के सपरिवार सुखी, स्वस्थ जीवन की कामना की।

मंच संचालन और धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (कार्मिक/कल्याण) श्रीमती रेखा पांडेय ने किया। कार्यक्रम की सफलता में कल्याण विभाग और अन्य विभागों का विशेष योगदान रहा।

सेवानिवृत हो रहे शिक्षकों एवं शिक्षा पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

शिक्षक अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा और समर्पण के कारण हमेशा रखे जाएंगे याद : उमा शंकर सिंह

बिभा संवाददाता

रांची: स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग सचिव उमा शंकर सिंह ने शुक्रवार को रांची जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा फरवरी माह में सेवानिवृत होने वाले दो प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं 16 सेवानिवृत शिक्षकों को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिवालय स्थित सभागार में सम्मानित किया । उन्होंने शिक्षकों को मोमेंटो, शॉल एवं सभी तरह की पावनाओं को देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते। आप शिक्षकगण अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा और समर्पण के कारण हमेशा याद रखे जाएंगे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री शशि प्रकाश सिंह निदेशक प्राथमिक शिक्षा ने शिक्षकों को उनके जीवन भर की मेहनत और योगदान के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने सभी सेवानिवृत शिक्षकों को नव साक्षर भारत प्रोजेक्ट उल्लास के जन चेतना केंद्र से जुड़ने का आह्वान भी किया.

जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा शिक्षक समाज के निमार्ता होते हैं और उनका योगदान न केवल एक पीढ़ी तक सीमित रहता है बल्कि यह अनंत काल तक चलता है। उन्होंने जानकारी दी कि माह जनवरी 2025 में भी 28 सेवानिवृत शिक्षकों को उपायुक्त रांची महोदय द्वारा सेवानिवृत्ति के दिन सभी लाभ दिए गए थे और यह कार्यक्रम भविष्य में भी जारी रहेगा। इस अवसर पर अवर सचिव शिक्षा, जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, जिले के सभी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य कर्मीगण उपस्थित थे।

एसएस मेमोरियल कॉलेज रांची में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

बिभा संवाददाता

रांची : एसएस मेमोरियल कॉलेज रांची में डॉ.सी.वी.रमण के वैज्ञानिक खोज रमन इफेक्ट के लिए आज का दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी विभाग इस दिन सभी विज्ञान विभाग यथा भौतिकी, गणित, बॉटनी, में, विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों से संबंधित मिलकर प्रोग्राम आयोजित किए गए हैं। महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा अभिभाषण, प्रदर्शनी का आयोजन कर पुरस्कृत भी किया गया।महत्त्वपूर्ण आयोजनों में वैज्ञानिकों के भाषण, निबंध, लेखन, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, इत्यादि भी प्राध्यापको द्वारा कराया गया हैं। विज्ञान के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए महाविद्यालय स्तर पर पुरस्कारों की घोषणा भी की गईं । बच्चों में विज्ञान की लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए विशेष पुरस्कार भी रखे गए। महाविधालय के गणित के विद्वानवरीय प्राध्यापक सह प्राचार्य डॉ. बी. पी. बर्मा द्वारा अभिभाषण में बताया गया कि प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद ने 1986 में केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में घोषित किया जाए।

पूर्व जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ.दीपक कुमार द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस रमन प्रभाव की खोज के कारण मनाया जाता है।

पूर्व वरीय प्रध्यापक और आज के मुख्य अतिथि डॉ.राजेश कुजुर ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है।

वरीय प्रध्यापक विभागाध्यक्ष डॉ.बी.पी.अखौरी ने कहा कि विज्ञान के बिना विकास की राह में तीव्रता से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है।

डॉ.रामानाथ सिंह ने बताया कि देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जैसे आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रसार में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

मंच संचालन के क्रम में डॉ.गायत्री सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच पैदा करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। आज के कार्यक्रम का विषय प्रवेश डॉ. मंजु सिंकू और धन्यवाद ज्ञापन रुकैया परवीन के द्वारा किया गया। आज के कार्यक्रम में उपरोक्त विद्वतजन के अलावा डॉ. रानी प्रगति प्रसाद, डॉ. समर सिंह, डॉ. अनिल बीरेंद्र कुल्लू, डॉ.प्रेमा,डॉ. संजय कुमार षाड़ंगी, डॉ. त्रिभूवन साही, डॉ. मुकेश उरांव, डॉ. अभिषेक गुप्ता, डॉ.कन्हैया लाल,डॉ राजश्री इन्दवार, डॉ रीना कुमारी, डॉ उषा कीड़ों,अल्फिया यासिर , मुस्कान देव,सहित महाविधालय के सभी शैक्षिक और गैर शैक्षिक कर्मी उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक (जीएस)/जीएसयू/चक्रधरपुर, निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **क्रम सं.: 1; निविदा सं.: सीकेपी-जीएसयू-फेंसिंग-24-25-01; कार्य का नाम:** आसनबनी-झारसुगुड़ा स्टेशन के बीच किलोमीटर 233.880 से 515.117 (281.237 ट्रैक किलोमीटर) तक ट्रैक के साथ धातु बीम क्रैश बैरियर, फिक्स्ड नॉइस फेंसिंग (बेजिनल-2000), प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट एवं आरसीसी कॉलम के साथ इंट कार्य द्वारा सुरक्षा बाड़ लगाने की व्यवस्था; **निविदा मूल्य:** ₹ 2,02,94,87,150.07; **बयाना राशि (ईएमडी):** ₹ 1,00,00,000; **निविदा प्रपत्र की लागत:** ₹ 0.00; **निविदा खोलने की तिथि:** 04.04.2025। निविदाकर्ता/बोलीदाता के पास क्लास - III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है तथा उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकर्ता/बोलीदाता ही ई-निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेने के समय सभी संबंधित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे, और यदि कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे नजरअंदाज कर दिया जाएगा। निविदा को वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **नोट:** सभी निविदाकर्ताओं को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। (प्राधिकरण - रेलवे बोर्ड का पत्र सं. 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांक 16.07.2020)। **(PR 1196)**

6 तक मांगे पूरी नहीं हुई तो 7 को चक्का जाम : राजेंद्र सिंह

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के धमन भट्ठी विभाग मे सेल एवं बोकारो प्रबंधन के मजदूर विरोधी नीति के खिलाफ तथा मजदूरो के लंबित मांगो के समर्थन में क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (हिन्द मजदूर सभा) की विशाल मीटिंग हुई।मीटिंग को संबोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रबंधन को कुम्भकर्णी निन्द्रा से जगाने हेतु मजदूर आर-पार के संघर्ष के लिये कमर कस कर मैदान में उतर चुके हैं। प्रबंधन के पास 06 मार्च 2025 तक का समय है ।06 मार्च तक हमारी मांगें पूरी नही हुई तो संघर्ष के प्रथम चरण में 07 मार्च प्रातः 06:00 बजे से 08 मार्च प्रातः 06:00 बजे तक (24 घंटा) कोक-ओवन एवं धमन भट्ठी का चक्काजाम रहेगा। एक तरफ 39 महीने का एरियर, वर्षो पूराने इन्सेंटिव रिवॉर्ड के द्वारा नियमित मजदूरों का शोषण किया जा रहा है।वहीं दूसरी तरफ ठेका मजदूरो का तो भगवान हीं मालिक है।तानाशाही मेडिकल चेकअप कानून समझ से परे है।सैकड़ो मजदूर मेडिकल चेकअप के कारण कार्य से बाहर हैं।हमने कई बार वार्ता के द्वारा अधिकारियों से दरख्वास्त किया कि सिस्टम को सुधारिये, मजदूरो मे आक्रोश बढ़ रहा है, मेडिकल चेकअप को गेट पास से अलग करीये मगर हर बार सिर्फ आश्वासन देकर ये कुम्भकर्णी निन्दा में लीन हो जाते हैं।

ईएसआईसी से बाहर हो चुके कुशल कामगार ईलाज को दर दर भटक रहें हैं ।महारत्ना के मजदूर और उनके परिवार के ईलाज की सुध लेने वाला कोई नहीं है।हमारा साफ कहना है कि या तो मजदूरो का परिवार सहित बोकारो जेनरल अस्पताल अस्पताल मे ईलाज करो या परिवार सहित कम से कम 20 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस करो। ए डब्ल्यू ए को वेज से अलग करो । ग्रेच्युटी, नाइट शिफ्ट एलाउंस अविलंब लागू करो।

अन्त में श्री सिंह ने मजदूरो को आह्वान करते कहा कि 'दलालो से सावधान,अबकी बार आर या पार' ।एकताबद्ध होकर संघर्ष करेंगे तथा प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि 6 तारीख तक सभी मांगो को पूरा करीये अन्यथा चक्काजाम के लिये तैयार रहिये। मीटिंग को श्री सिंह के अलावे विपिन कुमार सिंह, शशिभूषण, अम्बेडकर, मनोज ठाकुर, संतोष कुमार, बासुदेव कुम्भकार, उत्तम मिश्रा, प्रमोद कुमार आदि ने संबोधित किया।

जैप 4 विभाग की पहल: स्व0 हवलदार मनोज कुमार बाउरी के आश्रित को एक करोड़ की सहायता राशि दी गई

बोकारो (बिभा): बोकारो जैप 4 में पदस्थापित स्व0 हवलदार मनोज कुमार बाउरी झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो के आश्रित को पुलिस सैलरी पैकेज के तहत एक करोड रुपए की सहायता राशि उनके नॉमिनी के खाते में अंतरण कराया गया। भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ पुलिस विभाग के साथ हुई ए0एम0यू0 के तहत दुर्घटना एवं अन्य कारणो से हुई मृत्यु पुलिसकर्मियों के आश्रित को पुलिस सैलरी पैकेज के तहत 01 (एक) करोड रुपए की सहायता राशि देने का प्रावधान है। मुकेश कुमार समादेष्टा, बोकारो के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में एवं झारखण्ड पुलिस मेन्स एसोशिएशन शाखा जैप-4, बोकारो के सभी सदस्यों के अथक प्रयास के कारण यह राशि स-समय लाभुक के खाते में भेजा गया। इसके लिए बैक कर्मियों का भी सराहनीय भूमिका रही। मुकेश कुमार द्वारा झारखण्ड पुलिस मेन्स एसोशिएशन के सभी सदस्यों की सराहना की गई तथा बताया गया कि जो कर्मी हमारे बीच से चले गये है उनकी भरपाई तो हम नहीं कर सकते है, परन्तु हमारे द्वारा उनके आश्रित को जो भी आर्थिक मदद दी जा सकती है हमने दिया है तथा हमारा यही प्रयास रहा है कि हमारे कर्मी जो झारखण्ड राज्य में दिन-रात उग्रवादी उन्मूलन एवं विधि-व्यवस्था ड्यूटी में निडरता से अपने कर्तव्य का निवहन कर रहे है, उन्हें हरसंभव सुविधाएँ स-समय प्राप्त हो सके, इसके लिए हम प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आज मृत आरक्षी विजय सिंह बानरा की पत्नी श्रीमति तालमति देवी को भी अनुकम्पा के आधार पर इस वाहिनी में आरक्षी के पद पर नियुक्त किया गया।

संक्षिप्त खबरें

चंदनकियारी के श्री श्री गोठेस्वर शिव मंदिर धाम में महाशिवरात्री के उपलक्ष में अखंड हरी कीर्तन और राम कथा का आयोजन

बोकारो(बिभा): चंदनकियारी के श्री श्री गोठेस्वर शिव मंदिर धाम में महा शिवरात्री के उपलक्ष में तीन दिवसीय महायज्ञ का समापन आज पूणार्हुति के साथ हो गया, इस अवसर पर तीन दिनों तक अखंड हरी कीर्तन ,राम कथा और पश्चिम बंगाल के श्री सच्चिदानंद ब्रम्हचारी द्वारा भागवत पाठ का आयोजन किया गया जिसमे अगल बगल के क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे और इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया साथ ही परिक्रमा कर भगवान भोलेनाथ से सुख समृद्धि की कामना की ,वही भोले बाबा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा ,यज्ञ समापन के बाद मंदिर कमिटी के द्वारा महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी भोग वितरण किया गया जिसमे बच्चे बुजुर्ग और महिलाओं की भारी भीड़देखी गई,मौके पर कमिटी सदस्य माणिक सिंह ने कहा की गोठेस्वर मंदिर एक पौराणिक मंदिर है लेकिन व्यवस्था की कमी के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी होती है अतः स्थानीय सांसद और विधायक से आग्रह है इस मंदिर का सौंद्रीकरण कर समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने की कृपा करे ताकि श्रद्धालु को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इस मौके पर सुरेंद्र नाथ सिंह, सुवर्ण बाउरी साधन सिंह प्रदीप सिंह,मिहिर सिंह सुदय मोदक, माणिक माजी गोपी कालिंदी, मनोज सिंह , जय हरी महतो सुबोध बाउरी,समर ठाकुर रामचंद्र रजवार फनी गोप सुबोध सिंह ,नरेश सिंह . कुंवर सिंह सजनी देवी ,कन्हाई बाउरी आदि लोगो का सहयोग रहा।

ओएनजीसी ऑफिसर्स महिला समिति ने चास महिला थाना में क्रेचे की स्थापना की

बोकारो(बिभा) : चास महिला थाना प्रांगण में महिला एवं बच्चों के अनुकूल बैठने एवं विश्राम हेतु एक क्रेचे का उद्घाटन श्रीमती रचना जौहरी, अध्यक्ष, ओएनजीसी ऑफिसर्स महिला समिति के द्वारा किया गया। चास महिला थाना में दूर-दराज के क्षेत्रों से महिलाएँ अपनी शिकायतें दर्ज कराने आती हैं, जिनके साथ छोटे बच्चे भी होते हैं। ऐसे में महिलाओं और बच्चों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से यह क्रेचे बनाया गया है, ताकि वे आरामदायक वातावरण में बैठ सकें और बच्चों को भी उपयुक्त वातावरण मिल सके। इस अवसर पर श्रीमती रचना जौहरी ने कहा कि ओएनजीसी ऑफिसर्स महिला समिति द्वारा निर्मित यह क्रेचे महिलाओं एवं बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था आगे भी इसी प्रकार के कार्यों के माध्यम से अपने उद्देश्यों की पूर्ति करती रहेगी। वहीं, थाना प्रभारी सुश्री सुनीता लिंडे ने इस सहयोग के लिए ओएनजीसी ऑफिसर्स महिला समिति का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में ओएनजीसी ऑफिसर्स महिला समिति की सदस्याएँ भी उपस्थित रहीं, जिनमें श्रीमती सुतापा भट्टाचार्य, विनीता, सुषमा, प्रतिभा, स्वेता, सोनी, अपराजिता और स्वाति शामिल थीं।

सेक्टर 6 में स्थित साईं मंदिर परिसर में भगवान चित्रगुप्त मंदिर का स्थापना दिवस मनाया गया

बोकारो(बिभा) : बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 6 स्थित साईं मंदिर परिसर में स्थापित भगवान चित्रगुप्त मंदिर का आज बड़े ही हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाया गया। इस पवन अवसर पर भगवान चित्रगुत की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। प्रसाद वितरण किया गया।स्थापना दिवस के मौके पर चित्रांश परिवार और साईं मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में चित्रगुप्त मंदिर के संस्थापक संजय सिन्हा और उनकी धर्मपत्नी गुंजीता सिन्हा एवं मुख्य अतिथि के रूप रजिस्टार सौरव वर्मा उपस्थित रहे। साथ ही अनल कुमार एवं संजय कुमार की उपस्थिती उल्लेखनीय रही। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष ए के वर्मा ने सौरव वर्मा, संजय सिन्हा, अनल कुमार एवं संजय कुमार को अंगवस्त्र ओढ़ा कर सम्मानित किया। स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप ने उपस्थित सौरव वर्मा ने भगवान चित्रगुप्त के मंदिर का स्थापना की सराहना की। साथ ही कहा कि चित्रांश परिवार के साधनविहीन और गरीब परिवारों को सक्षम लोगों को मदद करने के लिए आगे आना होगा। तभी अपना समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। संजय सिन्हा ने कहा कि चित्रगुप्त मंदिर एक ऐसा स्थान है जहां हम सभी मिल सकते हैं। समाज को आगे बढ़ाने के लिए विचार विमर्श कर सकते हैं। ए के वर्मा ने कहा कि प्रत्येक माह एक निर्धारित दिन व तिथि को समाज के लोगों मिलना चाहिए। समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने की योजना पर काम करने की आवश्यकता है। इस मौके पर सचिन और अनल कुमार ने भी विचार व्यक्त किए। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सुनील श्रीवास्तव कर्मचारी अध्यक्ष, रोहित रंजन कोषाध्यक्ष, शिल्पी बक्शी, राकेश श्रीवास्तव सैन मंदिर अध्यक्ष व व्यवस्था प्रमुख, अनुराधा श्रीवास्तव साइ मंदिर उपाध्यक्ष, प्रमता श्रीवास्तव, रंजनी, कस्तूरी सिन्हा,रणजीत सिन्हा और पवन श्रीवास्तव,अरुण सिन्हा, राज सिन्हा,भैया प्रीतम, हिमांशु, एके सिन्हा, सौरभ, उमेश, पिंटू, डॉली कोचस्व और रागिनी अंबष्ट, रोहित कुमार शामिल हुए।

गरीब लड़की की शादी में सहयोग करना संस्था का मुख्य उद्देश्य : अमल दास

बिभा सवाददाता

बोकारो : महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर एवं शिक्षा, स्वास्थ की दिशा में लगातार कार्य कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के संस्थापक सह सचिव अमल दास के निदेर्शानुसार आज विश्व एनजीओ दिवस के शुभ अवसर पर बोकारो जिला के विभिन्न क्षेत्रों के पांच गरीब लड़की जैसे अंतर्गत चास प्रखंड जयतारा गांव के जगदीश बाउरी के पुत्री तुलसी कुमारी,बालीडीह गांव के रणजीत रजवार के पुत्री कशिश कुमारी और जारीडीह के गांव बांधडीह के रविन्द्र करमाली के पुत्री लाडली कुमारी,गोपीनाथपुर के सुहाग चंद्र गोस्वामी के पुत्री किरण कुमारी एवं गंझुडीह गांव के देवकी प्रसाद साव के पुत्री काजल कुमारी की शादी में सहयोग हेतु संस्था की ओर से पांच हजार रूपए के चेक ग्रामीणों के उपस्थिति में संस्थापक अमल दास एवं उनके सहयोगी के द्वारा लड़की के माता पिता के हाथो चेक सोपा गया। वहा उपस्थित सभी गाव वालो को बताते हुए प्रभारी ने कहा कि संस्था 2019 से चंदनकियारी के एक सुदूर गांव पोलकिरी से सुरु करते हुए आज झारखण्ड के लगभग सभी जिलों में भी संस्था जो कार्य कर रही है जो बहुत ही सरणीय बात है। संस्था जो स्वास्थ्य मिशन परियोजना के तहत हरेक पंचायत के हरेक घर को सर्वे कराकर निशुल्क दवा वितरण करने के काम करने जा रही , इसे हमारे देश में बीमारी खत्म हो सकता है,कियुकी आज के समय में गरीब लोगों की बीमारी के इलाज कराने में बहुत कठिनाई होता है, इसे देखते हुए संस्था निशुल्क दवा हर घर पहुंचना संस्था के अहम भूमिका निभा रही है । संस्था के संस्थापक अमल दास ने बताया कि संस्था की मुख्य उद्देश्य है गरीब बच्चो की पढ़ाई में सहयोग कर उनको शिक्षा की रोशनी में जोड़ने का काम कर रही है ताकि पठन पाठन सामग्री के कारण कोई भी गरीब बच्चा पढ़ने में असमर्थ ना हो, इसे देखते हुए संस्था हरेक वार्ड स्तर पर एक एक बाल शिक्षा केंद्र खोला जा रहा है ताकि गरिबो को बच्चा सही और अच्छा शिक्षा प्राप्त कर सके । आगे बताया कि संस्था की ओर से महिलाओं को पापड़, मोमबत्ती, अगरबत्ती, सिलाई कढ़ाई, ब्यूटीशियन, नेपकिन पैड, अचार, मेहदी डिजाइन, सर्फ साबुन बनाना आदि के प्रशिक्षण दिए जाते हैं जिस महिला अपने आप में आत्मनिर्भर बन सके। संस्था नारी मिशन परियोजना, फोटो परियोजना, और स्वस्थ भारत परियोजना जैसी जन कल्याणकारी कार्य कर रही है।मौके पर जिला प्रभारी अशोक दास, उप जिला प्रभारी श्रीकांत दास,सुमित्रा देवी,रेणुका बाउरी,ममता बाउरी के अलावे आस पास के ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

क्राफ्ट इंडिया एक्सपो: देशभर के 60 स्टॉल्स के साथ भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 4 स्थित ओपन ग्राउंड मैदान में, सुजुकी शोरूम के सामने, क्राफ्ट इंडिया शॉपिंग एक्सपो का शानदार शुभारंभ हुआ। जानकारी देते हुए प्रबंधक मिराज अंसारी नें बताया की इस मेले में देशभर के विभिन्न राज्यों के उत्पादों की व्यापक प्रदर्शनी की गई है, जिसमें खादी भंडार विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खादी के कुर्ते, खादी शर्ट, कुर्ता-पायजामा और अन्य कपड़ों की बिक्री जोरों पर है।

इसके अलावा, राजस्थानी अचार, भदोही के कारपेट, जूट बैग, ऑल-इन-वन स्टॉल, और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुएं लोगों को खूब लुभा रही हैं। मेले में फैशन ज्वेलरी, सिल्क कॉटन साड़ियां, ड्रेस मटेरियल, घर सज्जा के सामान, लखनवी चिकन दुपट्टा, और अन्य विविध उत्पाद उपलब्ध हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों से आए करीब 60 स्टॉल इस मेले में भाग ले रहे हैं, जहाँ कश्मीर से कन्याकुमारी तक के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए गए हैं। खाने-पीने के शौकीनों के लिए गुजरात के प्रसिद्ध नमकीन और विभिन्न प्रकार के चटपटे अचार भी मेले की रौनक बढ़ा रहे हैं। यह एक्सपो स्थानीय लोगों के लिए खरीदारी और संस्कृति के संगम का एक अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है। मौके पर जुबेर शेख,अंकित चौरसिया,इश्तियाक आदि मौजूद थे.

बोकारो में चोरों का तांडव, पांच घरों में चोरी की घटनाएं, पुलिस जांच जारी

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो में चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना, अलग अलग जगहों के पांच घरों को किया साफ, पुलिस जांच जारी। बोकारो के चंदनकियारी के बरमसिया ओपी का है मामला।

बताते चले की बोकारो के चंदनकियारी प्रखंड स्थित बरमसिया ओपी क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में तेजी आई है. पिछले कुछ महीनों से लगातार चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर दिया है. ताजा मामला बोरियाडीह पंचायत निवासी देवाशीष सेन एवं राजीव कुमार सिंह एवं गम्हरिया पंचायत निवासी अजय कुमार दास, सामल कुमार दास, जगबंधु दास के घर को निशाना बनाया है. बीते मध्यरात्रि चोरों द्वारा बंद घर को साफ कर भागने में सफल हुए, गृहस्वामी देवाशीष सेन व राजेश कुमार सिंह की लिखित शिकायत पर पुलिस की टीम स्क्वायड डॉग एवं फिंगर प्रिंट के साथ जांच शुरू की. हालांकि ये कोई नयी बात नहीं प्रक्षेत्र में आएं दिन अक्सर चोरी की घटना घटित होते रहती है जिससे ग्रामीणों में गुस्सा और भय बढ़ता जा रहा है और उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे है।

बीएसएल के कोक ओवन में फेडरेशन ने सोनाराम उरॉव और अनिल पासवान पर जताया भरोसा

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेल एससी-एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन, बोकारो यूनिट का बोकारो स्टील प्लांट में कोक ओवन एण्ड कोक केमिकल विभाग का विभागीय बैठक बीएसएल कैंटीन नं. 1 में आयोजित किया गया। बैठक का अध्यक्षता फेडरेशन के सचिव ललित उरॉव और संचालन विशेश्वर रजवार ने किया। बैठक में विभाग के कर्मियों से संबन्धित समस्याओ पर चर्चा किया गया और उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यो के प्रस्ताव पर फेडरेशन का कोक ओवन विभाग में विभागीय समिति का पुनर्गठन किया गया।

विदित हो कि विभागीय समिति से कुछ लोग बोकारो यूनिट के कार्यकारिणी में शामिल हो गए हैं जिसके कारण विभागीय समिति का पुनर्गठन जरूरी हो गया। समिति में सर्वसम्मति से सोनाराम उरॉव अध्यक्ष, कुमार सानु और राजेश कुमार लकड़ा कार्यकारी अध्यक्ष, मंतोष पासवान, हरेन्द्र नाथ बाउरी, उपाध्यक्ष, अनिल पासवान सचिव, सीकेएस मुंडा, अनिल कुमार संयुक्त सचिव, ज्योतिष कुमार कोषाध्यक्ष, मनोज महानंद, रामेश्वर कुमार उपकोषाध्यक्ष, प्रदीप मराण्डी, उड़े राम, आर के रजवार और मधेशवर पासवान कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए।

शम्भु कुमार बोकारो यूनिट अध्यक्ष सह सदस्य केन्द्रीय कमिटी ने विभागीय समिति के गठन के पश्चात सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कोक ओवन में एससी एसटी कर्मचारियों की जनसंख्या सबसे ज्यादा है इसलिए विभागीय समिति का यह सर्वप्रथम कार्य होगा कि वो कर्मचारी जो अभी तक फेडरेशन की सदस्यता नहीं लिए हैं उनसे संपर्क कर फेडरेशन की सदस्यता दिलाया जाए। इस अवसर पर कई कर्मचारियों ने फेडरेशन की सदस्यता ली।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस : विज्ञान-जगत में इन विद्यार्थियों ने किया है बोकारो का सिर गर्व से ऊंचा

बिभा संवाददाता

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो जितना इस्पात उत्पादन के लिए देश-दुनिया में विख्यात है, उतनी ही इसकी ख्याति शिक्षा के क्षेत्र में भी है। यही कारण है कि इसे झारखंड की शैक्षणिक राजधानी के रूप में भी माना गया है। 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस है। इस दिन आज हम बोकारो के कुछ ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों की चर्चा करेंगे, जिन्होंने अपनी काबिलियत के बूते इस शहर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। ये वो बच्चे हैं, जिन्होंने वैज्ञानिक नवाचार की मिसाल पेश करते हुए छोटी उम्र में बड़े कारनामे कर बोकारो का सिर गर्व से ऊंचा किया है।

खगोलिकी, जीव-विज्ञान और जूनियर साइंस में इन विद्यार्थियों ने लहराया परचम

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र के सहयोग से आयोजित आईएपीटी 2024-25 की जूनियर साइंस, खगोलिकी एवं जीव-विज्ञान की परीक्षाओं में डीपीएस बोकारो की कक्षा 9 का छात्र शिवम ओझा जहां जूनियर साइंस की राष्ट्रीय मानक परीक्षा (एनएसईजेएस) में सफल रहा, वहीं 12वीं के विद्यार्थी आर्यन कुमार ने जीव-विज्ञान की राष्ट्रीय मानक परीक्षा (एनएसईबी) में कामयाबी पाई। जबकि, कक्षा 10 के आरुष रंजन, 11वीं के कुमार अनमोल और 12वीं के आरुष बनर्जी ने खगोलिकी (एस्ट्रोनॉमी) की राष्ट्रीय मानक परीक्षा (एनएसईए) में सफलता पाकर अपने विद्यालय का मान बढ़ाया।

वैज्ञानिक प्रतिभाओं के मामले में समृद्ध है बोकारो

"बोकारो में वैज्ञानिक प्रतिभा के मामले में कोई कमी नहीं है। यह शहर काफी समृद्ध है। हर साल यहां के कई विद्यार्थी वैज्ञानिक नवाचार की मिसाल पेश करते हैं। न सिर्फ मिसाल बनाते, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हुनर का लोहा भी मनवाते हैं। डीपीएस बोकारो इस दिशा में दशकों से अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विद्यालय अपने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच,

अक्षत प्रियदर्शी

नेशनल टॉपर, राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा

नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म (केएएमपी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा (एनएएसटीए) - 2024 में डीपीएस बोकारो में पांचवी कक्षा का छात्र अक्षत प्रियदर्शी नेशनल टॉपरों की फेहरिस्त में शुमार हुआ। उसे नेशनल टॉपर- रैंक-2 के साथ सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस प्रदान किया गया है। बोकारो स्टील प्लांट में उप महाप्रबंधक आमोद प्रियदर्शी एवं दंत चिकित्सक डॉ. तोशिबा प्रियदर्शी के होनहार पुत्र अक्षत को ओवरऑल ग्रेड 'ए प्लस' मिला तथा नेशनल अवॉर्ड कैटेगरी के लिए चयनित किया गया। केएएमपी-एनएएसटीए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सीएसआईआर (काउंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) तथा एनआईएसपीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन पॉलिसी रिसर्च) की एक महत्वपूर्ण पहल है।

उनकी सृजनशीलता तथा नवोन्मेषता को प्रोत्साहित और संवर्द्धित करने का हर अवसर प्रदान करता रहा है। विद्यालय में स्थापित नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म (केएएमपी) का झारखंड का पहला एक्सीलेंस सेंटर (एआई एंड रोबोटिक्स लैब), एरो इनोवेशन हेतु कंपोजिट स्किल लैब, वर्चुअल लैब आदि इस

आरुष रंजन

स्टेट टॉपर, सीबीएसई साइंस चैलेंज एवं विद्यार्थी विज्ञान मंथन

विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, जागरुकता एवं वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) की ओर से आयोजित सीबीएसई साइंस चैलेंज 2024-25 में डीपीएस बोकारो की दसवीं कक्षा के छात्र आरुष रंजन ने पूरे झारखंड में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। 10वीं कक्षा की कैटेगरी में आरुष पूरे झारखंड से इस चैलेंज को क्वालीफाई करने वाला एकमात्र विद्यार्थी है। विज्ञान, पर्यावरण एवं सस्टेनेबिलिटी विषयवस्तु पर आधारित इस चैलेंज में देश के अलग-अलग प्रांतों से सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इनमें आरुष ने उच्चस्तरीय प्रदर्शन के साथ सफलता पाकर अपने विद्यालय व शहर के साथ-साथ पूरे राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। आरुष ने हाल ही में विज्ञान के क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी प्रतियोगिता विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) में भी पूरे झारखंड में पहला स्थान प्राप्त किया है। एक निजी बीमा कंपनी में अधिकारी निरंजन कुमार एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) की कर्मी आरती रंजन के होनहार पुत्र आरुष को खगोलीय भौतिकी में काफी रुचि है। वह आगे चलकर इसी क्षेत्र में शोध कर एक खगोलीय वैज्ञानिक बनना चाहता है।

दिशा में काफी सहायक साबित हो रहे हैं। मेरी ओर से सभी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

रूपेश कुमार

रोड सेफ्टी के लिए बनाया खास डिवाइस, राष्ट्रीय स्तर व जापान टूर के लिए चयनित

डीपीएस बोकारो का होनहार छात्र रहे रूपेश कुमार ने नवोन्मेषता संबंधी भारत सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतिम चरण में चयनित होकर अपने विद्यालय, शहर और राज्य का नाम गौरवान्वित किया। उसे जापान टूर का सुनहरा मौका भी मिला है। रूपेश ने एक खास डिवाइस और मोबाइल एप्लीकेशन ह्यारक्षकह्न तैयार किया है। इसकी मदद से दुर्घटना होने के साथ ही संबंधित घटनास्थल के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी अस्पतालों को कॉल और एसएमएस के जरिए वाहन के लोकेशन के साथ सूचना मिल जाएगी। इससे सही समय पर घायल व्यक्ति तक एंबुलेंस पहुंचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं, अस्पतालों के साथ-साथ वाहन में सवार लोगों के परिजनों और पुलिस को भी तत्काल सूचना मिल सकेगी। बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार एवं बिहार में राजस्व पदाधिकारी सुनीता कुमारी के पुत्र रूपेश को अपने पिता के एक मित्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत के बाद यह आइडिया सूझा। अगर सही समय पर एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई होती, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी। रूपेश ने नागपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित 108वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में भी झारखंड का प्रतिनिधित्व किया था।

अभिनीत शरण

लाचार बुजुर्गों के लिए बनाई खास चम्मच, राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

समाज और मानवहित का ध्येय जब विज्ञान से जुड़ जाता है, तो सही अर्थों में विज्ञान की सार्थकता होती है। यह सिद्ध कर दिखाया डीपीएस बोकारो के होनहार विद्यार्थी अभिनीत शरण ने। 12वीं कक्षा के छात्र अभिनीत ने अपनी नवोन्मेषी सोच और तकनीक के जरिए बुजुर्गों की मदद का जो प्रयास किया, वह खूब रंग लाया। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत उसका प्रोजेक्ट ईट-वेल- एंटी शेकिंग स्पून फॉर ओल्ड पीपल राष्ट्र स्तरीय पर चयनित हुआ। देश के देश के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की मौजूदगी में नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर उसके नवाचार को भरपूर वाहवाही मिली। वृद्धावस्था में हाथ कांपना बुजुर्गों में आमतौर पर एक बड़ी समस्या है। इसे पार्किंसन रोग कहते हैं। इससे ग्रसित बुजुर्गों के हाथ खाना खाते समय न कांपे और भोजन का निवाला सीधे उनके मुंह तक जा सके, इसके लिए अभिनीत ने एंटी शेकिंग स्पून का इजाद किया। शिक्षिका निमिषा रानी एवं बीएसएल अधिकारी नवनीत शरण के पुत्र अभिनीत को अपने दादा अखिलेश शरण की शारीरिक परेशानी देखकर यह आइडिया सूझा था। उसने बॉल गिंबल तकनीक पर आधारित एंटीशेकिंग स्पून चम्मच, मोटर, सेंसर, माइक्रो कंट्रोलर, बॉल बियरिंग आदि पुर्जों की मदद से बनाया।

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ करें कड़ी कार्रवाई: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

पलामू : जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए सभी पदाधिकारी सक्रियता से कार्य करें। सभी संबंधित पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व जवानों की आपसी समन्वय से बेहतर व कारात्मक परिणाम निकलेंगे। पदाधिकारी अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में गोपनीय तरीके से छापेमारी करें। अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाएं। इसमें जुड़े वाहनों को जब्त करें, अर्थ दण्ड लगाएं और इसमें संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। यह बातें उपायुक्त शशि रंजन ने कही। वे आज अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को लेकर जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक कर रहे थे। उपायुक्त ने अनुमंडल, अंचल एवं थाना स्तर से अवैध परिवहन, खनन एवं भंडारण के विरूद्ध की गयी कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने अवैध खनन एवं परिवहन को लेकर जिला के सीमावर्ती क्षेत्रों में विषेष चौकसी बरतने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों से षिकायत मिलती है। इसलिए सभी की जिम्मेवारी है कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम करने में अपनी महती भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में छापेमारी कर सुनिश्चित करें कि लीज एरिया का विचलन कर कोई खनन कार्य तो नहीं कर रहा है। साथ ही लीज कहीं का और खनन होने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी व थाना प्रभारी संबंधित क्षेत्रों में छापेमारी करना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने बालू के अवैध उठाव एवं भंडारण पर सख्ती से कार्रवाई का निदेश दिया। साथ ही ट्रेंच कटवाकर अवैध परिवहन के मार्ग को अवरूद्ध करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि बालू के अवेध परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु अंचल एवं थाना स्तर पर ट्रेंच कटिंग, बैरिकेडिंग एवं चौकीदार की प्रतिनियुक्ति से इसके अवैध रोकथाम में मदद मिलेगी। उपायुक्त ने खनिजों के ओवरलोड की जांच कर कार्रवाई का निदेश दिया। वहीं बिना व्यवसायिक पंजीयन के संचालित ट्रैक्टर/ट्रॉली के विरूद्ध कार्रवाई करने तथा सीटीओ में अंकित शर्तों के अनुपालन की प्रदूषण विभाग द्वारा जांच का निदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने भी अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध सख्ती से कार्रवाई तथा चालान वाले व्यक्तियों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने का निदेश दिया।

वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार ने वन क्षेत्र में अवैध खनन की षिकायत पर विशेष ध्यान देने का निदेश दिया। उन्होंने विशेषकर छतरपुर, पिपरा एवं चैनपुर के अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को ध्यान देने की जरूरत पर बल देते हुए चौकसी बढ़ाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम सभी की सामूहिक जिम्मेवारी है।

संक्षिप्त खबरें

स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में स्वयं पर कार्यशाला आयोजित

हजारीबाग(बिभा): स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 11 फरवरी को स्वयं पहल पर एक सूचनात्मक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला श्रीमती फौजिया खानम द्वारा संचालित की गई, जिन्होंने स्वयं प्रभा और स्वयं प्लस के विभिन्न पहलुओं पर गहन जानकारी प्रदान की। खानम ने प्रतिभागियों को स्वयं पाठ्यक्रमों के पंजीकरण और नामांकन प्रक्रिया से अवगत कराया और उन्हें हाथों-हाथ अनुभव प्रदान किया, जिससे वे इस प्लेटफॉर्म को प्रभावी ढंग से उपयोग करना सीख सकें। उन्होंने इन डिजिटल लर्निंग संसाधनों के लाभों को भी रेखांकित किया, विशेष रूप से यह समझाते हुए कि ये शिक्षकों और छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुलभता बढ़ाने और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस कार्यशाला में प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हम सभी के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, क्योंकि ये शिक्षकों और विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार करने में मदद करते हैं। कॉलेज के सहायक प्राध्यापक भी कार्यशाला में उपस्थित रहे, जिन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया और शिक्षण एवं सीखने में स्वयं पाठ्यक्रमों के एकीकरण पर विचार-विमर्श किया' कार्यशाला का समापन फौजिया खानम के ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक दृष्टिकोण की सराहना के साथ धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह कार्यशाला बेहद उपयोगी साबित हुई, जिससे उपस्थित लोगों को स्वयं और इससे संबंधित प्लेटफार्मों का अधिकतम उपयोग करने के लिए व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।

सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान समारोह का किया गया आयोजन`

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में फरवरी माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान किया गया। इस माह में कुल 43 सेवानिवृत्ति के मामले आए थे, जिनमें सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान कर दिया गया है। विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है। मंडल प्रशासन सेवानिवृत कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मंडल प्रशासन सेवानिवृत कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल किशोर सिन्हा के द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया गया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं गई। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

दबाव में बयान दे रही है पीड़ित आशा वर्मा - रंगनाथ महतो

रांची(बिभा) : बजरंग दल झारखंड प्रांत के प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि झारखंड में धर्म स्वतंत्र विधेयक 2017 लागू है इसके बावजूद यहां के लोगों को छल-बल, प्रलोभन व कपटपूर्ण तरीके से सनातन धर्मावलंबियों को विशेषकर सीधी-साधी भोली-भाली लड़कियों को सुनियोजित तरीके से बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया जा रहा है। इसी के तहत विगत दिनों चितरपुर सोनार मोहल्ला, थाना - रजरप्पा प्रोजेक्ट रामगढ़ की आशा वर्मा, पिता - श्री ध्रुव प्रसाद भी धर्मांतरण की शिकार हो गई। विदित हो कि इस संदर्भ में जब चितरपुर में स्थानीय लोगों के संग विभिन्न हिंदू संगठन के लोग सड़कों पर उतरे तो दबाव में आकर अभियुक्त मोहम्मद गालिब, पिता - मोहमद मुख्तार, दर्जी मोहल्ला, चितरपुर, थाना - रजरप्पा प्रोजेक्ट रामगढ़ जो इसी गांव का है ने लड़की को केरल कोर्ट में आत्मसमर्पण कराया है। न्यायालय इस संबंध में बारीकी से पूछताछ कर स्वविवेक से पीड़ित लड़की को न्याय दिलाने का कार्य करे क्योंकि लड़की कहीं ना कहीं ब्लैकमेलिंग का शिकार या अपनी जान की डर से दबाव में आकर बयान दे रही है। उसे कुछ दिन स्वतंत्र महिला सुधार गृह या उनके माता-पिता को संरक्षण हेतु सौंपे फिर उसका बयान ले।

डा. राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि मनायी गयी

रांची(बिभा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं अन्य प्रमुख कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने देशरत्न डा. राजेन्द्र प्रसाद के बहुअयामी विलक्षण व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि वे एक महान देषभक्त थे। देष सेवा की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी। उन्होंने कहा कि डा. राजेन्द्र बाबू अपने जीवन काल में दो बार अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। अपने अध्यक्षीय काल में उन्होंने कांग्रेस की अनेकों उलझी हुई गुथियों को सुलझाया तथा समस्त भारतवर्ष में कांग्रेस के प्रति सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित किया। 15 अगस्त 1947 को देष आजाद होने के पश्चात ह्यविधान निर्माण सभाह्ल के अध्यक्ष नियुक्त किये गये और उसी विधान के अनुसार 26 जनवरी 1950 को भारत का एक स्वतंत्र प्रजातंत्र राष्ट्र घोषित किया गया। इस अवसर पर सर्वश्री राकेश सिन्हा, लाल किशोर नाथ शाहदेव, अभिलाष साहु, राजन वर्मा, आभा सिन्हा, जगदीश साहु, विनय सिन्हा दीपू, शशिभूषण राय, डॉ राजेशगुप्ता, सुरेन राम, केदार पासवान, अजय सिंह, ओमप्रकाश, निसार खान, अजय मंडल, राखी प्रियदर्शनी, पूर्णिमा सिंह आदि शामिल थे।

सांसद मनीष जायसवाल ने आहूत की विशेष बैठक, लोकसभा क्षेत्र के सभी बीजेपी अध्यक्ष और महामंत्री हुए शामिल

सांसद ने अपने सेवा कार्यों के विस्तार और आगामी योजनों पर कार्यकर्ताओं से की विशेष परिचर्चा, सहयोग का किया अपील

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल अपने बढ़ते कदम और दायरे के साथ अपने सेवा कार्यों का भी विस्तार लगातार संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में कर रहें हैं। निरंतर क्षेत्र दौरा कर जहां विभिन्न क्षेत्रों की जनसमस्याओं से रूबरू हो रहें हैं वहीं जनहित में समस्याओं के निदान को लेकर भी सजग हैं। उन्होंने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में अपने सेवा विस्तार और आगामी जनहित के कार्यों को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को सांसद सेवा कार्यालय, हजारीबाग के सभागार में संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों की एक बैठक आहूत की। बैठक की अध्यक्षता हजारीबाग जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह और रामगढ़ जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने संयुक्त रूप से किया।इस अति कामकाजी और महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने अपने सेवा और विकास के कार्यों के विस्तार में भाजपा के कार्यकताओं का अहम भूमिका बताते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और उनसे सहयोग कर जनहित के कल्याणकारी योजनाओं को समाज के जरूरतमंदों तक पहुंचाने में सहयोग करने का आग्रह किया। सांसद मनीष जायसवाल ने उपस्थित सभी बीजेपी कार्यकताओं को बीते दिनों हजारीबाग की धरती पर उनके द्वारा आयोजित सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2025 के माध्यम से 101 जरूरतमंद जोड़ों के सामूहिक विवाह को संपन्न कराने में अपार सहयोग के धन्यवाद दिया और इस आयोजन को ऐतिहासिक और अभूतपूर्ण बनाने के लिए बधाई दिया। तत्पश्चात सांसद मनीष जायसवाल ने अपने आगामी गतिविधियों और जनहित के सेवा कार्यों के बाबत विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए इन कार्यों में अपनी महत्ती भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सहयोग करने का अपील किया। आने वाले दिव्यांग और वरिष्ठजनों के लिए निःशुल्क उपकरण/ पंजीकरण शिविर के लिए प्रचारित करने, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के जरूरतमंद बहन- बेटियों तक लहंगा पहुंचाने और आने वाले रामनवमी में लोकसभा क्षेत्र के सभी अखाड़ों तक पारंपरिक अस्त्र- शस्त्र प्रदर्शन कला- कौशल को जीवंतता प्रदान करने हेतु लाठी और तलवार भेंट करने के लिए क्लबों का नाम उपलब्ध कराएं। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सेवा हमारी परंपरा रही है और जनहित में सेवा और विकास ही प्राथमिकता रहेगी। दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक यंत्र/ उपकरण का पंजीकरण/परीक्षण शिवर 02 मार्च को हजारीबाग में और 03 मार्च को रामगढ़ में लगेगा सांसद मनीष जायसवाल ने उपस्थित भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जानकारी देते हुए बताया कि हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के दिव्यांग जनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहद खुशखबरी है कि आगामी दो और तीन मार्च 2025 को निःशुल्क सहायक यंत्र/ उपकरण उपलब्ध कराने हेतु पंजीकरण/परीक्षण शिवर का आयोजन हजारीबाग और रामगढ़ जिले में किया जा रहा है। हजारीबाग जिले के लिए हजारीबाग टाउन हॉल परिसर में आगामी 02 मार्च 2025 (रविवार) को और रामगढ़ जिले के लिए आगामी 03 मार्च 2025 (सोमवार) को रामगढ़ टाउन हॉल परिसर में इस कैंप का आयोजन होगा। कैंप का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक रहेगा। ये कैंप सांसद मनीष जायसवाल के सक्रियता और तत्परता से भारत सरकार के एपीड योजना और राष्ट्रीय व्योश्री योजना के तहत आयोजित होगा। दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क एलिम्को कंपनी का सहायक उपकरण जरूरत के मुताबिक मिलेगा। इस योजना का लाभ के लिए लाभार्थी को यूडीआईडी कार्ड (न्यूनतम दिव्यांगता 40% से अधिक), आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र (मासिक आय 22500 रुपए अधिकतम) होना जरूरी है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने हेतु आवश्यक पात्रता में आधार कार्ड (60 वर्षीय एवं अधिक) एवं आय प्रमाण पत्र (मासिक आय 15000 रुपए अधिकतम) होना जरूरी है।

विभावि के महिला शतरंज खिलाड़ियों का उम्दा प्रदर्शन

पूर्वी क्षेत्र में दसवां स्थान, झारखंड के विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला शतरंज प्रतियोगिता में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग ने झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कुल 111 शतरंज के प्रतिभागियों में से विश्वविद्यालय की साक्षी शर्मा को शानदार प्रदर्शन के लिए पांचवा रैंक प्राप्त हुआ। ज्ञात हो कि साक्षी शर्मा यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज की छात्रा है।

यह जानकारी देते हुए दल के प्रबंधक डॉ अर्चना रीना धान ने बताया कि पूर्वी क्षेत्र के 15 अलग-अलग राज्यों के विश्वविद्यालय में से विनोबा भावे विश्वविद्यालय को अंक के आधार पर दसवां स्थान प्राप्त हुआ। उन्होंने आगे बताया की विभावि दल की खिलाड़ी खुशबू कुमारी ने 6ठीं बोर्ड की विजेता बनकर विश्वविद्यालय को अलग से गौरव दिलाने का कार्य किया। विश्वविद्यालय के महिला शतरंज खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार, छात्रकल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ विकास कुमार एवं खेल निदेशक डॉक्टर राखो हरी ने दल के प्रबंधक एवं सभी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की।

111 खिलाड़ियों में पांचवा रैंक प्राप्त की विभावि की साक्षी शर्मा

टुंडी विधायक मथुरा महतो ने गंगापुर लिलोरी मंदिर के जीर्णोद्धार का मामला विधानसभा में उठाया

धनबाद : टुंडी विधानसभा के राजगंज स्थित गंगापुर लिलोरी मंदिर के जीर्णोद्धार का मामला जेएमएम विधायक मथुरा महतो ने विधानसभा में उठाया। विधायक ने सदन को बताया कि यहां पर हर दिन हजारों लोग पूजा करने के लिए पहुंचते हैं। साथ ही यहां विवाह भी होता है। मंदिर परिसर के आसपास मूलभूत सुविधाओं का आभाव है। उन्होंने विभागीय मंत्री को इस पर ध्यान देने का आग्रह किया।

100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मीडिया वर्कशॉप का आयोजन किया गया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिला स्वास्थ्य समिति हजारीबाग के तत्वाधान में शुक्रवार को सिविल सर्जन सभागार में 100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मीडिया वर्कशॉप का आयोजन किया गया। मीडिया वर्कशॉप के माध्यम से जिले के पत्रकारों को टीबी मुक्त भारत अभियान में उनके दायित्व एवं कर्तव्यों से उन्हें अवगत कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि भारत सरकार राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम चलाकर भारत को टीबी मुक्त करना चाहती है। इसी उद्देश्य के तहत झारखंड के चार जिले में 100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम चलाई जा रही है। जिले में यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत नए मरीजों को चिन्हित करते हुए उनका ईलाज किया जा रहा है। टीबी मुक्त भारत अभियान को पूर्ण करने में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। टीबी मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए मीडिया का सहयोग जरुरी है। मीडिया को अपने अखबारों व चैनलों में टीबी की बीमारी से संबंधित सामाग्रियों, जागरूकता कार्यक्रमों, टीबी का लक्षण, उपचार आदि का प्रचार प्रसार करके अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने टीबी के लक्षणों के बारे में बताया कि अधिक पसीना आना, भूख न लगना, बुखार, वजन घटना, खांशी होना, खांशी में बलगम के साथ खून आना, छाती में दर्द ,सांस आने में दिक्कत, जल्दी थक जाना आदि टीबी के लक्षण हैं। लंबे समय तक यदि यह सभी लक्षण दिखाई देते हैं तो जांच करानी चाहिए। यदि सही समय रहते इसकी जांच कर ली जाए तो इससे पूर्णतया बचा जा सकता है। जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता ठीक रहती है उनमें टीबी होने की गुंजाईश कम रहती है। इसलिए दवाइयों के साथ-साथ अच्छे खान-पान का होना बेहद जरूरी है। टीबी एक संक्रामक रोग है। ये अपने चपेट में कई लोगों को ले लेती है। टीबी के दवा लेने से मरीज को सप्ताह से 10 दिन में ठीक होने का असर दिखाई देने लगता है। टीबी का ईलाज मुफ्त किया जाता है। इलाज हेतु दवा सदर अस्पताल हजारीबाग, जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों तथा सभी प्रखंडों में मुफ्त उपलब्ध है। कार्यक्रम के अंत में सिविल सर्जन ने उपस्थित सभी मीडिया बंधुओं को यक्ष्मा उन्मूलन में लोगों के बीच जागरूकता लाने और यक्ष्मा उन्मूलन में सहयोग करने की शपथ दिलाई।

वर्कशॉप में सिविल सर्जन डॉ. एसपी सिंह के अलावे डॉ. आरके जायसवाल, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट (टीबी प्रोग्राम), डॉ. साफिन रिहान सहित कई पत्रकार व अस्पताल कर्मी उपस्थित रहे।

रक्तदान जागरूकता रथ को आज सांसद मनीष जायसवाल दिखाएंगे हरी झंडी: रोहित बजाज

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: शहर में रक्तदान को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य के प्रति प्रेरित करने के लिए एक विशेष रक्तदान जागरूकता रथ आज शहर में निकलेगा। इस जागरूकता रथ को सांसद मनीष जायसवाल हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस रथ के माध्यम से शहरभर में रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा और उन्हें रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आगामी 3 मार्च को शहर के लक्ष्मी सिनेमा हॉल परिसर में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के सह-संयोजक रोहित बजाज ने बताया कि रक्तदान शिविर की तैयारियां अब युद्ध स्तर पर चल रही हैं, और शहर के रक्तदाता उत्साह और उमंग के साथ इस आयोजन में भाग लेने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम के सह-संयोजक रोहित बजाज ने कहा कि रक्तदान एक महादान है, और हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को इस नेक कार्य के प्रति जागरूक करना है। आगामी 3 मार्च को लक्ष्मी सिनेमा हॉल परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। हम देख रहे हैं कि शहर के रक्तदाता पूरे उत्साह और उमंग के साथ इसमें भाग लेने के लिए तैयार हैं।

यह रक्तदान शिविर ऐतिहासिक होगा:करण जायसवाल

हजारीबाग: हजारीबाग यूथ विंग के अध्यक्ष करण जायसवाल ने आगामी रक्तदान शिविर को लेकर आम जनता से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह शिविर जिले के इतिहास में एक ऐतिहासिक आयोजन होगा, जिसमें सैकड़ों लोग रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता करेंगे।करण जायसवाल ने कहा रक्तदान एक महादान है, जिससे कई जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक रक्तदाताओं को इस अभियान से जोड़ना है ताकि समाज में रक्त की कमी के कारण किसी की भी मृत्यु न हो।इस रक्तदान शिविर का आयोजन 3 मार्च को लक्ष्मी सिनेमा हॉल के कैंपस में किया जाएगा। आयोजन में चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम मौजूद रहेगी, जो रक्तदाताओं की उचित जांच के बाद रक्त संग्रहण करेगी। करण जायसवाल ने समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से युवाओं से इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह शिविर न केवल रक्तदान को बढ़ावा देगा बल्कि समाज में एकजुटता और सेवा की भावना को भी मजबूत करेगा।यूथ विंग की पूरी टीम इस आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयार है और अधिकतम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

विज्ञान और नवाचार में भारतीय युवा हो रहे सशक्त: प्रो. घनश्याम सिंह

बिभा संवाददाता

रांची : राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन झारखंड में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एक दिवसीय सेमिनार डॉ ओम प्रकाश के संयोजन में विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में सशक्त भारतीय युवाओं का वैश्विक नेतृत्व विषय पर आयोजित हुआ। सेमिनार का संचालन प्रशिक्षु शिक्षक अमन कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्ता को प्रशिक्षु शिक्षकों अतुल, रितेश, सतीश हांसदा ने सॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।सेमिनार की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ रमण झा ने किया। विषय प्रवेश महाविद्यालय के प्रशिक्षु शिक्षक अभिषेक सारंगी ने किया।मुख्य वक्ता झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी रांची के कुलसचिव (प्रो.) डॉ. घनश्याम सिंह ने विकसित भारत, नवाचार, विज्ञान और युवाओं के सशक्त भूमिका पर विस्तार से बतलाया। उन्होंने रमन इफेक्ट की चर्चा की ओर सर सी वी रमन को नमन करते हुए कहा कि रमन इफेक्ट का प्रयोग कर स्वयं तथा उनकी टीम ने पॉलिमर ऑप्टिकल फाइबर्स के निर्माण में भूमिका अपनी निभाई थी जो आज के समय में रिसेंट रिसर्च है जो पूर्व के ग्लास ऑप्टिकल फाइबर से परिष्कृत रूप है।उन्होंने महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु शिक्षकों को आह्वान किया कि हमें मजबूती के साथ नयी पीढ़ि के विद्यार्थियों को विकसित भारत के लिए क्लास रूम के माध्यम से वैज्ञानिक सोच को बढ़ा कर प्रोडक्शन ओरिएंटेड मानसिकता तैयार करने को प्रेरित किया।उन्होंने अपने उद्बोधन में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में भारतीय युवा की भूमिका क्या हो सकती है को बतलाया। धन्यवाद ज्ञापन प्रशिक्षु शिक्षक पुरूषोतम ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने बतलाया कि भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय उच्च एवं तकनीकी शिक्षा ने राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय को शिक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रमाण पत्र जारी किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ ओम प्रकाश, डॉ रितेश, प्रो दुलाल, प्रो भागीरथ आर्य, संजीत सहित सत्र 2024 26 के सभी प्रशिक्षु शिक्षक उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के स्टेज सेमिनार का समापन हुआ।

युवक ने फांसी से लटक कर की आत्महत्या, 2 मर्डर के आरोप में गया था जेल

बिभा संवाददाता

रांची : रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड-1 में एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान सुमित वर्मा उर्फ टकला के रूप में हुई है। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने उसके कमरे में शव लटकता देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। लोगों का कहना है कि सुमित की हत्या की गयी है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सुमित वर्मा पर 2 हत्या के आरोप थे। उसने 17 साल की उम्र में अपने बचपन के दोस्त अंकुश शर्मा की बेरहमी से पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उसे गिरफ्तार कर पहले रिमांड होम और फिर बिरसा मुंडा जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद उसने अपने दूसरे दोस्त अविनाश कुमार की भी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। कुछ महीने पहले ही वह जेल से बाहर आया था। बताया जा रहा है कि उसका एक लड़की से प्रेम-प्रसंग भी था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

तस्वीर की सियासत बनाम सियासत की तस्वीर ?

निर्मल रानी

दिल्ली में 27 साल का वनवास खत्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे राजनैतिक मुद्दा बना लिया।

देश सरकारी कार्यालयों में प्रायः राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र लगाये जाते हैं। जबकि राज्यों में इनके साथ मुख्यमंत्री व राजयपाल के चित्र भी लगाये जाते हैं। इस व्यवस्था को प्रोटोकॉल अथवा शिष्टाचार / नवाचार कहा जाता है। शीर्ष पदों पर बैठे लोग समय समय पर अपनी सुविधानुसार या किसी पूर्वाग्रह के चलते स्वेच्छा से इसमें बदलाव भी करते रहते हैं। उदाहरण के तौर पर आपको झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यालय में मुख्यमंत्री की कुर्सी के ठीक पीछे मुख्य रूप से केवल उनके पिता शिबू सुरेन का ही चित्र लगा मिलेगा। जाहिर है वे उन्हें ही अपना आदर्श नेता मानते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र से आकार में भी बड़ा तथा बिल्कुल मध्य में गुरु गोरखनाथ का चित्र लगाया गया है। अनेक मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों में उनकी अपनी पसंद के आधार पर चित्र लगाये गए हैं।

दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जनवरी 2022 में गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय सहित राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में केवल बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगाने के निर्देश जारी किये थे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया था कि दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों में किसी अन्य नेता की तस्वीरें प्रदर्शित नहीं की जायें। तब से लेकर पिछले दिनों दिल्ली की सत्ता बदलने तक दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य के अधिकांश कार्यालयों में महात्मा गाँधी, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति की तस्वीर हटाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगा दिए गये थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कुर्सी के ठीक पीछे बाबासाहेब और भगत सिंह के चित्र लगाये थे जो उनके बाद आतिशी के मुख्यमंत्री काल में भी लगे रहे।

परन्तु जिस दिन दिल्ली में 27 साल का वनवास खत्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे

राजनैतिक मुद्दा बना लिया। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तस्वीर हटाने पर कहा कि 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व ऐसी पार्टी कर रही है, जो दलित और सिख विरोधी है। भाजपा ने अपना दलित विरोधी रुख दिखाते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह के चित्र हटा दिए हैं।' परन्तु तस्वीरों पर सियासत करने वाली आप भी ऐसे सवालों से बच नहीं सकती। आम आदमी पार्टी नेताओं को भी यह बताना पड़ेगा कि उन्होंने अपने कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की फोटो क्यों हटाई थी? यदि मान लिया जाये की नरेंद्र मोदी उनके घोर विरोधी नेता हैं परन्तु वे देश के प्रधानमंत्री भी हैं। मान लीजिये कि राजनैतिक पूर्वाग्रह के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र नहीं लगाया परन्तु उन्होंने आखिर राष्ट्रपति का चित्र क्यों नहीं लगाया गया?

जहाँ तक सवाल है तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मात्र चित्र लगाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह को सम्मान दिये जाने का, तो यदि अरविंद केजरीवाल के वक्तव्यों पर नजर डालें तो केजरीवाल की बातें तो इन नेताओं के मूल विचारों के बिल्कुल विरुद्ध हैं। मिसाल के तौर पर अरविंद केजरीवाल ने 27 अक्टूबर 2022 को मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र के माध्यम से यह मांग की थी कि भारतीय नोटों पर गांधी जी के साथ-साथ लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर भी छपे। उनका कहना था कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भगवान का आशीर्वाद मिलेगा। विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। क्या केजरीवाल का यह सुझाव बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों के विचार सम्मत है? किसी का चित्र लगाने का अर्थ आखिर क्या होता है? केवल उस महापुरुष के समर्थकों या उनके समुदाय को खुश करना या उनके आदर्शों को मानना व उनपर चलना? बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के जीवन की कौन सी शिक्षा है जिसने केजरीवाल को इस बात के लिये प्रेरित किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को उपरोक्त सलाह दे डाली। वह भी स्वयं एक शिक्षित व राजस्व सेवाओं के अधिकारी होने के बावजूद। हद तो यह है कि प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखते समय केजरीवाल ने यह भी लिहा था कि यह देश के 130 करोड़ लोगों की इच्छा है कि भारतीय करेंसी पर एक ओर महात्मा गांधी व दूसरी ओर लक्ष्मी-गणेश जी की तस्वीर भी लगाई जाए। केजरीवाल ने 130 करोड़ लोगों का प्रतिनिधि होने के नाते नहीं बल्कि सही मायने में देश के बहुसंख्य समाज को वरगलाने के लिये ही तस्वीर की सियासत यह शगूफा छोड़ा था।

इसी तरह विधान सभा चुनावों की घोषणा से पूर्व दिसंबर 2024 में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने एक और ऐसी ही चुनावी फुलझड़ी छोड़ते हुये यह घोषणा कर डाली कि आम आदमी पार्टी के चुनाव जीतने पर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। केजरीवाल ने इसे पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना का नाम दिया। इस घोषणा की आलोचना करते हुये भाजपा ने उसी समय यह जवाब दिया था कि चुनावी हिंदू केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले हैं और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। यहाँ भी यही सवाल है कि क्या पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों की सोच के अनुरूप थी जिनके चित्र उन्होंने अपने कुर्सी के पीछे लगा रखे थे?

भाजपा भी इसी तरह गांधी व बाबासाहेब अंबेडकर व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उनपर खास अवसरों पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपने आदर व सम्मान का दिखावा तो जरूर करती है परन्तु हकीकत में वह भी दिखावा मात्र ही है। अन्यथा घोर हिंदुत्ववादी राजनीति का गांधी व बाबासाहेब अंबेडकर व भगत सिंह जैसे महान देशभक्त मानवतावादी नेताओं से क्या लेना देना? यह तो धर्म और राजनीति के ऐसे घालमेल को ही विध्वंसक मानते थे। कहना गलत नहीं होगा की इसी तस्वीर की सियासत ने ही देश की सियासत की तस्वीर को बदनुमा कर डाला है जिसकी भरपाई महात्मा गांधी व बाबासाहेब , व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नहीं बल्कि केवल सच्चे मन से उनके बताये हुये रास्तों व उनके आदर्शों पर चलकर ही की जा सकती है?

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अधिकार क्षेत्र की बात

दोषी करार दिए गए नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाली याचिका का केंद्र सरकार ने विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सरकार ने कहा आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र का कहना है, याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह विधान को फिर से लिखने या संसद को विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने सरीखा है। दागी नेताओं के बचाव में मोदी सरकार यूं ही नहीं नजर आ रही। उसके 39 फीसद मंत्री भी दागी हैं। 2009 की लोक सभा में केवल 30 फीसद दागी नेता थे, जबकि 2024 में यह बढ़कर 46 फीसद हो चुका है। 251 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें भी 27 सांसदों को अदालतों द्वारा दोषी करार दिया जा चुका है। केरल, तेलंगाना, ओड़िसा के 95, 82, 76 फीसद दागी हैं तो झारखंड़, बिहार व बंगाल के 71, 53, 52 फीसद दागी सांसद हैं। उप्र, हिमाचल व महाराष्ट्र के आधे यानी 50 फीसद सांसद दोषी हैं। बहरहाल, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा8(1) के तहत अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल है। शीर्ष अदालत के समक्ष आने वाले दोषी नेताओं के मसलों पर हमेशा यह सवाल खड़ा होता है। पारदर्शिता, भ्रष्टाचार मुक्ति व पक्षपात के खिलाफ बढ़-चढ़कर बोलने वाली मोदी सरकार दागियों को पार्टी में शामिल करने, उन्हें टिकट देने और मंत्री बनाने में तनिक हिचकती नहीं नजर आती। गंभीर मामलों के दोषियों को माननीय का चोला ओढ़ाने में सरकार की भूमिका स्पष्ट है। देश भर के राजनीतिक दलों का यही हाल है। यही कारण है, इस गंभीर बात पर कोई चीख-चिल्लाहट नहीं मचती। राजनीति में स्वच्छ छवि वालों का टोटा होता जा रहा है। हालांकि सिर्फ राजनीतिक कीचड़.उछालने के लिए छद्म आरोपों का भी कम इस्तेमाल नहीं किया जाता है। मगर त्वरित आरोपों को सुलझाने की व्यवस्था भी की जा सकती है। कानून बनाने वाले सम्मानियों का दोषमुक्त नजर आना बेहद जरूरी है। लोकतंत्र का अर्थ यह कदापि नहीं होना चाहिए कि सजायाफ्ताओं को देशवासी सम्मान देने को मजबूर हों। संसद का अधिकार क्षेत्र सर्वोपरि है मगर सांसदों के चरित्र और दोषमुक्त होने के प्रति जवाबदेही राजनीतिक दलों की होनी चाहिए।

सूक्ति

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है
- डब्ल्यू बी. बीट्स

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है
- धीरूभाई अंबानी

चिंतन-मनन

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-ह्यहमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

शून्य भेदभाव दिवसः शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

ललित गर्ग

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है ह्यहम एक साथ खड़े हैं।ह्व इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर ह्वप्लेगह्व से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। ह्वकरो या मरोह्व का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरूआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नागरिक अधिकारों की खोज से लेकर मैल्कम एक्स की नस्लीय न्याय की वकालत और एम्मा गोंजालेज की बंदूक हिंसा के खिलाफ सक्रियता से लेकर ग्रेटा थनबर्ग की जलवायु न्याय की लड़ाई तक, प्रत्येक व्यक्ति ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

शिक्षा और जागरूकता भेदभाव से निपटने की नींव बनाती है, जो समझ को बढ़ावा देने और गहराई से जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों को खत्म करने में महत्वपूर्ण है। समाज विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर समावेशी पाठ्यक्रम को एकीकृत करके रूढ़िवादिता को चुनौती दे सकता है और सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है। भेदभाव से निपटने के लिए कानूनी और नीतिगत विकास महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। दुनिया भर की सरकारें और संगठन व्यक्तियों को भेदभाव से बचाने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता को महसूस करते हैं। हाल के वर्षों में हाशिए पर पड़े समूहों की सुरक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली कानून की ओर बदलाव देखा गया है। ये कानून विविधता, निष्पक्ष व्यवहार और भेदभाव को बनाए रखने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के महत्व पर जोर देते हैं। भेदभाव के खिलाफ प्रगति के बावजूद, एक संतुलित, समानता एवं समतापूर्ण समाज-निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

ईवीएमः विवाद का निपटारा हो जाना चाहिए

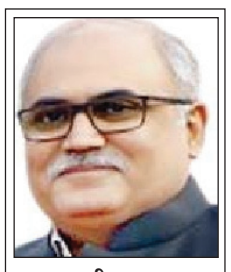

रजनीश कपूर

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों एक बयान देकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'चुनाव के लिए सबसे सुरक्षित माध्यम बैलट पेपर ही है।' ट्रंप ने टेक्नोलॉजी दिग्गज एलन मस्क के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि मस्क का भी यही मानना है कि 'कंप्यूटर वोटिंग के लिए नहीं है।' ट्रंप के बैलेट पेपर के समर्थन के बयान पर भारत में करीब सभी विपक्षी दलों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। कांग्रेस लंबे समय से बैलेट पेपर की वापसी की मांग कर रही है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार ईवीएम से चुनाव में हेरफेर का आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति के बयान ने तो आग में घी डालने का काम किया है।

जब भी कभी देश में चुनाव होते हैं तो ईवीएम फिर से चर्चा में जरूर आती है। चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं होगा यह तो नतीजों के बाद ही पता चलता है। परंतु बीते कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि इलाक्रेकी जनता की नाराजगी के बावजूद वहां के मौजूदा विधायक या सांसद ने पिछले चुनावों के मुकाबले काफी अधिक संख्या से जीत हासिल की। ऐसे में चुनावी मशीनरी पर सवाल खड़े होना जाहिर सी बात है। जो भी नेता हारता है वो ईवीएम या चुनावी मशीनरी को दोषी ठहराता है। ऐसा नहीं है कि किसी एक दल के नेता ही ईवीएम की गड़बड़ी या उससे छेड़-छाड़ का आरोप लगाते आए हैं। इस बात के अनेकों उदाहरण हैं जहां हर प्रमुख दलों के नेताओं ने कई चुनावों के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग की बात करें तो वो इन आरोपों का शुरू से ही खंडन कर रहा है। आयोग के अनुसार ईवीएम में गड़बड़ी की कोई गुंजाइश ही नहीं है। 1998 में दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधान सभा की कुछ सीटों पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ थाङ्क परंतु 2004 के आम चुनाव में पहली बार हर संसदीय क्षेत्र में ईवीएम का पूरी तरह से इस्तेमाल हुआ। 2009 के चुनावी नतीजों के बाद इसमें गड़बड़ी का आरोप भाजपा द्वारा लगा। गौरतलब है कि दुनिया के 31 देशों में ईवीएम का इस्तेमाल हुआ परंतु खास बात यह है कि अधिकतर देशों ने इसमें गड़बड़ी कि शिकायत के बाद वापस बैलट पेपर के जरिये ही चुनाव किए जाने लगे। किसी भी समस्या की शिकायत करने से उसका हल नहीं खोजा जाता, मगर जब शिकायत के साथ समाधान का सुझाव भी दिया जाए तो उस पर गौर करना चाहिए। 2023 में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने विधान सभा चुनाव में ईवीएम की गड़बड़ी पर आरोप लगाए और उन्हें रोकने के लिए सुझाव भी दिया। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग को सुझाव दिया कि यदि ईवीएम से निकलने वाली पर्ची को मतदाता को दे दिया जाए और इन पर्चियों को अलग से रखी मतपेटी में डाल दिया जाए। तो न सिर्फ मतदाता को इस बात की संतुष्टि हो जाएगी कि उसके द्वार चुने गए उम्मीदवार को ही उसका वोट मिला। मशीनों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं हुई। इसके साथ ही मतगणना के पहले ऐसी किसी भी दस पेटियों के वोट गिन लिए जाएं और बाद में उनका मिलान काउंटिंग यूनिट के साथ कर लिया जाए। यदि नतीजे मेल खाते हैं तो काउंटिंग यूनिट के नतीजे को घोषित कर दिया जाए। सिंह के इस सुझाव पर सोशल मीडिया पर हजारों प्रतिक्रियाएं आई और अधिकतर लोगों ने इस सुझाव को व्यावहारिक माना है। जब भी कभी कोई प्रतियोगिता होती है तो उसका संचालन करने वाले शक के घेरे में न आएं इसलिए उस प्रतियोगिता के हर कृत्य को सार्वजनिक रूप से किया जाता है। आयोजक इस बात पर खास ध्यान देते हैं कि उन पर पक्षपात का आरोप न लगे। इसीलिए जब भी कभी आयोजकों को कोई सुझाव दिए जाते हैं तो यदि वे उन्हें सही लगें तो उसे स्वीकार लेते हैं।

ऐसे में उन पर पक्षपात का आरोप नहीं लगता। ठीक उसी तरह एक स्वस्थ लोकतंत्र में होने वाली सबसे बड़ी प्रतियोगिता चुनाव हैं। उसके आयोजक यानी चुनाव आयोग को उन सभी सुझावों को खुले दिमाग से और निष्पक्षता से लेना चाहिए। चुनाव आयोग एक संविधानिक संस्था है, इसे किसी भी दल या सरकार के प्रति पक्षपात होता दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि

चुनाव आयोग ऐसे सुझावों को जनहित में लेती है तो मतदाताओं के बीच भी एक सही संदेश जाएगा, कि चाहे ईवीएम पर गड़बड़ियों के आरोप लगें पर चुनाव आयोग किसी भी दल के साथ पक्षपात नहीं करता। जहां तक ईवीएम पर एक बार फिर से खड़े हुए विवाद की बात है तो सभी राजनैतिक दलों को इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए। सभी दलों को एकजुट हो कर अमेरिकी राष्ट्रपति के ताजा बयान के चलते चुनाव आयोग के पास एक प्रस्ताव लेकर जाना चाहिए और विधान सभा चुनाव में ईवीएम के बजाय बैलट पेपर से चुनाव की मांग करनी चाहिए। यदि यह संभव न हो और चुनाव आयोग को ईवीएम की गुणवत्ता और उसकी कार्य पद्धति पर पूरा विभास है तो उसे दिग्विजय सिंह के सुझाव पर एक प्रयोग करा लेना चाहिए। इससे भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र को और मजबूती भी मिलेगी।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उतकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षो में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्राय: जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्राय: यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुन: 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अत: कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

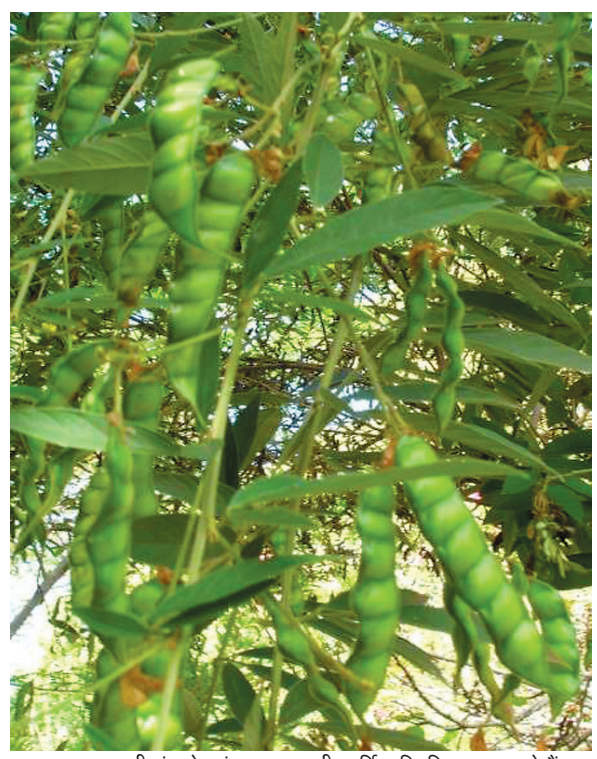

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

पत्थरबाजी के झूठे आरोप में फंसी फरहाना, 87 दिन बाद जेल से रिहा

संभल। 26 नवंबर को संभल हिंसा के दौरान पत्थरबाजी के आरोप में गिरफ्तार की गई 48 वर्षीय फरहाना को 87 दिनों बाद जेल से रिहा कर दिया गया। जांच में पाया गया कि फरहाना का वजन 120 किलोग्राम है, जिससे वह छत पर चढ़कर पत्थर फेंकने में सक्षम नहीं थी। पुलिस ने फरहाना पर दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक सेवक पर हमले जैसी कई गंभीर धाराएं लगाई थीं। लेकिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर दिखी महिला की बनावट फरहाना से मेल नहीं खाती थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि फरहाना की पड़ोसी जिकरा से पुरानी दुश्मनी थी, जिसने उसे झूठे आरोप में फंसाया। जिकरा ने अपनी बहन को बचाने के लिए फरहाना का नाम लिया था। फरहाना की रिहाई के बाद उसके परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन जेल में बिताए गए समय की यादें उसे अब भी परेशान कर रही हैं। इस मामले में एसआईटी ने निष्पक्ष जांच का दावा किया है और झूठे बयान देने वाली जिकरा के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। यहां बताते चलें कि संभल हिंसा में कुल 26 गिरफ्तारियां हुई थीं, जिनमें से 25 पर आरोप तय हुए, लेकिन फरहाना के खिलाफ कोई सबूत न मिलने पर उसे रिहा कर दिया गया।

माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी : वंदे भारत चलेगी 7 मार्च से

जम्मू। दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्यों के चलते अस्थायी रूप से बंद थी, अब 7 मार्च से फिर से शुरू होने जा रही है। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 6 मार्च तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 7 मार्च से वंदे भारत एक्सप्रेस फिर से अपनी सेवाएं बहाल करेगी।

रेलवे ने दी यात्रियों को सलाह- रेलवे प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखना चाहिए। यदि किसी यात्री को अधिक जानकारी चाहिए या अन्य ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में जानना हो, तो वे रेलवे स्टेशन या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

अब यात्रा होगी आसान- वंदे भारत एक्सप्रेस के फिर से शुरू होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा पहले की तरह तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

संभल में शाही जामा मस्जिद में नहीं होगी रंगाई-पुताई

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में विवादित धर्मस्थल शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई नहीं होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला दिया है। एएसआई की टीम को केवल सर्वेक्षण और सफाई करने की अनुमति दी गई है। कोर्ट के निर्देश पर 3 सदस्यीय टीम मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी, सर्वे टीम ने यहां अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने रंगाई-पुताई नहीं करने का फैसला दिया है। दरअसल, संभल मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल हुई थी। इसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी। इस पर अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी से साफ तौर पर कहा कि वे इस समय केवल सफाई कार्य करवा सकते हैं। एएसआई ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंप कर बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या फिर रंगाई करने की आवश्यकता हो।

दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज को उठाया

नई दिल्ली। कश्मीर और दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके में स्थित फजार रेजीडेंसी और गेस्ट हाउस से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज अहमद खान को गिरफ्तार किया। फजर रेजीडेंसी के मैंनेजर मोहम्मद शमी ने बताया कि एक रात पहले कश्मीर और दिल्ली पुलिस आई थी। हमारे एक कमरे में दो मेहमान ठहरे थे, एक का नाम परवेज और दूसरे का नाम फारुक था। पुलिस ने परवेज को होटल के बाहर से उठाया। फजर रेजीडेंसी के मैनेजर ने दावा किया कि ये दोनों कश्मीर से हैं। परवेज ने बताया था कि वह घूमने के लिए दिल्ली आये थे। 12 फरवरी की रात करीब 11 बजे परवेज आया। उसका दोस्त फारुक अभी भी हमारे कमरे में रहता है। हमें नहीं पता कि वह 12वीं से 26वीं तारीख तक कहां गए। हमें नहीं पता कि वह कहां जाता था और क्या करता था। हमारे गेस्ट हाउस में भी कोई उनसे मिलने नहीं आया। अगर कोई आता है तब उसके लिए हमारे पास विजिटर एंट्री होती है। परवेज़ के एक कारोबारी दोस्त मोहम्मद फारुक ने कहा कि मैं परवेज को 5-6 साल से जानता हूँ, मेरा उससे आर्थिक लेन-देन है। हमारा शॉल का कारोबार है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस आई तब मुझे और परवेज़ को थाने ले गई, हम दोनों से पूछताछ की गई, पूछताछ के बाद कश्मीर पुलिस परवेज को ले गई और मुझे छोड़ दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि वह किसी आतंकवादी गतिविधि में शामिल था।

गडचिरौली में 18 लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गडचिरौली। महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गडचिरौली जिले में 18 लाख रुपये के इनामी दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। आत्मसमर्पण करने वालों में भामरागढ़ स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) की डिवीजनल कमेटी सदस्य (डीवीसीएम) कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गालू पल्लो (56) और सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी (30) शामिल हैं।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्या नीतीश कुमार डरे?

अपने काम गिनाने के साथ बार-बार याद दिला रहे लालू का जंगल राज

पटना (एजेंसी)। इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी बिसात बिछ चुकी है। सत्तारूढ़ गठबंधन को एक बार फिर अपने किए गए के कामों पर ही ज्यादा भरोसा है। लालू यादव के राज को जिस तरह जंगल राज का नाम दिया गया है उसे निशाने पर रखकर पिछले कई चुनाव एनडीए जीत चुका है। एक बार फिर उसी को भुनाने की तैयारी है। अब देखना है कि ये कहां तक सही साबित होती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी हफ्ते भागलपुर में एक सभा में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए हमला किया था। नीतीश कुमार तो हर मंच पर जंगल राज को याद कराते रहते हैं। पीएम मोदी के साथ सभा में उपस्थित नीतीश कुमार ने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि आपको याद होगा कि जब हम बिहार 2005 में सत्ता में आए थे, तब क्या स्थिति थी। सूर्यास्त के बाद कोई भी घर से बाहर नहीं निकलता था। जाहिर है कि एनडीए एक बार फिर जंगल राज को फिर से मुद्दा बनाकर जनता के डर को भुनाना चाहती है लेकिन क्या 20 साल बाद भी आम लोग लालू के कार्यकाल की गलतियों को आधार बनाकर वोटिंग करेंगे?

क्या एनडीए सरकार के पास अपनी उपलब्धियां कम हैं जो उसे एक बार फिर नकारात्मक कैंपेन जो 20 साल पहले की बात है उस पर भरोसा करना पड़ रहा है? आखिर 20 सालों से प्रदेश के सीएम नीतीश कुमार सत्ता में हैं। क्या इतना समय जनता के बीच बताने के लिए काफी नहीं होता है? फिर अब तो बीजेपी भी साथ में हैं। केंद्र सरकार के साथ मिलकर बिहार में डबल इंजन की सरकार चल रही है। राज्य सरकार में दो-डिप्टी सीएम बीजेपी के ही हैं, फिर आखिरकार लालू राज का नाम क्यों लिया जा रहा है? आखिर बीजेपी ने ये देख लिया है कि अब नेगेटिव कैंपेन का असर जनता पर नहीं हो रहा है।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीतने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही रहा है। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में ध्रुवीकरण की राजनीति के बजाय एक सूत्रीय विकास की बातें की थी, जिसका असर हुआ और लोगों ने बीजेपी को आम आदमी पार्टी के मुकाबले तरजीह दी और बीजेपी को जीत हासिल हुई। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश के नाम उपलब्धियां नहीं हैं। नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून व्यवस्था आज भी पहले की तुलना में बेहतर है। यही कारण है कि कभी बिहार से बड़े डॉक्टर्स ने पलायन कर दिया था। आज मेदान्ता और पारस जैसे बड़े हॉस्पिटल ग्रुप बिहार पहुंच रहे हैं। बिहार में विदेशी सैलानियों की बढ़ती संख्या बताती है कि बिहार में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। 2023 की तुलना में 2024 में करीब 2 लाख विदेशी पर्यटक बिहार पहुंचे। बिहार में विदेश निवेश में भी

लगातार बढ रहा है। पावर सप्लाई भी पिछले कुछ सालों में बहुत बेहतर हुई है।

सात महीनों के अंतराल में आए दो केंद्रीय बजटों में बिहार के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश की झड़ी लगा दी है, जिसमें राजमार्ग, हवाई अड्डे, बाढ़ नियंत्रण और पर्यटन विकास जैसी योजनाएं शामिल हैं। हालांकि विपक्ष बार-बार नीतीश सरकार पर विशेष राज्य की मांग पूरी न करा पाने के लिए दबाव डालता रहता है।

जेपी नड्डा ओडिशा दौरे पर, एनएचएम कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

भुवनेश्वर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे हैं। इस दौरान वह पुरी में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एक विशेष कार्यक्रम में आज शामिल होंगे। जेपी नड्डा जब भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

पुरी में होगा राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन

भाजपा प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बताया कि नड्डा पहले कोणार्क रवाना हुए, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। कार्यक्रम के अनुसार, वह शुक्रवार को पुरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह 16वें 'कॉमन रिव्यू मिशन' की रिपोर्ट का भी अनावरण करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को और बेहतर बनाना है।

एनएसए डोभाल को लेकर खालिस्तानी आंतकी पन्नू के वकीलों के दावे निकले फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकियों में हताशा कितने ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, इसका एक और नमूना हाल में सामने आया है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के वकीलों ने फर्जी दावा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को अमेरिका दौरे के दौरान समन दिया था। लेकिन सच यह हैं कि आंतकी पन्नू और वकीलों को पता नहीं कि प्रधानमंत्री के साथ एनएसए की यात्रा हो, तब उन्हें किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से छूट मिले है।

मोदी सरकार के सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल को प्रधानमंत्री मोदी के साथ यात्रा करते समय समन से छूट मिली है। मतलब साफ है, डोभाल पर कोई समन नहीं थोपा जा सकता जब वे प्रधानमंत्री के साथ हों। सूत्रों ने कहा कि अमेरिका ने यात्रा से पहले ही उनकी इम्यूनिटी की पुष्टि की गई थी। वकीलों के दावे को खालिस्तानी आतंकियों की हताशा भरी हरकत बताया जा रहा है।

13 फरवरी को पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई शिखर बैठक में दोनों पक्षों ने सिख आतंकी ढांचे के खिलाफ मिलकर काम करने का फैसला किया। यानी, दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। इसके बाद पन्नू के वकीलों का दावा थोड़ा अजीब लगता है। पन्नू के वकीलों की ओर से दावा किया गया, भारत सरकार द्वारा न्यूयॉर्क में सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश के नवीनतम घटनाक्रम में, संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चलता है कि पन्नू ने अपने मुकदमे की एक प्रति भारत की शीर्ष खुफिया एजेंसी के प्रमुख और डोभाल को उनकी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने के लिए अमेरिका की यात्रा के दौरान दी थी... यदि सेवा पूरी हो जाती है, तब डोभाल के पास सेवा से 21 दिनों के भीतर सिविल सूट में पन्नू की शिकायत का जवाब देने होगा। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा था, जैसा कि हमने पहले कहा है, ये पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं। अब जबकि यह विशेष मामला दर्ज किया गया है, इससे अंतर्निहित स्थिति के बारे में हमारे विचार नहीं बदलते... डोभाल ने रक्षा उद्योग और नागरिक उच्च तकनीक और दूरसंचार क्षेत्रों में सहयोग के लिए आईसीईटी ढांचे को एक साथ रखने में अपने पूर्व अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

15 मार्च तक बीजेपी को मिल जाएगा जेपी नडडा का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब हर किसी के मन में बस एक ही सवाल है कि बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर संशय बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक बड़ी खबर आई है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो सकता है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव 12 राज्यों में पूरे हो चुके हैं और बताया जा रहा है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित किया जा सकता है। उसके बाद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार अशुभ अवधि शुरू होती है।

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए करीब आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होना जरूरी है। इसके पहले, बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनाव होते हैं। अभी 36 राज्यों में से सिर्फ 12 में ही चुनाव पूरे हुए हैं। इसलिए करीब 6 और राज्यों में चुनाव कराने की जरूरत है। बीजेपी उन राज्यों में इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें तमिलनाडु, बंगाल, असम और गुजरात शामिल है। बिहार में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का चयन कई बातों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार को सभी का समर्थन हासिल हो, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी शामिल है। साथ ही उम्मीदवार को संगठनात्मक मूल्यों से ओतप्रोत होना चाहिए। पार्टी जातिगत समीकरण, उत्तर-दक्षिण भाषा विवाद, परिसीमन और सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी को झटका लगा था, जिससे उसे सदन में पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था। जेपी नड्डा ने 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पार्टी की जिम्मेदारी संभाली थी। जनवरी 2020 में, उन्हें सर्वसम्मति से बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उन्होंने वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पदभार ग्रहण किया। लोकसभा चुनाव को देखकर उनका कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। मोदी सरकार में शामिल होने के साथ, पार्टी उनके उत्तराधिकारी के लिए संभावित उम्मीदवारों की तलाश कर रही है। लेकिन यह प्रक्रिया धीमी रही है, क्योंकि नेता इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन पार्टी किसी भी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है।

असम में कांग्रेस की बैठक, आगामी चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस को अगले साल होने वाले असेंबली चुनावों को लेकर जिन दो राज्यों से उम्मीद हैं, उनमें असम और केरल प्रमुख है। इन राज्यों में सत्ता वापसी की बात हो रही है। असम चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के नए मुख्यालय में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश नेताओं से गुरुवार को बैठक की, जिसमें कई पहलुओं पर चर्चा की गई। असम नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद थे।

वहीं दूसरी ओर असम के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र बोरा, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, सांसद रकीबुल हुसैन, सीएलपी लीडर देवब्रत सैकिया, प्रदेश के सीनियर लीडर प्रदीप बारदोलोई समेत कई लोग शामिल थे।

बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुआ। असम ने भ्रष्टाचार और नफरत की राजनीति को हटाने और कांग्रेस के साथ मोहब्बत और प्रगति की राजनीति को गले लगाने का मन बना लिया है।

वही बैठक खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार बोरा ने कहा कि असम से जुड़े अहम मुद्दों और रणनीति को लेकर शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की, जहां असम के सीनियर नेता और तमाम पदाधिकारी मौजूद थे। सभी ने एकसुर से संकल्प लिया कि हम एकजुट होकर आने वाले चुनाव में असम से बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। बोरा ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं और हमने उनके भ्रष्टाचार से जुड़े तमाम सबूत अपने शीर्ष नेतृत्व के सामने रख दिए हैं।

हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में भारी बर्फबारी, जनजीवन प्रभावित

- सड़कों पर बर्फ जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित

- कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क कटा

- गंगोत्री में 4 फीट तक बर्फ, स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली/ शिमला/ देहरादून/ श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी और बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर के कई इलाकों में बीते तीन दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे कई सड़कें बंद हो गई हैं और स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, चंबा (भरमौर-पांगी) और किन्नौर जिले में भारी बर्फबारी के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। सड़कों पर बर्फ जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही संभव नहीं है, जिससे कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क कट गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक ठंड बढ़ने और बर्फबारी जारी रहने की संभावना जताई है। प्रशासन ने जरूरी सेवाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

उत्तराखंड में भी मौसम का कहर जारी है। खासतौर पर गंगोत्री और यमुनोत्री क्षेत्र में 4 फीट तक बर्फबारी दर्ज की गई है। राज्य के कई हिस्सों में तापमान माइनस डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। पहाड़ों में रहने वाले लोगों को खाद्य सामग्री और ईंधन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम में भी भारी बर्फबारी हो रही है। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बंद हो गया है, जिससे जम्मू से श्रीनगर का संपर्क टूट गया है। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम और बिजली कटौती जैसी समस्याएं सामने आई हैं।

हालांकि, बर्फबारी के चलते पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। शिमला, मनाली, मसूरी और गुलमर्ग में पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्रशासन ने पर्यटकों से सतर्क रहने और मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर यात्रा करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों तक हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी जारी रह सकती है। साथ ही मैदानी इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना भी जताई गई है। प्रशासन ने सभी जरूरी सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा है और बचाव दल तैनात किए गए हैं। जनता से अपील है कि मौसम को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन की सलाह का पालन करें।

मैं हिंदू हूं, इसलिए शिवरात्रि कार्यक्रम में गया: डीके शिवकुमार

- अमित शाह की मौजूदगी से शुरू हुआ था विवाद

- कर्नाटक कांग्रेस में गहराये मतभेद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पार्टी के अन्य नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ रहे हैं। हाल ही में शिवकुमार के ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में जाने को लेकर कांग्रेस में अंदरूनी बहस छिड़ गई है।

गौरतलब है की 26 फरवरी को कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन की ओर से महाशिवरात्रि समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। शिवकुमार की इस कार्यक्रम में उपस्थिति पर, ढुष्ट के सचिव पीवी मोहन ने सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, शिवकुमार उस व्यक्ति के निमंत्रण पर गए, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मजाक उड़ाता है। उनका इशारा

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव की ओर था।

इस आलोचना का जवाब देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, मैं एक हिंदू हूं। मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ और हिंदू के रूप में मरूंगा, लेकिन मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वे महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा करने के लिए इस कार्यक्रम में गए थे, राजनीति करने के लिए नहीं। इस मुद्दे ने कांग्रेस पार्टी के अंदर मौजूद विभाजन को उजागर कर दिया है। कुछ नेता शिवकुमार के इस कदम को निजी आस्था का मामला बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे पार्टी लाइन के खिलाफ मान रहे हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई पहले भी हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों पर दो गुटों में बंटी रही है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान की खबरें आती रही हैं। शिवकुमार के इस बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वे राज्य में हिंदू वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति बना रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद जल्द थमने वाला नहीं है। कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद राज्य में सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। आने वाले दिनों में पार्टी आलाकमान इस मुद्दे पर डीके शिवकुमार और अन्य नेताओं को तलब कर सकता है।

भाजपा ने साधा निशाना

शिवकुमार के बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हिंदू आस्था का अपमान करती है और उनके ही नेताओं को कटघरे में खड़ा करती है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि कांग्रेस के अंदर हिंदू विरोधी मानसिकता हावी है।

कई कठिनाईयों से जूझने के बाद भारतीय स्किल वर्कर्स को मिलता है अमेरिकी वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं।

भारतीय स्किल प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिका हमेशा से पसंदीदा देश रहा है। 2023 में एच-1बी वीजा के अकेले 72 प्रतिशत भारतीयों को दिए गए। एच-1बी वीजा मिलन से करियर में ग्रोथ का गोल्डन टिकट तो मिल जाता है, लेकिन इस वीजा को पाना आसान नहीं होता है। भारतीय स्किल वर्कर्स को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में से एक अंग्रेजी दक्षता परीक्षा है। वैसे यूएससीआईएस की तरफ से एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगा जाता है। अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं। सर्वे में 1000 भारतीय टेस्ट देने वाले लोगों ने हिस्सा लिया और उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं।

दरअसल, भले ही यूएससीआईएस एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगे, लेकिन कई अमेरिकी कंपनियां अच्छी अंग्रेजी बोलने और समझने वाले लोगों को ही नौकरी देती हैं। खासकर साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स, हेल्थकेयर और कानून जैसे क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी है। सर्वे में बताया गया है कि 62 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को लगता है कि अगर कोई इंसान उनकी परीक्षा ले रहा है, तो उनका एक्सेंट उनके खिलाफ जा सकता है। ये उनकी चिंताओं को उजागर कर रहा है।

1 मार्च से उत्तर भारत के 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी की शुरुआत करेगी आइकिया

मुंबई ।

स्वीडन की होम फर्निशिंग रिटेलर आइकिया अब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में प्रवेश करने को तैयार है। कंपनी 1 मार्च से दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आगरा, प्रयागराज, अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना और वाराणसी सहित 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी की शुरुआत कर रही है। इन इलाकों के ग्राहक आइकिया एप, कंपनी की वेबसाइट तथा फोन के जरिए उपलब्ध खरीद सहायता का उपयोग करके कंपनी के 7000 से अधिक प्रोडक्ट्स को देख और खरीद सकते है। आइकिया वर्तमान में भारत के पांच बाजारों में मौजूद है। कंपनी के हैदराबाद, नवी मुंबई और बेंगलुरु में 3 बड़े-फॉर्मेट वाले स्टोर और वर्ली में एक सिटी स्टोर है। आइकिया इंडिया की सीईओ और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर सुजैन पल्वरर ने कहा, हैदराबाद में अपना पहला स्टोर खोलने के बाद से हमें उत्तर भारत से निरंतर अच्छा रिस्पांस मिल रहा था। हमारे बी2बी चैनलों के माध्यम से इन शहरों से सैकड़ों ऑर्डर आ रहे हैं, हमें लगातार ऑनलाइन सर्च किया जा रहा है, एप डाउनलोड किए जा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। हमारी भारत की कहानी में यह एक खाली जगह थी। हम आइकिया को उत्तर भारत में लांच करने का बेसब्री से इंतजार

कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर और अन्य मार्केट्स में यह लांच हमारे भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत नींव साबित होगा। पुल्वरर ने कहा कि चाहे वह कई पीढ़ियों का रहन-सहन हो, कम खर्च में रहन-सहन हो, बच्चों की परवरिश हो या छोटी जगहों का बेहतर इस्तेमाल हो, भारतीय घरों की खास जरूरतों की हमारी गहरी समझ के साथ हमारा लक्ष्य उत्तर भारत में उपयोगी समाधान लाना है। इससे हम इन समाधानों और उत्पादों की हमारी विस्तृत श्रृंखला को तमाम लोगों तक पहुंचा पाएंगे। हम जल्द ही इस क्षेत्र में अपने स्टोर खोलने के करीब पहुंच रहे हैं।

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए मिलेगा एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन

मुंबई ।

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन मिलेगा। इसके लिए फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप करने की घोषणा की है।

यूजर्स अपनी लोकल भाषा में इस फीचर के जरिए रियल टाइम इन्फॉर्मेशन और फाइनेंशियल इनसाइट्स एक्सेस कर सकेंगे। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी का कहना है कि इस फीचर से यूजर्स की फाइनेंशियल लिट्रेसी बढ़ेगी। यूजर्स बैंकिंग, निवेश, खर्च से जुड़े विषयों की जानकारी आसानी से पा सकेंगे। इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़े डिसीजन लेने में मदद मिलेगी। वहीं पेरप्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने कहा कि यह तकनीक लोगों को रियल-टाइम में भरोसेमंद जानकारी देने में मदद करेगी। आईआईटी ग्रेजुएट ने 2022 में बनाया परप्लेक्सिटी परप्लेक्सिटी यूएस बेस्ड एआई सर्च इंजन स्टार्टअप कंपनी है। आईआईटी मद्रास से ग्रेजुएट अरविंद श्रीनिवास ने 2022 में परप्लेक्सिटी को बनाया था। अरविंद श्रीनिवास ओपन एआई में एआई रिसर्चर के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

गूगल सर्च के कॉम्पिटिटर परप्लेक्सिटी ने हाल ही में 500 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी। इससे पहले कंपनी ट्रिपएडवाइजर के साथ भी इसी तरह का टाइअप कर चुकी है।

पेटीएम को एफवाय25क्यू3 में रुपए 208 करोड़ का लॉस पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट लॉस 208 करोड़ रुपए रहा।

एक साल पहले की समान तिमाही में पेटीएम का घाटा 220 करोड़ रुपए था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 36 प्रतिशत गिरकर 1,828 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, क्यू3एफवाय24 में यह 2,850 करोड़ रुपए था।

सोना 85 हजार के नीचे आया, चांदी 93 के करीब, सोना खरीदने का यही सही समय

मुंबई।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार का गिरावट दर्ज की गई। सोना 85 हजार के नीचे आ गया, जबकि चांदी के भाव भी 93,200 के करीब कारोबार कर रही हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का अप्रैल वायदा 297 की गिरावट के साथ 84,899 पर खुला। खबर लिखे जाने तक सोना 84,880 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। आज दिन में सोने ने 84,912 का उच्चतम और 84,846 का न्यूनतम स्तर को छुआ। इस महीने सोने ने 86,592 का अब तक का उच्चतम स्तर छू लिया था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मार्च वायदा चांदी 406 की गिरावट के साथ 93,229 पर खुली। ट्रेडिंग के दौरान यह 93,229 के उच्चतम और न्यूनतम स्तर तक ही सीमित रही। पिछले साल चांदी ने 1,00,081 प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। कोमेक्स पर सोना 2,889 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले क्लोजिंग प्राइस 2,895.90 डॉलर प्रति औंस से कम था। 2,885.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। अगर आप सोना-चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो यह सही समय हो सकता है। हालांकि, आगे कीमतों में और गिरावट या उछाल आ सकता है, इसलिए निवेश करने से पहले बाजार पर नजर बनाए रखें।

कोलकाता के बाद चेन्नई में खुला उड़ान यात्री कैफे, 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा

देश के दूसरे अन्य एयरपोर्ट पर भी कैफे खोलने की तैयारी

नई दिल्ली ।

एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का रेट देखकर ज्यादातर यात्री खाने का मन नहीं बनाते हैं। लेकिन मोदी सरकार के प्रयास से अब आम आदमी भी एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का मजा ले सके हैं। इसी कड़ी में एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलना शुरु हुआ हो गया है। यात्री कैफे की शुरुआत 19 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी और अब चेन्नई में भी इसतरह का कैफे खुल गया है। माना जा रहा है कि कोलकाता और चेन्नई के बाद अब दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स का भी नंबर आ सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि यह कैफे चेन्नई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल-1 पर चेक-इन से पहले एरिया में खुला है। यहां 10 रुपये में चाय, 10 रुपये में पानी की बोतल और 20 रुपये में समोसा, कॉफी और मिठाई खरीदी जा सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया। पहला उड़ान यात्री कैफे 19 दिसंबर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया था।

एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कोलकाता एयरपोर्ट की 100वीं वर्षगांठ पर यात्रियों को देश के पहले उड़ान यात्री कैफे का गिफ्ट दिया था। कोलकाता एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में यात्री उड़ान कैफे खोला गया है। इसमें चाय, कॉफी, स्नैक्स और पानी जैसी चीजें सस्ती कीमत पर बेची जा रही है। इस योजना का मकसद हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है, क्योंकि भारत में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है।

शेयर बाजार के लिए काल साबित हुए ये कारण....9 माह के निचले स्तर पर आया निफ्टी

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार 28 फरवरी को खुलते ही धड़ाम हो गया। सेंसेक्स 1100 अंकों से अधिक क्रैश होकर 73,469.11 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी-50 भी 350 अंकों का गोता लगाकार 22,188.50 के स्तर पर आ गया। गिरावट इतनी तेज थी 30 मिनट के अंदर बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू करीब 6.1 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इसके साथ निफ्टी अब अपने 9 महीने के निचले स्तर पर आ गया है। फरवरी में अब तक निफ्टी 5 प्रतिशत तक गिर चुका है। इसके साथ ही निफ्टी अब 29 सालों में पहली बार लगातार 5वें महीने गिरावट के साथ बंद होता हुआ दिख रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह हैं कि आज बाजार के टूटने का कारण क्या था। हम आपकों इस खबर में उन कारणों के बारे में बताने जा रहे है।

बाजार के टूटने का प्रमुख कारण ट्रेड वार की आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 4 मार्च से ही 25 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। जबकि इसके पहले उन्होंने टैरिफ को 2 अप्रैल से लागू करने का संकेत दिया था। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भी 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगेगा, जिससे ग्लोबल ट्रेड वार छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। बाजार जानकार बताते हैं कि शेयर बाजार अनिश्चितता को पसंद नहीं करते हैं, और जब से ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, तब से अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों का शेयर बाजार पर असर पड़ रहा है। साथ ही चीन पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ की नई घोषणा से शेयर बाजार के इस नजरिए की पुष्टि हो रही है कि ट्रंप अपने नए कार्यकाल में टैरिफ का इस्तेमाल देशों का धमकाने और फिर अमेरिका के अनुकूल समझौते करने के लिए करने वाले है। उन्होंने कहा, मार्च में इकोनॉमी से जुड़ी अच्छी खबरों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली की रफ्तार धीमी होने के चलते शेयर बाजार में एक रिकवरी देखने को मिल सकती है। लंबी अवधि के निवेशक बाजार में कमजोरी का फायदा उठाकर धीरे-धीरे वाजिब भाव पर कारोबार कर रहे क्वालिटी लार्जकैप शेयरों को जमा कर सकते हैं।

2. एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी

एशियाई शेयरों में कमजोरी ने भी शुक्रवार को निवेशकों के सेंटीमेंट पर असर डाला। हांगकांग के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट के साथ ही पिछले 6-हफ्तों से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया। ट्रंप का चीनी सामानों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले के बाद वहां जमकर मुनाफावसूली देखने को मिली। हांगकांग के बेंचमार्क हैंग सेंग में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई। जापानी शेयरों में विदेशी निवेशकों की ओर से करीब 5 महीनों की सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली। यह कुल 1.04 ट्रिलियन येन की निकासी थी। जापानी येन में मजबूती, बढ़ती मंहगाई से जुड़ी चिंताएं और ट्रंप की टैरिफ नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं के चलते एफआईआईएस ने बिकवाली की।

3. एआई सेक्टर की ग्रोथ पर संदेह बढ़ना

एआई चिप्स इंडस्ट्री की सबसे बड़ी कंपनी एनवीडिया के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों ने भी बाजार में भूचाल लाने में अहम भूमिका निभाई। एनवीडिया के शेयर रातों रात 8.5 फीसदी तक गिर गए। कंपनी ने ग्रॉस मार्जिन के मोर्चे पर खासतौर से उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन किया। हालांकि एनवीडिया ने अपनी ग्रोथ को लेकर मजबूत अनुमान जताए हैं, लेकिन यह निवेशकों के मनोबल को उठा पाने में नाकाम रहा।

4. अमेरिकी इकोनॉमी में मंदी की आशंका

अमेरिका में साप्ताहिक बेरोजगारी दावों में उम्मीद से अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस आंकड़े से दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी में सुस्ती की चिंता को बढ़ दिया है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों के चलते पहले ही वह महंगाई दर में बढ़ोतरी का अनुमान जताया चा चुका है। इसकारण आईटी शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं जिससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फरवरी के अंतिम दिन शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं हुआ और इसकी कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। देश के सभी चार महानगरों की बात करें तो उसमें कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पैट्रोल 94.72 वहीं डीजल 87.62 रुपये पर बना हुआ है। वहीं मुम्बई में पैट्रोल 103.44 और डीजल 89.97 रुपये जबकि कोलकाता में पैट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 पर है। चेन्नई में पैट्रोल 100.85 व डीजल 92.44 वहीं बेंगलुरु में पैट्रोल 102.86 और डीजल 88.94 पर है। लखनऊ में पैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 पर हैं। वहीं लखनऊ में पैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 जबकि नोएडा में ये 94.87 व 88.01 पर हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 और डीज 88.05 पर है। चंडीगढ़ में इसकी कीमत 94.24 व 82.40 रुपये हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तकरीबन एक साल मार्च 2024 के बाद से ही बदलाव नहीं हुआ है। बाजार जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में अभी कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं।

भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर सहमति बन गई है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। वहीं, फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ हिस्सेदारी करने का ऐलान किया है, जिससे यूजर्स को ऐप पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन की सुविधा मिलेगी। भारत ने एक्सपोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए अब तक 13 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और 6 प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कड़ी में यूके के साथ होने वाला नया समझौता भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजारों में ज्यादा पहुंच प्रदान करेगा। इस समझौते से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं पर लगने वाले शुल्कों में छूट मिलेगी, जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप किया है, जिससे अब पेटीएम पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च उपलब्ध होगा। यह फीचर यूजर्स को लोकल भाषा में जानकारी और फाइनेंशियल इनसाइट्स प्रदान करेगा। पेटीएम का यह कदम डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक क्षेत्र में एक नई तकनीकी क्रांति ला सकता है।

पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 में दो नए कलर पिक्स ब्रॉन्ज और स्मोक सिल्वर शामिल किए हैं। बाइक स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन और मीडिया कंट्रोल के साथ 4-इंच टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स से लैस है। बाइक अब 6 कलर ऑप्शन के साथ अवेलेबल है। रोडस्टर बाइक तीन वैरिएंट- एनालॉग, डैश और फ्लैश में आती है और इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.49 लाख रुपए रखी गई है, जो टॉप वैरिएंट में 2.54 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक जाती है। नए कलर के साथ बाइक की बुकिंग लॉन्च के साथ ही शुरू हो चुकी है और इनकी डिलीवरी 10 मार्च 2025 से मिलेगी। भारत में इसका मुकाबला ट्रायम्फ 400, हुस्कवर्ना स्वार्टपिलेन 401 और होंडा सीबी300आर से है। नई गुरिल्ला 450 में 452सीसी का लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर शेरपा इंजन दिया गया है, जो 8,000आरपीएम पर 40 एचपी की पावर और 5,500आरपीएम पर 40एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को असिस्ट और स्लिप क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। बाइक में दो राइड मोड- परफॉरमेंस और इको मिलते हैं। रॉयल एनफील्ड ने बेहतर लो-एंड टॉर्क देने के लिए इंजन को फिर से ट्यून किया है। कंपनी का दावा है कि 3000आपीएम से शुरू होने वाले टॉर्क का 85 प्रतिशत से अधिक अवेलेबल है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, मचा हाहाकर

- बैंकों के डिपॉजिट को लेकर लोगों की चिंता बढ़ी

मुंबई । शेयर बाजार आज सुबह भारी गिरावट के साथ खुले। देखते ही देखते बाजार में बिकवाली के कारण मुंबई स्टॉक एक्सचेंज सुबह 11 बजे 973 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 330 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। शेयर बाजार मे निफ्टी 50 में 291 अंकों की गिरावट देखने को मिली। जिसके कारण शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है। देसी और विदेशी निवेशक भारी बिकवाली कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह के समाचार प्राप्त हो रहे हैं। उसको लेकर सबसे ज्यादा गिरावट भारतीय बाजार में देखने को मिल रही है। डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट तथा सरकार द्वारा आर्थिक नीतियों को लेकर मौन साध रखा है। उसके कारण शेयर बाजार में भारी घबराहट देखने को मिल रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 73000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 माह में लगभग 14000 अंकों की गिरावट देखने को मिली है। पिछले 5 महीने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट होने से देसी निवेशकों का हौसला भी टूट गया है। कर्ज के कारण अमेरिका ने अपने खर्चों में भारी कटौती करना शुरू कर दी है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार भी आने वाले महीनो में अपने खर्चों में भारी कटौती करेगी। भारत की लोक लुभावन योजनाएं जल्द ही बंद या काम हो सकती हैं। इसका असर शेयर बाजार पर देखने को मिलेगा। जिस तरह के हालात भारतीय अर्थव्यवस्था मे देखने को मिल रहे हैं। उससे बाजार में घबराहट मची हुई है। भारत में केंद्र सरकार राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं के ऊपर भारी कर्ज है। इस स्थिति को देखते हुए निवेशक अपनी पूंजी निकाल कर शेयर बाजार से बाहर निकलना चाहते हैं। भारत के वित्तीय संस्थान भी इस समय शेयर बाजार से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड एवं अन्य सरकारी वित्तीय संस्थान शेयर बाजार की गिरावट से निवेश करने से बच रहे हैं। शेयर बाजार की बिकवाली को देखते हुए वित्तीय संस्थाओं का मानना है। इस समय जो भी पैसा शेयर बाजार में निवेश किया जाएगा। वह बाजार से बाहर चला जाएगा। वित्तीय संस्थाओं को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। जिसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत इन दोनों सबसे ज्यादा पतली है। शेयर बाजार के अर्थ विशेषज्ञों का कहना है। पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार को हवा भर के (जिस तरह से फुग्गा फुलाया जाता है) भारतीय शेयर बाजार को फुलाया गया था। शेयर बाजार का यह फुग्गा अब फूट रहा है। तेजी के साथ हवा निकल रही है। ऐसी स्थिति में छोटे बड़े सभी देशी विदेशी निवेशक शेयर बाजार से भाग रहे हैं। जिसके हाथ में जो लग रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार से निकलना चाहता है। यह स्थिति भारतीय शेयर बाजार के अस्तित्व को बनाए रखने मे सबसे बड़ी चुनौती है।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा प्लांट में शुरु किया उत्पादन

नई दिल्ली ।

हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने नए प्लांट में मारुति सुजुकी इंडिया ने उत्पादन शुरू कर दिया है। हरियाणा के इस प्लांट में ब्रेजा एसयूवी बनाई जाएगी। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में इस प्लांट की नींव रखी थी। कंपनी भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है और इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी ध्यान दे रही है। वह भारत से ज्यादा गाड़ियां निर्यात भी करना चाहती है। मारुति सुजुकी इंडिया का खरखौदा प्लांट काफी अहम है, क्योंकि इससे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस प्लांट की आधारशिला अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली रखी थी। इस प्लांट से शुरुआत में 2.5 लाख गाड़ियां हर साल बनाई जाएंगी। इस नए प्लांट के शुरू होने से मारुति सुजुकी कारों की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 26 लाख यूनिट सालाना हो गई है। इसमें सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन भी शामिल है, जो मारुति सुजुकी की ही एक सहायक कंपनी है। यह कदम कंपनी की भारत केंद्रित रणनीति का हिस्सा है। बता दें कि मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन जापान ने हाल ही में अपनी नई रणनीति की घोषणा की है।

इसका मुख्य कारण भारत में कंपनी का घटता मार्केट शेयर और बढ़ता हुआ ईवी सेगमेंट है। कंपनी भारत में 50 फीसदी मार्केट शेयर हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह सालाना 40 लाख गाड़ियां बनाने की क्षमता तैयार करना चाहती है। कंपनी भारत को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में भी इस्तेमाल करना चाहती है। 2025-30 के लिए अपनी नई योजना में सुजुकी मोटर ने भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण बाजार बताया है।

कंपनी ई-विटारा के साथ अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी फिलहाल भारत से हर साल 3 लाख गाड़ियां निर्यात करती है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस दशक के अंत तक यह संख्या बढ़कर 7.5 से 8 लाख यूनिट हो जाए। इसके लिए सुजुकी मोटर ने उत्पादन, नए मॉडल और क्वालिटी इम्प्रूवमेंट के लिए लगभग 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।

मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने वाले 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में करीब 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह कदम कंपनी की आंतरिक जांच के बाद उठाया गया, जिसमें पाया गया कि कुछ कर्मचारियों ने घोषित न किए गए प्रोडक्ट प्लान और इंटरनल बैठकों की जानकारी बाहर साझा की थी। मेटा लंबे समय से कंपनी की आंतरिक जानकारी लीक करने के खिलाफ सख्त नीति अपना रही है।

सीईटो मार्क जुकरबर्ग और सीटीओ एंड्रयू बोसवर्थ ने भी नाराजगी जताई है। बोसवर्थ ने कहा कि जानकारी लीक करने वालों को पकड़ने की क्षमताएं लगातार बेहतर हो रही हैं।

मेटा के प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में एक जांच की है जिसके बाद करीब 20 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। आने वाले समय में और भी कार्रवाई हो सकती है। पिछले कुछ महीनों में मेटा की इंटरनल जानकारी लीक होने की घटनाएं बढ़ीं। सीईओ मार्क जुकरबर्ग की इंटरनल बैठकों से जुड़ी डिटेल्स मीडिया में लीक हो गईं। ऑल-हैंड्स बैठक की जानकारी सार्वजनिक हो गई, जिससे कंपनी नाराज थी। कई अनाउंस न किए गए प्रोडक्ट और अपकमिंग फीचर्स की जानकारी बाहर आ चुकी थी।

मेटा ने साफ कर दिया है कि वह कंपनी की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाएगा और जो भी कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ बर्खास्तगी जैसी कड़ी कार्रवाई होगी।

अब एनएफओ से जुटाई रकम 30 दिन में करनी होगी निवेश

एएमसी के लिए सेबी ने बनाए नए नियम, 1 अप्रैल से होंगे लागू

मुंबई। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के लिए नए नियम जारी किए हैं। अब न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए जुटाई गई रकम को 30 दिनों में निवेश करना अनिवार्य होगा। एएमसी को नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को 30 दिनों में निवेश करना होगा। यदि एएमसी तय समय में निवेश नहीं कर पाती है, तो उसे अपनी इन्वेस्टमेंट कमेटी को लिखित में कारण देना होगा। इन्वेस्टमेंट कमेटी कारणों की जांच कर सकती है और अतिरिक्त 30 दिन का समय दे सकती है। सेबी ने 27 फरवरी यानी गुरुवार को इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया है। नया नियम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा। अगर 60 दिनों में फंड निवेश नहीं किया जाता, तो उस एनएफओ में नए निवेश पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। निवेशकों को बिना किसी चार्ज के पैसा वापस लेने की अनुमति होगी। निवेशकों का पैसा फंसेगा नहीं और फंड हाउस पर दबाव बढ़ेगा। निवेशकों को पारदर्शिता मिलेगी। एएमसी को अपनी निवेश रणनीति को सटीक बनाना होगा।

इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम शनिवार को यहां होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इंग्लैड की टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह अपने दोनो ही मैच हारी है। पहले मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया जबकि दूसरे मैच में अफगानिस्तान ने हराया। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अधिकतर खिलाड़ी भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। वहीं दूसरी और इंग्लैंड की बल्लेबाज जो रुट पर ही टिक है। अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक केवल एक मैच ही खेला है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था। इस मैच में उसके बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक लगाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद अफगानिस्तान को 208 रन पर ही समेट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ जो बात जा रही है वह ये है कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव का सामना करते हुए बिखर जाती है हालांकि आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है पर पिछले एक साल में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 एकदिवीसयय मैच में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। पहले ही सेमीफाइनल से बाहर होने के कारण उस

पर किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव भी नहीं रहेगा। उसकी कमजोर कड़ी ये है कि रूट को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी पर उसके बाद भी अन्य बल्लेबाज लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। वहीं पहले मैच में उसके गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक बड़े लक्ष्य का बचाव भी नहीं कर पाये।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

चैम्पियंस ट्रॉफी मेरे करियर का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा: डुसेन

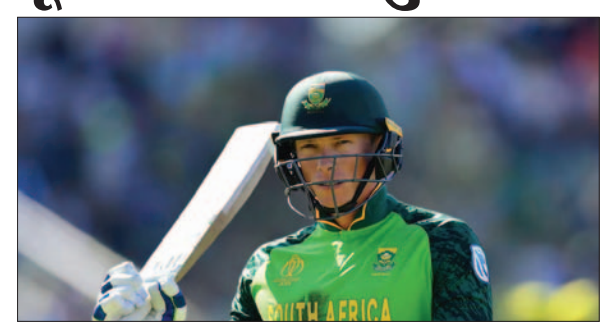

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि कहा है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनके करियर का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। डूसने ने ये बात शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाल आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कही है। डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि या तो में नहीं खेलूंगा या प्रबंधन मुझे नहीं शामिल करेगा। इस क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा लक्ष्य रहा है।

डूसन ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा अपनी टीम के लिए खेलना रहा है। लोग मुझसे पूछ रहे हैं, क्या आप इसके बाद लीग खेलेंगे? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि टीम के लिए नहीं खेलने की संभावना समाप्त हो जाएगी या नहीं हालांकि, मुझमें लीग में खेलने की भूख बनी रहेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र लक्ष्य रहा है, इसलिए अगर यह लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। अगर मुझे दूसरा अनुबंध दिया जाता है, तो मैं निश्चित रूप से इसे स्वीकार करूंगा और उस अवधि के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। इस खिलाड़ी ने टीम के युवा बल्लेबाजों ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी ज़ोरज़ी और मैथ्यू ब्रीट्ज़के की जमकर प्रशंसा की । उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि इतने सारे युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो वाकई अच्छा खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स या टोनी डी जोरजी जैसे खिलाड़ी किनारे पर बैठे हैं।

रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है।

रोहित अगर आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। रोहित ने अब तक एकदिवसीय में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में सफल होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। वहीं 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 632 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

हर्ष दुबे ने रचा इतिहास, रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया

नागपुर (एजेंसी)। हर्ष दुबे (88 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन ने विदर्भ ने शुक्रवार को केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में तीसरे दिन पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल कर ली। हर्ष इसके साथ ही रणजी इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे।

इस युवा वामहस्त स्पिनर ने इस सत्र में अब तक 69 विकेट चटका कर 2018-19 में बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। केरल के कप्तान सचिन बेबी (98) दो रन से शतक से चूक गये जबकि अनुभवी आदित्य सरवटे ने 185 गेंद में 79 रन की शानदार पारी खेली लेकिन विदर्भ के गेंदबाजों ने धैर्य बनाये रखते हुए केरल की पहली पारी को 342 रन पर समेट दिया।

विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। सरवटे दिन के पहले सत्र में आउट हुए जबकि सलमान निजार (21) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (34) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। दुबे के साथ दर्शन नालकंडे (52 रन पर तीन विकेट) और पार्थ रेखाडे (65 रन पर तीन विकेट) ने भी तीन-तीन विकेट

लिए। हर्ष ने सरवटे को पहली स्लिप में कैच करा कर रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र में अपना 67वां विकेट हासिल किया।

इसके बाद उन्होंने लंच से ठीक पहले निजार को पगबाधा आउट करके बिहार के आशुतोष अमन के एक सत्र में सर्वाधिक 68 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्हें हालांकि अपने तीसरे विकेट के लिए काफी पसीना बहना पड़ा। उन्होंने एमडी निधीश (एक) को पगबाधा कर रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। सरवटे ने अपना बल्ला फ्रंटफुट के पास रख रक्षात्मक रवैया अपनाया लेकिन हर्ष की गेंद अतिरिक्त उछाल ली और स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक अमन मोखड़े ने आसान कैच पकड़ लिया।

सरवटे ने 185 गेंद की पारी में चौथे विकेट के लिए कप्तान के साथ 63 रन जोड़े। सचिन बेबी ने इसके बाद निजार के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 रन और अजहरुद्दीन के साथ छठे विकेट के लिए 59 रन साझेदारी की लेकिन उनका प्रयास टीम को पहली पारी में बढ़त दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। निजार ने अपनी 42 गेंद की पारी में तीन चौके लगाये। उन्हें हर्ष की गेंद पर पगबाधा दिया गया। केरल के खिलाड़ियों ने हालांकि इस फैसले पर निराशा जताई।

निजार ने हर्ष की ऑफस्टंप की बाहर टप्पा खाने वाली गेंद को छोड़ने के लिए बल्ला ऊपर उठा दिया लेकिन गेंद अधिक घुमाव के साथ उनके पैर से टकरा गया। मैदानी अंपायर अनिल चौधरी ने शॉट न खेलने के कारण बल्लेबाज को पगबाधा घोषित कर दिया। निजार ने डीआरएएस लिया लेकिन रीप्ले में भी गेंद विकेटों से टकरते दिखी। अजहरुद्दीन फ्लिक करने का प्रयास किया नलकंडे की गेंद पर पगबाधा हुए।

बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड के सदस्य बनेंगे : बेयर्ड

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी आईसीसी मैच रेफरी हैं पर वह अपना पद चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद छोड़ देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बून मार्च के अंत में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी तस्मानिया बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें सीए के निवर्तमान अध्यक्ष पॉल ग्रीन की जगह शामिल किया जाएगा। इसी को लेकर सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड कहा, ''बून एक खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने लंबे अनुभव को लेकर सीए बोर्ड में आएंगे जिससे उसे आगे ले जाने में सहायता मिलेग।卐 उन्होंने कहा, ''बून ने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में अपनी भूमिका से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बारे में काफी जानकारी हासिल की है और ये ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी। 卐 गौरतलब है कि बून साल 2011 से ह ही आईसीसी मैच रेफरी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 107 टेस्ट और 181 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने कुल 13,386 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। वह 1987 में विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य थे। बून चयनसमिति में भी शामिल रहे हैं।

रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया। रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

बदतमीजी मेरे से... वसीम अकरम ने माना- पाक टीम का कोच बनने पर झेलनी पड़ती है जिल्लत

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान वसीम अकरम का मानना है पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कोच बनना किसी चुनौती से कम नहीं है। अकरम को अक्सर क्रिकेट शो के दौरान पाकिस्तानी टीम की खामियों पर बात करते हुए देखा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर कई फैंस उन्हें कोच बनने का ऑफर भी करते रहे हैं, लेकिन वसीम हर बार गोलमोल जवाब देकर बात को टाल जाते थे। लेकिन इस बार वसीम अकरम ने इस पर खुलकर बात की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम शो में एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए साफ तौर पर कहा कि वह प्रशंसकों द्वारा किए गए खराब व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकते, जिसका सामना वकार यूनिस सहित उनके पूर्व साथियों ने अपने मुख्य कोच रहने के दौरान किया था। इसी कारण वह कभी पाकिस्तान का कोच बनने की नहीं सोचते।

वसीम अकरम ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो ऐसे बहुत सारे लोग है जो अभी भी बातों बातों में मेरी आलोचना करते हैं। कहते हैं कि इससे जितनी मर्जी बात करा लो खुद कुछ करता नहीं है। जब मैं वकार (यूनिस) सहित पाकिस्तानी कोचों को देखता हूं, जो कई बार कोच रह चुके हैं। और मैं उनके साथ हुआ हाल देखता हूं कि आप (क्रिकेटर) लोग किस तरह बदतमीजी करते हैं अपने कोचों से। यह बदतमीजी मेरे से बर्दाश्त नहीं होगी। वनडे में 500 विकेट लेने वाले अकरम ने कहा कि वह टीम के लिए जरूरत पड़ने पर मुफ्त में भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट की मदद करना चाहता हूं। आपको मुझे भुगतान क्यों करना होगा? मैं निःशुल्क उपलब्ध हूं। जब भी आप मुझे शिविर के लिए बुलाओगे, मैं आऊंगा। अगर आप मुझे किसी टूर्नामेंट में शामिल करेंगे तो मैं खिलाड़ियों के साथ समय बिताऊंगा। लेकिन मैं 58 साल का हूं। मेरा एक परिवार है, एक 10 साल की बेटी। मेरे दो लड़के हैं। मैं उनके साथ समय बिताना चाहता हूं। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, जब भी मेरे पास समय होता है, मैं बच्चों के लिए शिविर आयोजित करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहता हूं, यहां तक निःशुल्क भी। मैं चला जाऊंगा, पाकिस्तान टीम का कोई टूर्नामेंट आ रहा है, उनका कैंप लगता है, मैं आ जाऊंगा। ये मैं कर सकता हूं लेकिन ऐसी बेइज्जती नहीं करा सकता इस उमर में।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का अवसर देगा बीसीसीआई !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौर पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की तैयारी का अवसर भारतीय बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल के दौरान देगा। अभी भारतीय टीम दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद वह आईपीएल खेलेगी। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने सफेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि खिलाड़ियों को लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। वहीं जो टीमें आईपीएल में आगे नहीं जाएंगी उनमें शामिल टेस्ट खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए कहा जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

डब्ल्यूपीएल : गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कप्तान एश्ले गार्डनर के शानदार अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को गुजरात ने 17 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

गुजरात की ओर से गार्डनर ने 58 जबकि लिचफील्ड ने 30 रन बनाए। आरसीबी की ओर से रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी

करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 रनों पर ही 3 विकेट खो दिए। कप्तान स्मृति मंधाना भी 10 रन ही बना पायीं। वहीं डैनी व्याट केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। एलिस पेरी भी शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद राघवी बिष्ट ने 22 और कनिका अहुजा ने 33 रन बनाकर स्कोर 70 रनों के ऊपर पहुंचाया। ऋचा घोष ने 9 रन बनाये। जॉर्जिया वेयरहम ने 20 और किम गार्थ ने 14 रन बनाकर स्कोर किसी प्रकार 125 रनों तक पहुंचाया। वहीं गुजरात की ओर से डिएंड्रा डॉटिन और तनुजा कंवर ने 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया। एश्ले गार्डनर और काशवी गौतम को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज ने 17वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। उसने 66 रनों पर ही तीन विकेट हो दिये। बेथ मूनी 17, दयालन हेमलता 11 और हरलीन देओल 5 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इसके बाद गार्डनर ने फिर फीब लिचफील्ड के साथ पारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। गार्डनर और लिचफील्ड के बीच 51 रन की साझेदारी हुई। गुजरात को इस सत्र में अपनी दूसरी जीत मिली है। इस प्रकार टीम चार अंक लेकर तालिका में 5वें नंबर पर है।

पाक सरकार टीम की हार के कारण पता लगाएगी : सनाउल्लाह

लाहौर ।आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम के बाहर होने से देश भर में निराशा और गुस्से का माहौल है। इसी को देखते हुए प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार, राणा सनाउल्लाह ने सरकार इस बार का पता लगायेगी कि टीम शुरुआत में ही कैसे बाहर हो गयी। सनाउल्लाह ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर ध्यान देंगे। इस मामले को संसद में भी उठाया जाएगा। सनाउल्लाह ने यह भी कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एक स्वतंत्र निकाय है और अपने फैसले स्वयं ले सकता है, वह व्यक्तिगत रूप से प्रधान मंत्री शहबाज से इस मुद्दे को कैबिनेट और संसद में उठाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल चेयरमैन की नियुक्ति तक ही सीमित नहीं है। वहीं पीसीबी अधिकारियों के वेतन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उच्च पदस्थ अधिकारियों को प्रति माह 5 मिलियन रुपये तक दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से अनजान हैं और उन्हें अपने कर्तव्यों को पूरा किए बिना ही पैसे दिये जा रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इस टूर्नामेंट के लिए हमने 12 से 14 अरब रुपए खर्च किए पर टीम अपमानजनक तरीके से बाहर हो गयी। मुझे इस बात का बहुत दुख है। हमारे देश में ही दुनिया क्रिकेट खेलेगी और हम केवल देखेंगे। साथ ही कहा कि जितना ध्यान स्टेडियम बनाने में लगाया उतना टीम पर लगाया होता तो ये हालत नहीं होती।

शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है : शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को लगता है कि शानदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है। यह युवा खिलाड़ी मौजूदा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में है। गिल ने शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद शतक के साथ की जबकि कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 46 रनों की पारी खेली। दो मैचों में 147 रन के साथ वह विराट कोहली (122 रन) से आगे हैं और भारत के शीर्ष स्कोरर हैं।

धवन ने कहा, 'मुझे शुभमन गिल की बल्लेबाजी बहुत पसंद है, यह बहुत ही उत्तम दर्जे की है और उनकी बल्लेबाजी में लालित्य है। और उनमें निरंतरता है; यह देखकर अच्छा लगता है कि उनमें इतना पेशेवरपन है। युवा लड़के हैं, वे अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाना जानते हैं और लगातार रन बना रहे हैं। रोहित को युवाओं के साथ खेलना अच्छा लगता है और वह अपने कई सालों के अनुभव को उनके साथ साझा करते होंगे। मुझे यकीन है कि वह उनकी पीठ थपथपाते होंगे और उन्हें बताते होंगे कि किसी भी परिस्थिति में कैसे खेलना है। ये छोटी-छोटी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी के बावजूद धवन ने कहा कि उनकी कमी खलेगी, लेकिन उन्होंने कहा कि हर्षित राणा के लिए वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने का यह एक बड़ा मौका है। राणा ने टूर्नामेंट में अब तक चार विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह एक बहुत बड़ा नाम है, एक बहुत बड़ा गेंदबाज है। वह वहां लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। बेशक, उसकी मौजूदगी की बहुत कमी खल रही थी। कोई कुछ कहे या न कहे, मुझे 100त्न लगता है कि उसकी मौजूदगी बहुत महत्वपूर्ण है। हर्षित राणा के लिए यह एक बहुत अच्छा मंच है। उसके पास जुनून और आक्रामकता है, और मुझे उसका विकेट लेने का तरीका पसंद है। उसके लिए यह एक शानदार मौका है, रोहित और विराट का मार्गदर्शन भी है। उसे उनसे सीखना चाहिए और इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।'

काशी में 150 करोड़ के रुद्राक्ष-कुबेर बिके

30 करोड़ के चंदन के टीके लगे

बिहार। 100 करोड़ के रुद्राक्ष बिके। 30 करोड़ के चंदन के टीके लगे। ऐसा महाकुंभ मेले में नहीं, बल्कि काशी में हुआ। 45 दिन में कुल 4.32 करोड़ श्रद्धालु काशी पहुंचे। महाकुंभ के दौरान हर रोज करीब 5 लाख लोगों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। शहर नो-व्हीकल जोन था। 5-स्टार और 3-स्टार होटलों ने कस्टमर्स को बाइक पर लाने-ले जाने की सुविधा दी। जनरल स्टोर चलाने वाले ढाबा चलाने लग गए थे। पहली बार महाशिवरात्रि पर 43 घंटे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन हुए। 14 देशों से 1 लाख विदेशी श्रद्धालु काशी आए। इनमें मलेशिया, ब्रिटेन, रूस, यूक्रेन, इंग्लैंड, नेपाल, बांग्लादेश के लोग सबसे ज्यादा आए। भारत के 24 राज्यों के श्रद्धालु काशी पहुंचे। सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लोग पहुंचे पिछली शिवरात्रि यानी 8 मार्च, 2024 को 11.55 लाख श्रद्धालु काशी आए थे। 2025 में दोगुने से ज्यादा श्रद्धालु (करीब 25 लाख) पहुंचे। परेड कोठी के 3-स्टार होटल गौतम ग्रांड के ऋषि विपिन सिंह ने बताया- हमारे पास टूरिस्ट और कॉर्पोरेट गेस्ट ज्यादा रहे। 14 से 15 स्टेट से गेस्ट आए। ऑनलाइन बुकिंग ज्यादा हुई। हमने कस्टमर को सुविधाएं दीं। उनकी गाड़ियां शहर के बाहर ही रोक दी गई थीं, इसलिए अपने स्टाफ को बाइक से भेजकर कस्टमर को होटल तक लाए। उन्होंने कहा- महाकुंभ की जितनी भीड़ थी, आप समझिए कि उसकी आधी भीड़ काशी में भी थी। बड़ा होटल हो या छोटा, सब 100% बुक रहे। किसी ने नहीं सोचा था कि इतने लोग काशी आएंगे। आरती माहेश्वरी कहती हैं- हम पहले जनरल स्टोर चलाते थे, टॉफी-बिस्कुट वगैरह बेचते थे। हमारी दुकान पर लोग घर जैसा खाना ढूंढते हुए पहुंचते थे। हम उन्हें किसी दूसरे भोजनालय में भेज देते थे। फिर हमने जनरल स्टोर बंद कर दिया। अब हम सुबह से लेकर रात 12 बजे तक लोगों को खाना खिलाते हैं। 100 रुपए एक थाली का रेट है। दुकान के बाहर खड़े मुनीश कुमार मिश्रा कहते हैं- महाकुंभ के साथ महाशिवरात्रि की वजह से श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा रही। लोग ज्यादा आएंगे, तो उन्हें अच्छा भोजन चाहिए। काशी में ढेरों लोग ऐसे हैं, जिन्होंने घर के आगे वाले कमरे में शटर लगवा लिया। खाना खिलाया। यहां मैं खाना खाने आया हूं, इन्होंने अपनी दुकान बदल दी है। काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में 400 दुकानों पर रुद्राक्ष, स्फटिक, पीतल की मूर्तियां बिकती हैं। मंदिर से 200 मीटर की दूरी पर कारोबारी सदन यादव ने बताया- कस्टमर तो पहले भी आ रहे थे, मगर ऐसा पहली बार हुआ कि स्टॉक ही कम पड़ गया। रात में भी दुकान खोल रहे थे। दक्षिण भारत के कस्टमर ज्यादा आए। काउंटर पर 60% कस्टमर बढ़ गए थे। उन्होंने बताया- सबसे ज्यादा रुद्राक्ष की जीरो नंबर माला बिकी। इसकी कीमत 400 रुपए है। आम दिनों में 50 लोग खरीद रहे थे। लेकिन इन 45 दिनों में रोजाना 100 से 150 लोगों ने हमारी दुकान से मालाएं खरीदीं।

लखीसराय की टीम ने छह विकेट से मैच

जीतकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

बिहार। शकुनी चौधरी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन पार्वती नगर में राज्य स्तरीय मां पार्वती देवी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन थ्री का प्री-क्वार्टर मुकाबला खेसर और लखीसराय के बीच खेला गया। मैच 15-15 ओवरों का था। खेसर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बिक्रम कुमार सिंह ने 36 और टीटू ने 38 रन बनाए। बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। पूरी टीम 11.3 ओवर में 96 रन पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखीसराय की टीम ने 8 ओवर में 4 विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली। इस तरह लखीसराय ने 6 विकेट से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मैन ऑफ द मैच रास बिहारी को मुख्य अतिथि धर्मेंद्र चौधरी ने ट्रॉफी और 2 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। रास बिहारी ने 1.3 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट झटके। दूसरे हाफ का मुकाबला चंदन 11 खाजपुरा और एसके 11 बांका के बीच हुआ। खाजपुरा के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बिट्टू मैक्सी ने 18 गेंदों में 52 और अमन ने 26 गेंदों में 66 रन बनाए। टीम ने 15 ओवर में 8 विकेट पर 250 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। बांका की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 94 रन पर ही सिमट गई। खाजपुरा ने 156 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच हैप्पी यादव को मुख्य अतिथि पूर्व जिला परिषद आमोद चौधरी ने ट्रॉफी और 2 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। हैप्पी यादव ने 10 गेंदों में 35 रन बनाए और 3 ओवर में 4 विकेट झटके। मैच में अंपायर की भूमिका विनोद माजी और अरशद अली ने निभाई। तीसरे अंपायर दीपक सेंगर थे। कमेंट्री पीएन शेखर और अमित चौबे ने की। लाइव स्कोरिंग अमित सिंह और रोहित कुमार ने संभाली। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में शकुनी चौधरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निदेशक ई. रोहित चौधरी, सचिव धर्मेंद्र चौधरी, सौरव सिंह, कृष्णानंद चौधरी, कुणाल चौधरी, निर्मल सिंह, करण चौधरी, टूर्नामेंट कन्वेनर अमिताभ राजगुरु, विकास चौधरी, मो. तारिक, साहिल कुमार और राकेश कुमार की अहम भूमिका रही।

डोर स्टेप डिलीवरी में देरी पर विभाग को लिखा पत्र

हवेली खड़गपुर। अनुमंडल कार्यालय के सभागार में गुरुवार को अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन ने की। बैठक में समिति के सदस्यों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। सुधार की जरूरत पर पदाधिकारी से आग्रह किया। डोर स्टेप डिलीवरी के वाहन समय पर उपलब्ध नहीं होने पर विभाग को पत्र लिखा गया। एसडीओ राजीव रोशन ने गैस सिलेंडर विक्रेताओं को जरूरतमंदों को समय पर होम डिलीवरी करने का निर्देश दिया। बीपीएल लाभुकों को नया कनेक्शन देने और कालाबाजारी पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। एफसीआई गोदाम सहायक प्रबंधक को रोस्टर के अनुसार डीलरों को तय समय सीमा में डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। किसी भी लाभुक को कम अनाज देने पर पीडीएस विक्रेता पर कार्रवाई की बात कही। बैठक में इनामुल हक, पीजीआरओ शशि भूषण शशि, एएमओ जुली कुमारी, गोदाम प्रबंधन और गैस एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जेल से छूटकर आया महिला को मारी गोली

मुंगेर। के तारापुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में घर में घुसकर एक महिला को गोली मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जिसकी पहचान स्थानीय निवासी पटुकी यादव की 42 षीय पत्नी बेबी देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि गोली उसके दाईं आंख के पास लगी, जो उसके सिर में फंसी रह गई। घटना के बाद परिजनों ने उसे अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर पहुंचाया। जहां से उसे मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी पर तारापुर पुलिस अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर पहुंचकर पीड़िता के परिजनों से संपर्क स्थापित कर घटना की जानकारी एकत्र कर रही है। साथ ही गोली चलाने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पिता के अवैध-संबंध को लेकर हुआ था विवाद तारापुर डीएसपी सिंधु शेखर ने बताया कि नवटोलिया गांव में पप्पू यादव के पुत्र अभिनंदन यादव ने 42 वर्षीय महिला रूबी देवी को दांये आंख में गोली मारकर घायल कर दिया। जहां से महिला को बेहतर इलाज के लिए भागलपुर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया की आरोपी के पिता पप्पू यादव का घायल महिला के साथ अवैध-संबंध था, जिसको लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद होते रहता था। वही एक मामले में आरोपी अभिनंदन कुमार जेल गया था और जेल से छूट कर घर आने के बाद महिला को गोली मारी है।

एडीजी सीबीआई का मुंगेर दौरा अपराध समीक्षा और कानून व्यवस्था पर पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

बिहार। के एडीजी सीबीआई और मुंगेर जिले के नोडल अधिकारी पारसनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे। जहां सर्किट हाउस में मुंगेर रेंज के डीआईजी राकेश कुमार और एसपी सैयद इमरान मसूद ने बुके देकर उनका स्वागत किया। डीआईजी कार्यालय के सभागार में एडीजी पारसनाथ पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा और कानून व्यवस्था पर बैठक की। बता दें कि यह उनका मुंगेर का पहला दौरा है। इस बैठक की तैयारियां पिछले एक महीने से चल रही थीं। बैठक में मुंगेर रेंज के डीआईजी राकेश कुमार, एसपी सैयद इमरान मसूद समेत विभिन्न क्षेत्रों के डीएसपी मौजूद हैं। सदर डीएसपी राजेश कुमार, हवेली खड़गपुर डीएसपी चंदन कुमार और तारापुर डीएसपी सिंधु शेखर सिंह भी बैठक में शामिल हैं। साथ ही सभी प्रशिक्षक डीएसपी, सर्किल इंस्पेक्टर और जिले के थाना अध्यक्ष भी उपस्थित हैं। एडीजी बिहार पुलिस सप्ताह 2025 के दौरान चलाए गए जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 22 से 27 फरवरी तक आयोजित किया गया था। वे सभी पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे हैं। बैठक से पूर्व एडीजी ने मीडिया को बताया कि अभी हम लोग पुलिस पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक करने आए हैं और इसमें विभिन्न बातों पर चर्चा की जाएगी और चर्चा के बाद ही किन बातों को लेकर विशेष फोकस किया गया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए कई पुलिस कर्मियों को मिले पदक

पुलिस सप्ताह का समापन, CM नीतीश रहे मौजूद

बिहार। पुलिस सप्ताह 22 फरवरी से शुरू हुआ था जिसका समापन आज 27 फरवरी को हो गया। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रहे। साथ ही बिहार के कई बड़े अधिकारी और पुलिस के कई बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। यह सप्ताह आज के समय की सबसे बड़ी समस्या साइबर अपराध और इससे सुरक्षा पर रखा गया था। समारोह का कार्यक्रम बीएमपी 5 के मिथिला स्टेडियम में मनाया गया। यहां परेड का भी आयोजन हुआ। आखिरी दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सम्मिलित हुए। बिहार में मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा भी इस कार्यक्रम में पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंच पर आते ही, उन्हें सलामी दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के साथ डीजीपी विनय कुमार और परेड की अगुआई कर रही एसडीपीओ पटना सदर 1 दीक्षा मौजूद रही। परेड का सह नेतृत्व ट्रेनी डीएसपी पल्लवी कुमारी कर रही थी। कुछ पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। इस परेड में बिहार के अलग-अलग विंग के 8 टुकड़ियों ने परेड में हिस्सा लिया। इसमें महिला कमांडो की भी एक टुकड़ी ने हिस्सा लिया। इसी परिसर में बने इंडोर स्टेडियम और जिम का उद्घाटन भी किया गया। 22 फरवरी को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी। मुख्य सचिव ने अपने संबोधन में कहा था कि सरदार पटेल भवन पुलिस मुख्यालय की तारीफ किए बिना नहीं जाता है। यह भवन पटना में बनने वाला सबसे पहला भूकंप रोधी बिल्डिंग है। इस मौके पर बिहार मुख्य सचिव समेत बिहार डीजीपी समेत पुलिस के तमाम बड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। बिहार पुलिस फोर्स की बढ़ी संख्या मुख्य सचिव ने बताया था कि 2005 में बिहार के पास कुल 40 से 45 हजार फोर्स थी, वहीं आज की स्थित काफी अलग है। आज के समय में बिहार में पुलिस के 2.29 लाख पद सृजित हैं। 2005 की बात करें तो बिहार पुलिस के पास मात्र 1000 गाड़ियां थी, लेकिन आज के समय में बिहार पुलिस के पास 11000 हजार गाड़ियां है।

महाशिवरात्रि पर लखनपुर में भव्य जागरण, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

बिहार। महाशिवरात्रि की रात लखनपुर गांव में भव्य जागरण हुआ। ग्रामीणों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ इसमें भाग लिया। आयोजन गांव वासियों ने समारोह पूर्वक किया। इसमें सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं की भी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी और राजनीतिक कार्यकर्ता ई. रोहित चौधरी ने फीता काटकर किया। उनके नेतृत्व में श्रद्धालु शिवभक्तों ने भक्ति भाव से जागरण में हिस्सा लिया। भगवान शिव की आराधना की। संगीत ने जागरण में विशेष भूमिका निभाई। स्थानीय कलाकारों ने अपने सुरों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। गायक सुमन जी और रमेश कुमार ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शिव भजनों की गूंज से समूचा गांव गूंज उठा। देर रात तक श्रद्धालु भक्ति में लीन रहे। इस मौके पर सुमन चौधरी, पवन चौधरी, समाजसेवी कुणाल चौधरी, जुगल मंडल, राजधानी मंडल, आनंदी चौधरी, कपिल सिंह, सुभाष सिंह, बलराम चौधरी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

वाहन मालिक कल तक अपडेट करें अपना मोबाइल नंबर, नहीं तो अब लगेगा जुमार्ना

बिहार। वाहन मालिक और चालक अपने वाहन से लिंक मोबाइल नंबर और पता एक मार्च तक अपडेट कर लें। ऐसा नहीं करने पर 2500 रुपए जुमार्ना लगेगा। जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार अलबेला ने बताया कि वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और पता अपडेट रखना अनिवार्य कर दिया गया है। परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। डीटीओ ने बताया कि कई वाहन मालिकों और चालकों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस से लिंक मोबाइल नंबर उपयोग में नहीं हैं। इससे दुर्घटना या अन्य घटनाओं में वाहन मालिक और चालक की पहचान में परेशानी होती है। यातायात उल्लंघन की स्थिति में ई-चालान भी संबंधित व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता है। डीटीओ ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 49 के तहत, यदि वाहन मालिक अपने रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र में दर्ज पता बदलते हैं, तो 30 दिनों के अंदर नए पते की सूचना सक्षम प्राधिकार को देनी होगी। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए आधार से लिंक नंबर देना अनिवार्य होगा। एमवीआई मो. जमीर आलम ने बताया कि वाहन मालिकों और चालकों को जल्द से जल्द मोबाइल नंबर अपडेट कर लेना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई होगी। संबंधित वाहन का रजिस्ट्रेशन और चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है। परिवहन विभाग ने हेल्प डेस्क नंबर 06122547212 जारी किया है। वाहन मालिक इस नंबर पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पर अपडेट किया जा सकता है।

96 पंचायतों में डंपिंग यार्ड, फिर भी सड़क के किनारे फेंक रहे हैं

बिहार। जिले में स्वच्छता अभियान के तहत 96 पंचायतों में कचरा डंपिंग यार्ड बनाए गए हैं। इसके बावजूद खुले में कचरा फेंका जा रहा है। कई जगहों पर कचरे में आग लगा दी जाती है। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों की सेहत पर असर डाल रहा है। सफाई कर्मी घरों से कचरा उठाकर एनएच किनारे या गांव की सड़कों पर फेंक देते हैं। इससे मवेशी कचरे को इधर-उधर फैला देते हैं। जब यह कचरा सड़ता है तो बदबू फैलती है। लोग नाक पर कपड़ा रखकर गुजरने को मजबूर हैं। खुले में कचरा फेंकना और जलाना दंडनीय अपराध है। फिर भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। एनएच-80 किनारे जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। गुरुवार को तेलिया तालाब से पूरबसराय की ओर जाने वाले मार्ग में बनौधा के समीप एनएच किनारे कूड़े के ढेर में आग लगा हुआ है और उसका दुर्गंध आस-पास में फैलते जा रहा है। वहीं वहां से कुछ दूर आगे बढ़ने पर पांच नंबर गुमटी तिनबटिया के समीप भी उसी तरह से कूड़े के ढेर में आग लगा कर छोड़ दिया गया था। ऐसी स्थिति अब जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी दिखने लगी है। मुंगेर, जमालपुर, हवेली खड़गपुर, तारापुर, संग्रामपुर, टेटिया बंबर और धरहरा समेत कई इलाकों में सफाई कर्मी घर-घर से कचरा उठाते हैं। लेकिन इसे डंपिंग यार्ड तक नहीं ले जाते। सड़क किनारे ही फेंक देते हैं। कई जगहों पर कचरे के ढेर में आग लगा दी जाती है। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों को बीमार कर रहा है। जिले के कई प्रखंडों में यह समस्या लगातार बनी हुई है।

अपहरण की साजिश में आरटीआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

बिहार। तारापुर थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मो. नदीम अहमद को पुलिस ने बरामद कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया गया। नदीम अहमद के लापता होने की शिकायत उसके बेटे शाहीम अहमद ने हेमजापुर थाना में दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि 25 मई 2024 को उसके पिता सीसीए के तहत हाजिरी लगाने हेमजापुर थाना गए थे, जहां से उनका अपहरण कर लिया गया। इस शिकायत पर तारापुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर आवेदन हेमजापुर थाना भेज दिया था। जांच में पता चला कि नदीम अहमद का अपहरण नहीं हुआ था। वह खुद कुछ लोगों को फंसाने के इरादे से फरार हुआ था। पुलिस ने जब उसके बेटे शाहीम अहमद से पूछताछ की तो उसने बताया कि पिता ने ही उसे आवेदन देने को कहा था। पुलिस ने कॉल डिटेल्स खंगाली तो मामला झूठा निकला। नदीम अहमद का गांव की एक युवती से अवैध संबंध था। युवती की शादी हो जाने से वह नाराज था। वह छिपकर लखनपुर पहुंचता और उसके दरवाजे पर निकाहनामा का पोस्टर चिपका कर भाग जाता। पोस्टर में खुद को उसका पति बताते हुए लिखा था कि अगर कोई उससे शादी करता है तो पहले तलाक लेना होगा। बीते मंगलवार की रात जब वह फिर से पोस्टर चिपका रहा था, तो युवती के घरवालों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची तारापुर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर हेमजापुर थाना पुलिस को सौंप दिया। अस्पताल से पकड़ा गया ^नदीम अहमद को पुलिस ने सदर अस्पताल से पकड़ा गया। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और न्यायालय में पेश किया। आगे की कार्रवाई जारी है।

बिटुमिन रोड तोड़कर निगम बना रहा पीसीसी सड़क, लोगों ने जताया विरोध

बिहार। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत माधोपुर में समर्पण हॉस्पिटल के नजदीक से लेकर राजकीय कन्या मध्य विद्यालय तक की कालीकरण सड़क को तोड़कर पीसीसी बनाया जा रहा है। माधोपुर मोहल्लेवासियों ने इस बात का आवेदन गुरुवार को जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह व नगर आयुक्त कुमार अभिषेक को दिया है। आवेदन में कहा गया है कि वार्ड संख्या-16 व वार्ड-17 अंतर्गत आने वाले मुख्य सड़क दशकों से कालीकरण है। इस मुख्य सड़क से बड़ी-बड़ी गाड़ियां पूरबसराय होते हुए मुंगेर बस अड्डे और मुख्य बाजार तक जाती है। रोजाना इस सड़क पर सैकड़ों की संख्या में आईटीसी फैक्ट्री व कारोबारियों के ट्रक व आमजन की छोटी-बड़ी गाड़ियां चलती है। नगर निगम प्रशासन जान बूझकर करीब 1 किलोमीटर की कालीकरण सड़क को 67 लाख की लागत से पीसीसी कार्य करा रही है। पीसीसी सड़क निर्माण कार्य के जरिए संवेदक लाखों रुपए का न्यारा-वारा करते हैं और पहले से अच्छी सड़क को पीसीसी के नाम पर घटिया सामाग्री का उपयोग कर सड़क को बर्बाद कर दी जाती है। इसलिए कालीकरण सड़क को कालीकरण के जरिए ही ठीक किया जाए। मोहल्लावासी उल्लास कुमार सिंह, मुकूल कुमार सिन्हा, कुमारी मीना, प्रेमनंदन प्रसाद, अमोल कुमार गुप्ता आदि करीब 50 लोगों ने आवेदन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

सोनपुर मंडल के नजीरगंज-दलसिंहसराय-साठाजगत-बछवारा रेलखंड पर एनआई कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

हाजीपुर(बिभा): नोजिरगंज-दलसिंहसराय-साठाजगत-बछवारा रेलखंड पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग कार्य हेतु एनआई किया जाना है जिस कारण इस रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

दिनांक 04 एवं 05 मार्च, 2025 को परिचालन रद्द की गयी ट्रेनें - गाड़ी सं. 63303/04 कटिहार-समस्तीपुर-कटिहार मेमू। गाड़ी सं. 63305/06 कटिहार-सोनपुर-कटिहार मेमू । गाड़ी सं. 63307/08 कटिहार-समस्तीपुर-कटिहार मेमू। गाड़ी सं. 63287/88 बरौनी-पाटलिपुत्र-बरौनी मेमू । गाड़ी सं. 75245/46 बरौनी-सोनपुर-बरौनी डेमू। गाड़ी सं. 75239/40 बरौनी-समस्तीपुर-बरौनी डेमू

परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें - 04 मार्च, 2025 को बरौनी से खुलने वाली गाड़ी सं. 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बरौनी-शाहपुर पटोरी-हाजीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 03 मार्च, 2025 को ग्वालियर से खुलने वाली गाड़ी सं. 11123 ग्वालियर-बरौनी मेल परिवर्तित मार्ग हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को डिब्रूगढ़ से खुलने वाली गाड़ी सं. 15909 डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 03 एवं 04 मार्च, 2025 को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग समस्तीपुर-नरहन-खगड़िया के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 12554 नई दिल्ली-सहरसा वैशाली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग समस्तीपुर-नरहन-खगड़िया के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को गोरखपुर से खुलने वाली गाड़ी सं. 15028 गोरखपुर-संबलपुर मौर्य एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी के रास्ते चलायी जाएगी । 03 मार्च, 2025 को अहमदाबाद से खुलने वाली गाड़ी सं. 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को आनंद विहार से खुलने वाली गाड़ी सं. 12488 आनंद विहार-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-नरहन-खगड़िया के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को जोगबनी से खुलने वाली गाड़ी सं. 12487 जोगबनी-आनंद विहार सीमांचल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर -हाजीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को कटिहार से खुलने वाली गाड़ी सं. 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 03 मार्च, 2025 को लालगढ़ से खुलने वाली गाड़ी सं. 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग समस्तीपुर-नरहन -खगड़िया के रास्ते चलायी जाएगी । दिनांक 05 मार्च, 2025 को सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 12553 सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । दिनांक 04 मार्च, 2025 को कामाख्या से खुलने वाली गाड़ी सं. 15077 कामाख्या-गोमतीनगर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर -हाजीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 04 मार्च, 2025 को न्यू तिनसुकिया से खुलने वाली गाड़ी सं. 15933 न्यू तिनसुकिया-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर -हाजीपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 05 मार्च, 2025 को सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15529 सहरसा-आनंद विहार जनसाधारण एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खगड़िया-नरहन-समस्तीपुर के रास्ते चलायी जाएगी ।

आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें - दिनांक 04 एवं 05 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 63283 बरौनी-पटना मेमू का आंशिक प्रारंभ विद्यापतिनगर से किया जाएगा तथा 63284 पटना-बरौनी मेमू का आंशिक समापन विद्यापतिनगर में किया जाएगा । 04 एवं 05 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 13419 भागलपुर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस का आंशिक समापन बरौनी में किया जाएगा तथा गाड़ी सं. 13420 मुजफ्फरपुर-भागलपुर एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ बरौनी से ही किया जाएगा ।

नियंत्रित कर चलायी जाने वाली ट्रेनें - 01 से 03 मार्च, 2025 तक समस्तीपुर से खुलने वाली गाड़ी सं. 63308 समस्तीपुर-कटिहार मेमू रास्ते में 45 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी । 01 एवं 02 मार्च, 2025 को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 02564 नई दिल्ली-बरौनी स्पेशल रास्ते में 10 मिनट तथा 04 मार्च को खुलने वाली स्पेशल को रास्ते में 70 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी । 02 मार्च, 2025 को उधना से खुलने वाली गाड़ी सं. 22564 उधना-जयनगर एक्सप्रेस रास्ते में 30 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी । 03 मार्च, 2025 को डिब्रूगढ़ से खुलने वाली गाड़ी सं. 15903 डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस रास्ते में 40 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी । 02 मार्च, 2025 को किशनगंज से खुलने वाली गाड़ी सं. 15715 किशनगंज-अजमेर गरीब नवाज एक्सप्रेस रास्ते में 40 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी । 05 मार्च, 2025 को बलिया से खुलने वाली गाड़ी सं. 13106 बलिया-सियालदह एक्सप्रेस रास्ते में 60 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी ।

पुनर्निधारित समय से चलायी जाने वाली ट्रेन - 05 मार्च, 2025 को पाटलिपुत्र से खुलने वाली गाड़ी सं. 03388 पाटलिपुत्र-सहरसा स्पेशल पाटलिपुत्र से 120 मिनट की देरी से खुलेगी ।

मालदा मंडल के एलएचएस कार्य हेतु ट्रैफिक ब्लॉक के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

हाजीपुर(बिभा): मालदा मंडल में दिनांक 02.03.2025 को समपार फाटक के बदले एलएचएस (लो हाइट सब-वे) की लांचिंग हेतु ट्रैफिक ब्लाक लिए जाने के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है-

दिनांक 02 मार्च, 2025 को परिचालन रद्द की गयी ट्रेनें -
1. गाड़ी सं. 73421/73422 जमालपुर-किउल-जमालपुर पैसेंजर
2. गाड़ी सं. 63423/63424 जमालपुर-किउल-जमालपुर पैसेंजर
3. गाड़ी सं. 53479/53480 जमालपुर-किउल-जमालपुर पैसेंजर
4. गाड़ी सं. 73452/73451 जमालपुर-तिलरथ-जमालपुर पैसेंजर
5. गाड़ी सं. 73462/73461 जमालपुर-मानसी-जमालपुर पैसेंजर

परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें -
1. दिनांक 01 मार्च, 2025 को कामाख्या से खुलने वाली गाड़ी सं. 15658 कामाख्या-दिल्ली ब्रहमपुत्र मेल परिवर्तित मार्ग भागलपुर-रतनपुर-मुंगेर-बरौनी के रास्ते चलायी जाएगी ।
2. दिनांक 02 मार्च, 2025 को गोड्डा से खुलने वाली गाड़ी सं. 22311 गोड्डा-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग भागलपुर-रतनपुर-मुंगेर-बरौनी-मोकामा-पटना के रास्ते चलायी जाएगी ।

आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें -
1. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 13409/13410 मालदा टाउन-किउल-मालदा टाउन इंटरसिटी एक्सप्रेस का आंशिक समापन/प्रारंभ भागलपुर में/से किया जाएगा ।
2. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 13334/13333 पटना-दुमका-पटना एक्सप्रेस का आंशिक समापन/प्रारंभ किउल में/से किया जाएगा ।

नियंत्रित कर चलायी जाने वाली ट्रेनें - दिनांक 01 मार्च, 2025 को अजमेर से खुलने वाली गाड़ी सं. 13424 अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस रास्ते में 30 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी ।

पुनर्निधारित समय से चलायी जाने वाली ट्रेन -
1. दिनांक 02 मार्च, 2025 को भागलपुर से खुलने वाली गाड़ी सं. 12367 भागलपुर-आनंद विहार विक्रमशिला एक्सप्रेस भागलपुर से 45 मिनट की देरी से खुलेगी ।
2. दिनांक 02 मार्च, 2025 को गया से खुलने वाली गाड़ी सं. 53404 गया-जमालपुर पैसेंजर गया से 02 घंटे की देरी से खुलेगी।
3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को बांका से खुलने वाली गाड़ी सं. 13241 बांका-राजेन्द्रनगर एक्सप्रेस से 02 घंटे की देरी से खुलेगी ।

उपायुक्त ने तीन विज्ञान शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने आवासीय कार्यालय कक्ष में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जिले के प्रारंभिक विद्यालयों के तीन विज्ञान शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया।

इन तीन श्रेष्ठ विज्ञान शिक्षकों के चयन हेतु सभी प्रखंडों से नामित शिक्षकों की जिला स्तर पर साक्षात्कार के आधार पर की गई।

जिसमें विज्ञान विज्ञान विषय की शिक्षा में शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचार, विज्ञान विषय को रोचक तरीके से पढाने एवं बेहतर परिणाम देने के आधार पर शिक्षकों का चयन किया गया,

तीनों चयनित विज्ञान शिक्षकों का सम्मान उपायुक्त द्वारा किया गया एवं

शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए कहा विज्ञान की शिक्षा समाज के विकास और प्रौद्योगिकी की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विज्ञान के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करने के लिए इन शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की गई।

जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, श्री बादल राज द्वारा बताया गया कि इस प्रयास से छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों के मनोबल को भी बढ़ावा मिलेगा।

जानकारी हो की महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन की ओर से विज्ञान जगत को दिए गए अनुपम उपहार रमन इफेक्ट (रमन प्रभाव) की सालगिरह के मौके पर साइंस को प्रोत्साहित करने के लिए देश में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वैज्ञानिकों को उनके खोज कार्यों

सम्मानित होने वाले शिक्षक

यू धनेश्वर राव, स्नातक प्रशिक्षित विज्ञान शिक्षक, रा. म. वि. लेटे, लापुंग

अनुज कुमार श्रीवास्तव, स्नातक प्रशिक्षित विज्ञान शिक्षक, रा. म. वि., ईद, अनगड़ा।

देवंती कुजूर, स्नातक प्रशिक्षित विज्ञान शिक्षिका, रा.म. वि. बेयासी, चान्हो।

के लिए पुरस्कृत किया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य युवाओं, खास तौर पर विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना तथा लोगों को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है।

सीएमपीडीआई परिवार के 2 सेवानिवृत्त सदस्य को सम्मानित किया गया

बिभा संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई परिवार के 2 सदस्यों के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आज संस्थान के मयूरी हॉल में एक विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इनमें श्री मनोज सहाय-महाप्रबंधक एवं श्री उमेश राम-कार्यालय अधीक्षक शामिल हैं।

इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पौधा, मान-पत्र, प्रतीक चिह्न व शॉल देकर कम्पनी की ओर से सम्मानित किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के योगदान की प्रशंसा की तथा उनके उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर यूनियन के प्रतिनिधि श्री सतीश कुमार केशरी, श्री प्रलय भट्टाचार्यी, श्री टुकलाल एवं सौविक भूषण देव ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण एवं मंच का संचालन उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री अभय मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री संजय कडम्बार ने किया।

विज्ञान से विकास की असीम संभावनाएंः डॉ एनबी चौधरी

बिभा संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर अभिनव प्रेरक व्याख्यान का आयोजन डा एन बी चौधरी निदेशक सीएसबी केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची की अध्यक्षता में किया गया। निदेशक ने ज्ञान का असाधारण उपयोग कर विज्ञान का असाधारण कार्य कर सकते है एवं समाज को और सुदृढ़ बना सकते हैं। वैज्ञानिक डा निधि सुकीजा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं श्री मधुसूदन ने साइबर क्राइम पर व्याख्यान दिया। डा हरेंद्र यादव ने कहा कि जो

असंभव को संभव बना दे वह विज्ञान है। डा कर्मवीर जेना ने कहा विज्ञान सतत शोध का परिणाम है। डा जयप्रकाश पांडेय ने कहा कि सुसंगठित, सुव्यवस्थित क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहते हैं। इस कार्यक्रम का सञ्चालन श्री सुनील कुमार सहायक निदेशक राजभाषा ने किया. इस कार्यक्रम में तसर रेशम विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिकों एवं इस उद्योग से जुड़े सभी लोगों के योगदान के बारे में चर्चा की गयी एवं आगे की कार्ययोजना पर मंथन भी किया गया.

सीएमपीडीआई के सीएमडी ने तीन-दिवसीय गोंदवाना क्लब क्रिकेट लीग का उद्घाटन किया

बिभा संवाददाता

रांचीः सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने आज संस्थान के खेल मैदान में तीन-दिवसीय गोंदवाना क्लब क्रिकेट लीग-2025 टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस टूर्नामेंट में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक मैच में एक महिला खिलाड़ी अनिवार्य रूप से खेलेंगी और एक ओवर महिलाओं को

समर्पित होगा, जहां महिला खिलाड़ी विशेष रूप से गेंदबाजी और बल्लेबाजी करेंगी। इस अवसर पर कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती रूपाली गुप्ता, वरीय सलाहकार (माइनिंग) श्री ए0के0 राणा, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

राजेंद्र नगर, दानापुर, गया, मुजफ्फरपुर एवं सहरसा से नई दिल्ली/आनंद विहार के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन अविध में विस्तार

बिभा संवाददाता

हाजीपुर: होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर राजेंद्र नगर, दानापुर, गया, मुजफ्फरपुर एवं सहरसा से नई दिल्ली/आनंद विहार के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन अविध में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

1. गाड़ी सं. 02393 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे राजेंद्र नगर से 01.03.2024 से 31.03.2025 तक गुरूवार को छोड़कर सप्ताह के शेष छः दिन चलायी जाएगी ।
2. गाड़ी सं. 02394 नई दिल्ली-राजेंद्र नगर क्लोन स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे नई दिल्ली से 02.03.2024 से 01.04.2025 तक शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह के शेष छः दिन चलायी जाएगी ।
3. गाड़ी सं. 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब दानापुर से 02.03.2025 से 30.03.2025 तक प्रत्येक रविवार को चलायी जाएगी ।
4. गाड़ी सं. 03258 आनंद विहार-दानापुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब आनंद विहार से 03.03.2025 से 31.03.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी ।
5. गाड़ी सं. 02397 गया-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब गया से 02.03.2025 से 30.03.2025 तक प्रत्येक रविवार को चलायी जाएगी ।
6. गाड़ी सं. 02398 आनंद विहार-गया स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब आनंद विहार से 03.03.2025 से 31.03.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी ।
7. गाड़ी सं. 05283 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब मुजफ्फरपुर से 07.03.2025 से 28.03.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलायी जाएगी ।
8. गाड़ी सं. 05284 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे आनंद विहार से अब 08.03.2025 से 29.03.2025 तक प्रत्येक शनिवार को चलायी जाएगी ।
9. गाड़ी सं. 05219 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब मुजफ्फरपुर से 08.03.2025 से 29.03.2025 तक प्रत्येक शनिवार को चलायी जाएगी ।
10. गाड़ी सं. 05220 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे आनंद विहार से अब 09.03.2025 से 30.03.2025 तक प्रत्येक रविवार को चलायी जाएगी ।
11. गाड़ी सं. 05577 सहरसा-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब सहरसा से 02.03.2025 से 31.03.2025 तक गुरूवार एवं शनिवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी ।
12. गाड़ी सं. 05578 आनंद विहार-सहरसा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब सहरसा से 04.03.2025 से 02.04.2025 तक शनिवार एवं सोमवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी ।

यात्रीगण रेल परिचालन से जुड़ी किसी भी प्रकार की अद्यतन जानकारी रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 डायल कर अथवा नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एन.टी.ई.एस) वेब पोर्टल या मोबाइल एप से प्राप्त कर सकते हैं ।

दिनांक 02 मार्च, 2025 को परिचालन रद्द की गयी ट्रेनें -

1. गाड़ी सं. 63209 देवघर-पटना पैसेंजर 2. गाड़ी सं. 63566 झाझा-जसीडीह पैसेंजर 3. गाड़ी सं. 63565 जसीडीह-झाझा पैसेंजर 4. गाड़ी सं. 63574 किउल-जसीडीह पैसेंजर 5. गाड़ी सं. 63298 झाझा-देवघर पैसेंजर 6. गाड़ी सं. 63573 जसीडीह-किउल पैसेंजर 7. गाड़ी सं. 63572 मोकामा-जसीडीह पैसेंजर

आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें -

1. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 63509/63510 बर्द्धमान-झाझा-बर्द्धमान मेमू पैसेंजर का आंशिक समापन/प्रारंभ आसनसोल में/से किया जाएगा । 2. दिनांक 28.02.25 को वास्को डी गामा से खुलने वाली 17321 वास्को डी गामा-जसीडीह एक्सप्रेस का आंशिक समापन मधुपुर में किया जाएगा । 3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 18183/18184 टाटा-बक्सर-टाटा एक्सप्रेस का आंशिक समापन/प्रारंभ आसनसोल में/से किया जाएगा ।

परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें -

1. दिनांक 01 मार्च, 2025 को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 12304 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग डीडीयू-धनबाद-सीतारामपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 2. दिनांक 01 मार्च, 2025 को नांगलडैम से खुलने वाली गाड़ी सं. 12326 नांगलडैम-कोलकाता एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग डीडीयू-धनबाद के रास्ते चलायी जाएगी । 3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को धनबाद/पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 13331/13332 धनबाद-पटना-धनबाद एक्सप्रेस गया के रास्ते चलायी जाएगी । 4. दिनांक 01 मार्च, 2025 को गोरखपुर से खुलने वाली गाड़ी सं. 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बरौनी-मुंगेर-भागलपुर-साहिबगंज-रामपुर हाट-साईंथिया-अण्डाल - आसनसोल के रास्ते चलायी जाएगी ।

पुनर्निधारित समय से चलायी जाने वाली ट्रेन -

1. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पटना से 235 मिनट की देरी से खुलेगी । 2. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22347 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा से 235 मिनट की देरी से खुलेगी । 3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस रक्सौल से 150 मिनट की देरी से खुलेगी । 4. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22499 देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस देवघर से 110 मिनट की देरी से खुलेगी । 5. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22500 वाराणसी-देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस वाराणसी से 110 मिनट की देरी से खुलेगी । 6. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 12317 कोलकाता-अमृतसर एक्सप्रेस कोलकाता से 120 मिनट की देरी से खुलेगी । 7. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22197 कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई(झांसी) एक्सप्रेस कोलकाता से 90 मिनट की देरी से खुलेगी ।

आसनसोल मंडल के झाझा-सीतारामपुर रेलखंड के मध्य ट्रैफिक ब्लॉक के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

बिभा संवाददाता

हाजीपुरः आसनसोल मंडल के झाझा-सीतारामपुर रेलखंड पर एलएचएस एवं एफओबी के लांचिंग हेतु ट्रैफिक ब्लॉक लिये जाने कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

दिनांक 01 मार्च, 2025 को रद्द की गयी ट्रेन - गाड़ी सं. 63571 जसीडीह-मोकामा पैसेंजर

दिनांक 02 मार्च, 2025 को परिचालन रद्द की गयी ट्रेनें -

1. गाड़ी सं. 63209 देवघर-पटना पैसेंजर 2. गाड़ी सं. 63566 झाझा-जसीडीह पैसेंजर 3. गाड़ी सं. 63565 जसीडीह-झाझा पैसेंजर 4. गाड़ी सं. 63574 किउल-जसीडीह पैसेंजर 5. गाड़ी सं. 63298 झाझा-देवघर पैसेंजर 6. गाड़ी सं. 63573 जसीडीह-किउल पैसेंजर 7. गाड़ी सं. 63572 मोकामा-जसीडीह पैसेंजर

आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलायी जाने वाली ट्रेनें -

1. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 63509/63510 बर्द्धमान-झाझा-बर्द्धमान मेमू पैसेंजर का आंशिक समापन/प्रारंभ आसनसोल में/से किया जाएगा । 2. दिनांक 28.02.25 को वास्को डी गामा से खुलने वाली 17321 वास्को डी गामा-जसीडीह एक्सप्रेस का आंशिक समापन मधुपुर में किया जाएगा । 3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 18183/18184 टाटा-बक्सर-टाटा एक्सप्रेस का आंशिक समापन/प्रारंभ आसनसोल में/से किया जाएगा ।

परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें -

1. दिनांक 01 मार्च, 2025 को नई दिल्ली से खुलने वाली गाड़ी सं. 12304 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग डीडीयू-धनबाद-सीतारामपुर के रास्ते चलायी जाएगी । 2. दिनांक 01 मार्च, 2025 को नांगलडैम से खुलने वाली गाड़ी सं. 12326 नांगलडैम-कोलकाता एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग डीडीयू-धनबाद के रास्ते चलायी जाएगी । 3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को धनबाद/पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 13331/13332 धनबाद-पटना-धनबाद एक्सप्रेस गया के रास्ते चलायी जाएगी । 4. दिनांक 01 मार्च, 2025 को गोरखपुर से खुलने वाली गाड़ी सं. 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बरौनी-मुंगेर-भागलपुर-साहिबगंज-रामपुर हाट-साईंथिया-अण्डाल - आसनसोल के रास्ते चलायी जाएगी ।

पुनर्निधारित समय से चलायी जाने वाली ट्रेन -

1. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पटना से 235 मिनट की देरी से खुलेगी । 2. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22347 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा से 235 मिनट की देरी से खुलेगी । 3. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस रक्सौल से 150 मिनट की देरी से खुलेगी । 4. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22499 देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस देवघर से 110 मिनट की देरी से खुलेगी । 5. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22500 वाराणसी-देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस वाराणसी से 110 मिनट की देरी से खुलेगी । 6. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 12317 कोलकाता-अमृतसर एक्सप्रेस कोलकाता से 120 मिनट की देरी से खुलेगी । 7. दिनांक 02 मार्च, 2025 को खुलने वाली गाड़ी सं. 22197 कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई(झांसी) एक्सप्रेस कोलकाता से 90 मिनट की देरी से खुलेगी ।

भारतीय रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण एवं फॉरेक्स फॉर यू पर कार्यशाला आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची/पटना, जमशेदपुर : विदेशी मुद्रा विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, पटना द्वारा शुक्रवार को होटल विवांता में प्राधिकृत व्यापारी (एडी) बैंकों, संपूर्ण मुद्रा परिवर्तकों (एफएफएमसी) तथा निर्यातकों/ आयातकों के लिए भारतीय रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण एवं फॉरेक्स फॉर यू कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भारतीय रिजर्व बैंक, पटना के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद, महाप्रबंधक राजेश जयकंठ एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक द्वारा

स्वागत संबोधन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उक्त कार्यशाला में बिहार एवं झारखंड राज्य में विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) से संबंधित हितधारकों को एकत्रित कर उन्हें भारतीय रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण के विविध पहलुओं तथा वैश्विक व्यापार एवं वित्तीय परिदृश्य में इसकी बढ़ती भूमिका से अवगत कराया गया और फेमा से संबंधित विभिन्न दिशानिर्देश तथा हाल में हुई प्रगति को रेखांकित किया गया। कार्यशाला के उपरांत एक अत्यंत संवादात्मक खुले सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें रिजर्व बैंक के अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए।

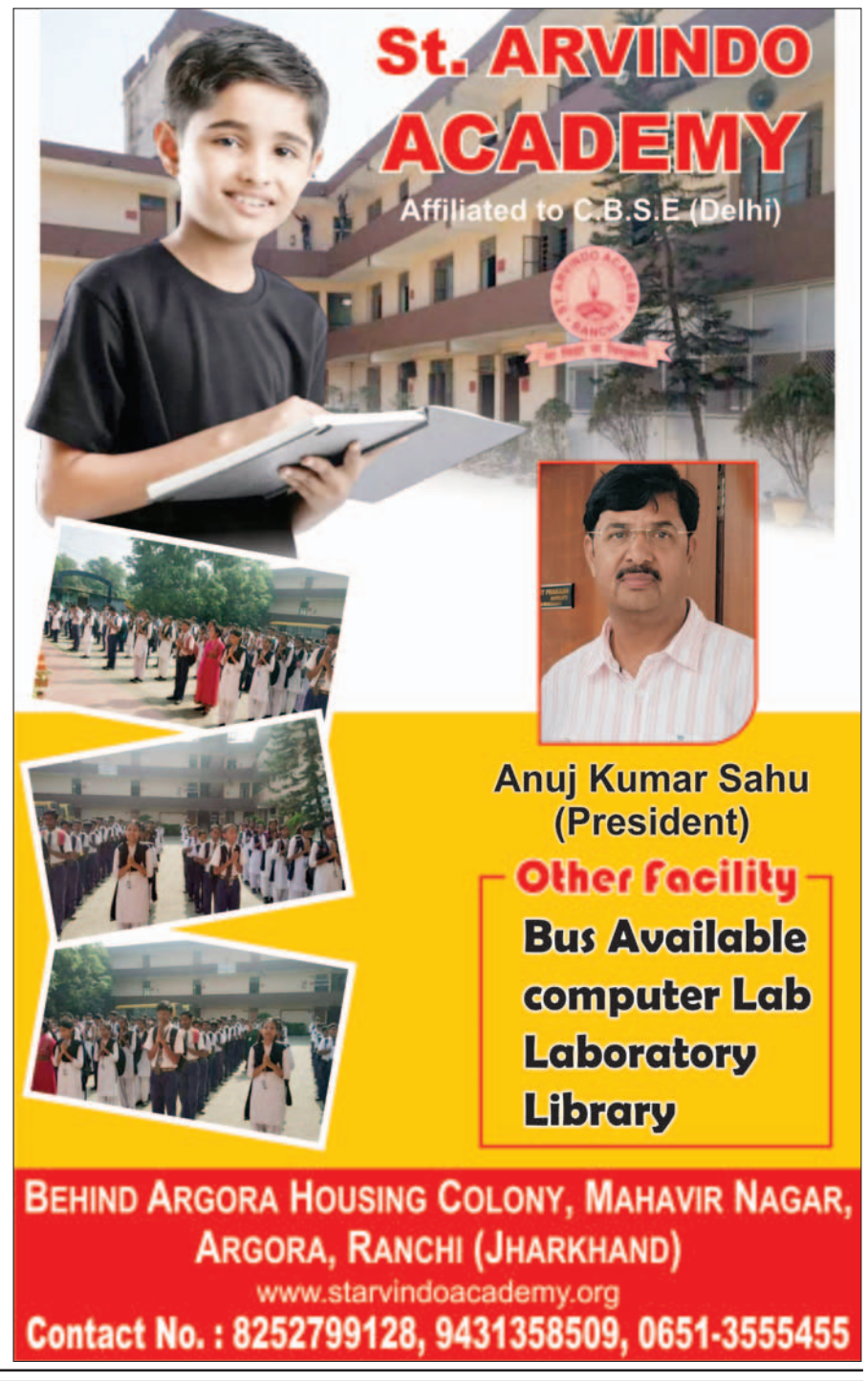

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com